खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 18 मई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-136

संसद से पारित वक्फ कानून पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट आमादा

वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल करने की होड़ कल समाप्त हो गई, जब खुद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अखबारों में नाम छपवाने के लिए याचिकाएं दाखिल करने की होड़ मची है, लिहाजा अब याचिकाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। सुप्रीम कोर्ट वक्फ कानून को लेकर 20 मई को सुनवाई करेगी, जबकि यह विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित होकर कानून बन चुका है। सुप्रीम कोर्ट के इस अति-सक्रियतावादी रवैये के खिलाफ पूरे देश में आक्रोश व्याप्त है।

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में 70 से अधिक याचिकाएं दर्ज हैं। इनमें से 10 याचिकाओं पर तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने दो दिन की सुनवाई के बाद संशोधित कानून पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन एक अंतरिम आदेश अवश्य दिया। इसमें केंद्र सरकार के आग्रह पर उसे इस मुद्दे पर दाखिल याचिकाओं का जवाब देने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया। साथ ही, अगली सुनवाई तक रजिस्टर्ड वक्फ बाइ यूजर में कोई बदलाव न करने और वक्फ बोर्ड में नई नियुक्तियां न करने के निर्देश हैं। हालांकि, केंद्र सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल ने यह आश्वासन सुनवाई शुरू होते ही दे दिया था। अब बीआर गवई सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बन चुके हैं।

अगली सुनवाई पर न्यायालय जो भी निर्णय दे, लेकिन इस मामले में कांग्रेस एक बार फिर पूरी तरह से बेनकाब हो गई है। वक्फ संशोधन कानून का विरोध तो अन्य दल भी कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस में इस मुद्दे पर

देश को रसातल में ले जाने पर आमादा तुष्टिवादी कांग्रेस

इंडी गठबंधन के अन्य सहयोगियों पीछे छोड़ देने की होड़ दिखी है। तुष्टिकरण में जुटी कांग्रेस को देखते हुए यह आरोप निराधार नहीं लगता कि वह देश का इस्लामीकरण करने वाली शक्तियों के साथ खड़ी है।

शुभ-लाभ विमर्श

साथ ही, उन आशंकाओं को भी आधार मिलता है कि कांग्रेस का मुस्लिम प्रेम आम मुसलमानों, महिलाओं के लिए न होकर कट्टरपंथी मुस्लिमों तक ही सीमित है। इस कानून के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल याचिकाओं में कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी की दिलचस्पी और भूमिका इस बात की पुष्टि करती है कि मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए कांग्रेस किसी भी हद तक जा सकती है।

सिब्बल और सिंघवी जैसे महंगे वकील अक्सर हिंदू और सनातन संस्कृति विरोधी मुकदमे लड़ते हैं तो कभी आतंकवाद के आरोपियों के पक्ष में दलीलें देते हैं। लेकिन मुस्लिम महिलाओं के उत्पीड़न और खाड़ी देशों में फंसे मुस्लिम युवकों की वापसी के लिए इनका हृदय नहीं तड़पता। स्पष्ट है कि कांग्रेस का उद्देश्य मुस्लिमों का कल्याण नहीं, सिर्फ मुस्लिम वोटों की बदौलत सत्ता का रास्ता आसान बनाने की कोशिश करना है। कांग्रेस इसलिए भी कठघरे में है, क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा से वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने के अगले ही दिन 4 अप्रैल को इसके खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में सबसे पहले जिन दो लोगों की याचिका पहुंची, ▶10 पर

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का कबूलनामा

हां, भारत ने नूर खान समेत कई एयरबेस नष्ट किए

इस्लामाबाद, 17 मई (एजेंसियां)। तमाम झूठ बोलने और गढ़ने के बाद पाकिस्तान ने भारत द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस और अन्य आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की बात आखिरकार स्वीकार कर ली है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कबूल किया है कि भारत की सेना ने रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस समेत कई स्थानों को तबाह किया।

पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पहले पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक कर उन्हें तबाह किया। इसके बाद पाकिस्तान ने आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय भारत पर ही मिसाइल और ड्रोन दागे, जिनमें से अधिकांश मार गिराए गए। इसके बाद भारत ने कार्रवाई कर पाकिस्तान के कई एयरबेस ध्वस्त कर डाले। भारत ने रावलपिंडी के नूर खान, पंजाब के रहीम यार खान, सरगोधा समेत 11 प्रमुख एयरबेस पर बैलिस्टिक मिसाइलों से जवाब दिया। भारतीय हमले में पाकिस्तान के नौ एयरबेस को भारी नुकसान पुहंचा। लेकिन पाकिस्तान इसे लगातार नकार रहा था। यहां तक कि संसद में वहां के विदेश मंत्री समेत कई नेताओं ने झूठ बोले और भारत को ही भारी नुकसान पहुंचाने की बात कहते रहे।

हमले की रात ढाई बजे ही आया था जनरल मुनीर का फोन

बलूचिस्तान आजाद होने की घोषणा से भी शहबाज चिंतित

लेकिन अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नूर खान एयरबेस पर भारत के हमले की बात स्वीकार कर ली है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया है कि 10 मई की रात को करीब ढाई बजे सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने सेफ लाइन से उन्हें कर बताया था कि भारत की बैलिस्टिक मिसाइलों ने नूर खान एयरबेस समेत कई इलाकों को भारी नुकसान पहुंचाया है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के हमलों में मारे गए पाकिस्तानी सैनिकों के लिए पाकिस्तान में आयोजित धन्यवाद दिवस (यौम-ए-तशाकुर) पर प्रधानमंत्री शहबाज ने कहा, सिपहसालार असीम मुनीर ने मुझे 9 और 10 मई की दरमियानी रात को करीब 2:30 बजे सिक्योर्ड लाइन पर फोन कर बताया कि हिंदुस्तान ने ▶10 पर

पाकिस्तान का असली चेहरा बेनकाब करेगी सात टीमें

40 सांसदों की फौज विदेश कूच करेगी

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। जंग के मैदान में पाकिस्तान को घुटने पर लाने के बाद भारत अब एक अहम रणनीति के तहत पाकिस्तान के आतंक समर्थक चेहरे को दुनिया के सामने लाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार ने 40 सांसदों की सात टीम बनाई है, जिसमें विपक्षी दल के भी सांसद है, जो विदेशों का दौरा कर वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान की पोल खोलेंगे। प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा 22 मई के बाद शुरू होने वाला है। सांसदों की सात टीमों में से एक टीम का नेतृत्व करने के लिए कांग्रेस नेता शशि थरूर का चयन किए जाने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी नाराज हैं। कांग्रेस नेता की नाराजगी का कारण यह है कि शशि थरूर का नाम पार्टी की तरफ से भेजा ही नहीं गया था। राहुल गांधी को गौरव गोगोई जैसे सांसद पसंद हैं, जिनकी पत्नी एलिजाबेथ के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से लिंक हैं और ऑपरेशन सिंदूर प्रारंभ होने के पहले खुद गौरव गोगोई 15 दिन पाकिस्तान रह कर आए हैं। शशि थरूर का नाम तय होने से राहुल गांधी का व्यक्तित्व-भय एक बार फिर उजागर हुआ है।

सात टीमों के लीडर तय, थरूर से राहुल को व्यक्तित्व भय

राहुल गांधी ने भेजा पाक-लिंक वाले कांग्रेस सांसद का नाम

पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार आतंकवाद के खिलाफ अपने जीरो टॉलरेंस के संदेश को वैश्विक पटल पर मजबूती से रखने के लिए इस महीने के अंत में सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को प्रमुख साझेदार देशों में भेजेगी। संसदीय कार्य मंत्रालय की तरफ से शनिवार को जारी बयान में कहा गया, यह सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के विरुद्ध भारत की सर्वसम्मत और दृढ़ रणनीति को दुनिया के सामने रखेगा। वे आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ भारत के सख्त रुख का संदेश लेकर जाएंगे। ▶10 पर

कटड़ा-श्रीनगर रेलवे ट्रेक की हो रही 24 घंटे निगरानी

आतंकियों के निशाने पर है संवेदनशील रेल लाइन

जम्मू, 17 मई (ब्यूरो)। आधिकारिक तौर पर कटड़ा से कश्मीर तक रेल अभी नहीं चलाई गई है, पर इस रेल लाइन पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद बढ़े खतरे को देखते हुए इसकी सुरक्षा और निगरानी पुख्ता कर दी गई है। अब इस संवेदनशील रेल लाइन की 24 घंटे निगरानी की जा रही है। रेलवे पुलिस के साथ-साथ अन्य सुरक्षा बलों को चप्पे- चप्पे पर तैनात करने के साथ ही निगरानी के लिए ड्रोन का भी सहारा लिया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि कटड़ा से संगलदान तक रेलवे ट्रैक की ताजा सुरक्षा जांच पूरी हो गई है और कश्मीर घाटी के लिए ट्रेन सेवा शुरू करने से पहले मार्ग को पूरी तरह सुरक्षित करने के लिए कुछ संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त बल तैनात किए जा रहे हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद ट्रैक की ताजा सुरक्षा जांच की गई है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि ट्रैक पर अतिरिक्त जीआरपी कर्मियों को तैनात किया जा रहा है, जबकि चेनाब नदी पर दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल और अंजी खड्ड पर भारत के पहले केबल-स्टड पुल सहित सुरंगों और पुलों की सुरक्षा पर्याप्त पाई गई है। सभी सुरंगें सीसीटीवी निगरानी में हैं और पुलों के साथ-साथ चेनाब और अंजी खड्ड पर भी चौबीस घंटे गश्त की जाएगी। खुले रेलवे ट्रैक पर कुछ समस्याएं देखी गई हैं, ▶10 पर

बर्बादी की कगार पर आम आदमी पार्टी

आपा को छोड़ गए 15 पार्षद

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आपा) को शनिवार को बहुत बड़ा झटका लगा। पार्टी के 15 पार्षदों ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) से इस्तीफा दे दिया है। दिल्ली में जल्द ही मेयर का चुनाव होना है हालांकि आपा ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि वह मेयर का चुनाव नहीं लड़ेगी। 15 पार्षदों ने पार्टी को इस्तीफा सौंप कर इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी के नाम से नए दल के गठन की घोषणा भी कर दी है। नए दल का नेतृत्व हेमचंद गोयल करेंगे। इस्तीफा देने वाले पार्षदों में मुकेश गोयल, हिमानी जैन, देवेंद्र कुमार, राजेश कुमार लाडी, सुमन अनिल राणा और दिनेश भारद्वाज आदि नेता शामिल हैं। पार्षदों की ओर से जारी किए गए आधिकारिक पत्र में कहा गया है ▶10 पर

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने देशवासियों से की अपील

सोच-समझकर किसी देश से व्यापार या पर्यटन करें

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)

। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देशवासियों से अपील की है कि वे सोच-समझकर ही किसी देश से व्यापार या पर्यटन करें। भारत के खिलाफ काम करने वाले देशों को किसी भी रूप में आर्थिक मदद न दी जाए, यही समय की मांग है। उपराष्ट्रपति कहा कि भारतीय लोग ऐसे देशों की अर्थव्यवस्था को मदद नहीं दे सकते जो भारत के हितों के खिलाफ काम कर रहे हैं। इसका मतलब यह है कि हमें ऐसे देशों से सामान खरीदने (आयात) या वहां घूमने (पर्यटन) से बचना चाहिए जो भारत विरोधी रुख अपनाते हैं। उनका यह बयान उस समय आया है जब तुर्किये और अजरबैजान के खिलाफ व्यापार और पर्यटन का बहिष्कार चल रहा है। इन दोनों देशों ने हाल ही में पाकिस्तान का साथ दिया, जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया था।एक कार्यक्रम को

संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि हर व्यक्ति को देश की सुरक्षा में सहयोग देना चाहिए। खासकर व्यापार, वाणिज्य, और उद्योग जैसे क्षेत्र सुरक्षा मामलों में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 34^0

न्यूनतम : 26^0

विदेश जा रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल ओवैसी ने कहा

मानवता के लिए खतरा बन गया है पाकिस्तान

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर पाकिस्तान को लताड़ लगाई है। ओवैसी ने कहा, पाकिस्तान मानवता के लिए खतरा बन गया है।

वह आतंकवादियों को ट्रेनिंग, फंडिंग और हथियार दे रहा है। पाकिस्तान भारत की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करना चाहता है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से असदुद्दीन ओवैसी लगातार पाकिस्तान पर बरस रहे हैं।

एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तानी डीप स्टेट और पाकिस्तानी सेना का उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को तबाह करना और समुदायों में बंटवारा कराना है। गौरतलब है कि ओवैसी को भी सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। इस पर उन्होंने कहा कि वे विदेशी सरकारों के सामने पाकिस्तान को बेनकाब करेंगे। ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान खुद को इस्लाम और सभी मुसलमानों के रहनुमा के तौर पर पेश करता है, लेकिन यह पूरी तरह से बकवास है। भारत में भी 20 करोड़ मुसलमान हैं और वे पाकिस्तान की कार्रवाई की आलोचना करते हैं।

हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने कहा, पाकिस्तान 1948 से ही भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है और अभी भी वह इसी में लगा हुआ है और मुझे नहीं लगता कि वह कभी ऐसा करना बंद करेगा। भारत सरकार को पाकिस्तान का विरोध करना चाहिए, लेकिन कश्मीरियों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया को इस बारे में बताया जाएगा कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद लंबे समय से निर्दोष लोगों की जान ले रहा है। भारत पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद का पीड़ित है। हमने पूरा तमाशा देखा है और जिया उल हक के समय से लोगों को मारा जा रहा है। ओवैसी ने कहा, भारत को पाकिस्तान की आतंकवाद की नीति को उस समय समझ जाना चाहिए था, जब उसने आजादी के तुरंत बाद कबीलाई घुसपैठियों को जम्मू कश्मीर भेजा था। पाकिस्तान तब से ही ये तमाशा कर रहा है और रुकने का नाम नहीं ले रहा है, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले से भारत के सब्र का पैमाना छलक गया है। ओवैसी ने कहा, अभी तक मुझे पता है कि मैं जिस ग्रुप में हूं, उसका नेतृत्व मेरे अच्छे दोस्त बैजयंत पांडा करेंगे। मुझे लगता है कि इसमें निशिकांत दुबे, फंगनन कोन्याक, रेखा शर्मा, सतनाम सिंह संधू और गुलाम नबी आज़ाद शामिल होंगे। मुझे लगता है कि हम जिन देशों में जाएंगे, वे हैं यूके, फ्रांस, बेल्जियम, जर्मनी, इटली और डेनमार्क। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, पाकिस्तानियों ने शायद ही कभी मुझ जैसा बेबाक और हैंडसम कोई देखा हो। वे सिर्फ मुझे ही देखते हैं। उन्हें मुझे सुनते रहना चाहिए, इससे उनकी जानकारी बढ़ेगी और उनकी गलतफहमियां दूर होंगी।ओवैसी ने कहा, पाकिस्तान की अमेरिका के साथ ट्रेड सिर्फ 10 बिलियन डॉलर की है, जबकि भारत की अमेरिका के साथ 150 बिलियन ▶10 पर

शहबाज का ऑफर : बोले–कश्मीर पर सहमति बनेगी तो मिलकर खत्म करेंगे आतंकवाद

इस्लामाबाद,17 मई (एजेंसियां) । ऑपरेशन सिंदूर के बाद घुटनों पर आया पाकिस्तान अब शांति और सौहार्द की बात कर रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि भारत के साथ बैठक होना चाहिए। उसमें कश्मीर सहित तमाम मसलों पर बात हो जाए। सहमति बनने के बाद दोनों देश मिलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ सकते हैं। बेचारे, शहबाज को शायद नहीं पता कि कश्मीर भारत का हिस्सा था, है और रहेगा। यदि बात करना ही है तो पीओके पर करें।

रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद में यौम–ए–ताश्कर में लोगों को संबोधित कर रहे शहबाज ने कहा कि भारत और पाकिस्तान अभी तक तीन पूर्ण युद्ध लड़ चुके हैं.. लेकिन दोनों ही देशों को इससे ज्यादा कुछ फायदा नहीं मिला है। शहबाज ने कहा, इससे एक सीख मिलती है कि आप एक शांतिप्रिय पड़ोसी की तरह बैठें और कश्मीर सहित सभी मुद्दों पर चर्चा शुरू करें। अगर दोनों देशों में शांति आती है, तो फिर हम साथ मिलकर आतंकवाद के खात्मे पर भी बात कर सकते हैं। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच में फिलहाल शांति है। दोनों ही तरफ से नेता बयानों के जरिए एक–दूसरे को चेतावनी दे रहे हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को कहा कि नई दिल्ली और इस्लामाबाद को शांति पूर्ण पड़ोसियों की तरह टेबल पर बैठना चाहिए और दशकों से जो मुद्दे लंबित हैं..कश्मीर सहित, उनको सुलझाना चाहिए।

राजनाथ बोले– तो पाक को पूरी फिल्म दिखाएंगे – युद्ध और बदले की बात करने वाले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। अभी तक जो कुछ भी हुआ है वह एक ट्रेलर था.. अगर पाकिस्तान नहीं सुधरा तो हम दुनिया को पूरी फिल्म दिखाएंगे। हम पाकिस्तान की हरकतों पर नजर रख रहे हैं अगर वह सुधार करता है तो ठीक है वरना उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।इससे पहले पहलगाम आतंकी हमले के बाद चले घटनाक्रम में भारत और पाकिस्तान के बीच लगभग चार दिन रॉकेट्स मिसाइल और ड्रोन्स के जरिए लड़ाई हुई थी। 10 मई को दोनों देशों ने आपसी सहमति से सैन्य टकराव खत्म करने पर सहमति व्यक्त की। इसके बाद दोनों देशों में सीजफायर हुआ।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय के डाक्टर की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अब अहमदिया समुदाय पर भी हिंसा होना शुरू हो गई है। बीती रात अहमदिया समाज के वरिष्ठ डाक्टर शेख महमूद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। एक हमलावर उनके क्लीनिक में घुसा और गोलियों की बौछार कर दी। हमलाकर मौके से फरार होने में सफल रहा। पिछले दो महीने में अहमदिया समुदाय के तीसरे व्यक्ति की हत्या है। जमात ए अहमदिया पाकिस्तान (जेएपी) के मुताबिक घटना पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के सरगोधा में शुक्रवार देर शाम की है। डा. शेख महमूद अपने क्लीनिक पर थे। तभी उन पर हमला कर दिया गया। डाक्टर की हत्या करने में तहरीक ए पाकिस्तान का हाथ होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। उनकी हत्या को लेकर मानवाधिकार समूहों ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। डा. शेख महमूद मानवतावादी थे, इसलिए उन्हें समय–समय पर चरमपंथियों से धमकियां मिलती रहती थीं। वह पहले सरकारी नौकरी में थे। लेकिन चरमपंथी गुट तहरीक ए पाकिस्तान के दबाव में उन्हें नौकरी छोड़नी पड़ी थी। इस घटना के बाद अहमदिया समुदाय में भय का माहौल है। उन्होंने सुरक्षा की मांग की है।

38 प्रतिशत भारतीय कर रहे प्रोसेस्ड फूड का सेवन

न्यू जर्सी। ग्लोबल फूड पॉलिसी रिपोर्ट 2024 के मुताबिक, 38 प्रतिशत भारतीय अब स्वास्थ्यवर्धक भोजन की बजाय प्रोसेस्ड फूड का सेवन कर रहे हैं। केवल 28 प्रतिशत लोग ही ऐसा भोजन कर रहे हैं जो उनके शरीर के लिए फायदेमंद है। भारत में प्रोसेस और जंक फूड का चलन तेजी से बढ़ रहा है, जो एक गंभीर स्वास्थ्य संकट की ओर संकेत करता है। रिपोर्ट बताती है कि 16.6 प्रतिशत भारतीय आबादी कुपोषण से जूझ रही है, बावजूद इसके इस मुद्दे पर न तो कोई ठोस बहस हो रही है और न ही कोई कारगर नीति बनती दिख रही है। तेजी से बदलती जीवनशैली और विज्ञापनों की चकाचौंध ने लोगों को इंस्टैंट और प्रोसेस फूड की ओर आकर्षित किया है, जिससे दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ गया है। इस बीच अमेरिका में भी प्रोसेस फूड को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। बता दें कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डॉक्टर केसी मीन्स को अगला सर्जन जनरल नियुक्त करने की घोषणा की है। डॉक्टर मीन्स, जो कैनेडी जूनियर की करीबी मानी जाती हैं, ने इस अवसर पर एक वीडियो जारी कर अमेरिकी हेल्थ एजेंसियों की नीतियों पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि अमेरिका में स्वास्थ्य एजेंसियां असली सुधार की दिशा में काम नहीं कर रही हैं।

पूर्व वायुसेना प्रमुख का शर्मनाक कबूलनामा, ब्रह्मोस मिसाइल ने हमारे अवाक्स विमान को तबाह कर दिया

कराची। पाकिस्तान के सेवानिवृत्त एयर मार्शल ने माना कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भोलारी एयरबेस पर हुए हमलों में पाकिस्तान ने अपना अवाक्स विमान खो दिया। पाकिस्तान के एक पूर्व वायुसेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भोलारी एयरबेस पर भारतीय हमलों में पाकिस्तान ने अपना बेशकीमती अवाक्स विमान खो दिया। सेवानिवृत्त एयर मार्शल मसूद अख्तर ने कहा कि भारत ने 11 सैन्य प्रतिष्ठानों पर किए गए मिसाइल हमले के दौरान एक एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (अवाक्स) विमान को मार गिराया। अख्तर के अनुसार, कराची के पास स्थित भोलारी एयरबेस पर लक्षित भारतीय हमले के दौरान अवाक्स को मार गिराया गया। फिर दुनिया के सामने आया पाकिस्तान सरकार का झूठ यह एयरबेस भारत के जवाबी अभियान के तहत मारे गए 11 सैन्य प्रतिष्ठानों में से एक था। पूर्व वायुसेना प्रमुख अख्तर ने माना कि भारतीय सशस्त्र बलों ने लगातार चार ब्रह्मोस मिसाइलें दागीं...सतह से सतह पर या हवा से सतह पर, मुझे पक्का पता नहीं...पाकिस्तानी पायलट अपने विमान को सुरक्षित करने के लिए दौड़े, लेकिन मिसाइलें आती रहीं और दुर्भाग्य से, चौथी मिसाइल भोलारी एयरबेस के हैंगर से टकराई, जहां हमारा एक अवाक्स खड़ा था।

युद्ध में झौंक दिए 3 साल, शांति वार्ता के लिए 2 घंटे भी बैठक नहीं कर पाए,रूस-यूक्रेन

अंकारा,17 मई (एजेंसियां) ।

बीते तीन साल से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है। शांति पर बात भी हो रही है लेकिन सहमति नहीं बन पा रही है। वजह ये है कि रूस अपनी शर्तें रख रहा है और यूक्रेन का कहना है कि पहले बंदूकों को शांत किया जाए तब कहीं शांति पर बात हे सकती है। हाल ही में हुई बैठक में टर्की में हुई बैठक भी मात्र दो घंटे ही चली और युद्ध बीते तीन साल से चल रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच बीते तीन साल से जारी युद्ध के बीच पहली बार दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच शांति वार्ता हुई। दोनों देशों के बीच युद्धविराम पर कोई सहमित नहीं बन पाई।

रूस और यूक्रेन के अधिकारी यू–आकार की एक मेज के चारों ओर आमने–सामने बैठे। तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने बैठक की शुरुआत में सभी पक्षों से इस अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया और कहा कि 'यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि संघर्षविराम यथाशीघ्र हो।अधिकारियों और पर्यवेक्षकों का मानना है कि तुर्किये की मध्यस्थता वाली वार्ता के माध्यम से तीन साल से अधिक समय से चल रहे युद्ध को रोकने में तत्काल कोई प्रगति नहीं होगी।

इस वार्ता का नतीजा इतना ही रहा कि दोनों देशों के बीच 1000 बंदियों की रिहाई पर सहमति बनी । रूस के प्रतिनिधि ने कहा कि दोनों देशों के बीच सीजफायर के प्रस्ताव पेश करने को लेकर सहमति बनी है। वहीं यूक्रेन का कहना है कि सीजफायर को लेकर वह बिल्कुल संतुष्ट नहीं है। रूस ने इस मुद्दे को लेकर कोई सकारात्मक जवाब नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि रूस ने ऐसी शर्त रखी है जो कि स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, रूस चाहता है कि यूक्रेन बड़े हिस्से से अपनी सेना को हटा ले। यह तो एक तरह से धोखे की स्थिति है। रूस इसका फायदा उठाना चाहता है। उन्होंने कहा कि रूस शांति वार्ता में भी अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है।

वहीं रूस और यूक्रेन के रुख ने टेंशन जरूर बढ़ा दी है। रूस युद्धविराम पर बात करने को तैयार नहीं है। वहीं यूक्रेन का कहना है कि बिना दोनों तरफ से बंदूकों के शांत हुए शांति की बात भी नहीं की जा सकती है। यूक्रेन का कहना था कि वार्ता के लिए कम से कम अस्थायी सीजफायर जरूरी है। यूक्रेनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि रूस ने उसकी शर्त नहीं मानी। वहीं रूस की तरफ से वार्ता में शामिल हुए व्लादिमीर मेदिन्स्की ने कहा कि वह इस वार्ता से संतुष्ट हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा है कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप, फ्रांस, जर्मनी, यूके और पोलैंड से यही अपील की है कि अगर मॉस्को बिना शर्त युद्धविराम को तैयार नहीं होता है तो उसके खिलाफ कड़े प्रतिबंध लगाए जाएं।

बता दें कि तुर्किए में होने वाली इस शांति वार्ता में पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की भी शामिल होने वाले थे। वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने भी वार्ता में शामिल होने के संकेत दिए थे। हालांकि ऐन वक्त पर पुतिन और ट्रंप दोनों ही पीछे हट गए। ऐसे में वार्ता दोनों देशों के सीनियर अधिकारियों के बीच ही सिमटकर रह गई।यूक्रेन ने कहा कि उसके सहयोगियों के प्रस्ताव के मुताबिक वह सीजफायर चाहता है। इसके बाद आगे की बात होगी। वहीं अबू धाबी में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, अब हमें करके दिखाना होगा। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हेओरही टाइखई के अनुसार रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव के नेतृत्व में यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडल ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सहयोगी व्लादिमीर मेडिंस्की के नेतृत्व में रूस के एक दल के साथ बैठक की।

ट्रंप को सीरिया के विद्रोही पसंद तो भारत को तालिबान चर्चा में आए दोनों देश

काबुल,17 मई (एजेंसियां) । इंटरनेशन डिप्लोमेसी में हित महत्वपूर्ण होते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह साबित कर दिया है। सीरिया जो कभी अमेरिका के लिए कट्टर दुश्मन था, ट्रंप आज के समय उसी पर मेहरबान हैं। ट्रंप ने सीरिया पर लगाए प्रतिबंधों को हटा दिया है। इसके अलावा सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल शरा से मुलाकात की है, जो 14 साल के गृहयुद्ध और दशकों की कूटनीति में बड़ा बदलाव दिखाता है। इस सब के पीछे का लक्ष्य है कि अमेरिका मिडिल ईस्ट में अपने सबसे बड़े दुश्मन ईरान पर फोकस करना चाहता है। ऐसा ही अब कुछ भारत कर रहा है। भारत तालिबान के साथ संबंधों को बढ़ा रहा है।

भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने गुरुवार को तालिबान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी से फोन पर बात की, जो भारत की ओर से तालिबान प्रशासन के साथ पहली मंत्रिस्तरीय बातचीत है। भारत की तालिबान के साथ बातचीत का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि नई दिल्ली ने अभी तक तालिबान प्रशासन को आधिकारिक मान्यता नहीं दी है। डॉ जयशंकर और मुत्तकी की बातचीत जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की तालिबान की ओर से निंदा के बाद हुई। इस हमले को पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों ने अंजाम दिया था। तालिबान ने पाकिस्तानी मीडिया में भारत और अफगानिस्तान के बीच अविश्वास पैदा करने की कोशिशों को खारिज किया, जिसे जयशंकर ने सराहा है।

ट्रंप ने प्रतिबंध हटाने का फैसला तब लिया है, जब बशर असद को सत्ता से हटा दिया गया। ट्रंप ने सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल शरा से मुलाकात की और प्रतिबंध हटाने की घोषणा की, जिसके बाद सीरियाई मुद्रा में 60 प्रतिशत की उछाल आई। यह कदम न केवल आर्थिक राहत दे सकता है, बल्कि सीरिया को मुख्यधारा में फिर से शामिल होने का मौका भी देता है। भारत की तालिबान से बातचीत और अमेरिका की सीरिया नीति में एक समानता नजर आती है। दोनों देश अपने रणनीतिक हितों को प्राथमिकता दे रहे हैं, भले ही इसके लिए पुराने विरोधियों से हाथ मिलाना पड़े। अमेरिका ने जिस शरा को पहले आतंकवादी माना था, उसे अब समर्थन दे रहा है, क्योंकि वह रूस और ईरान के प्रभाव को कम करना चाहता है।

इंसानों की क्रिएटिविटी छीन रहा एआई, शोध से हुआ हैरान करने वाला खुलासा

हाल ही में किए गए एक शोध से खुलासा हुआ है कि लोगों की क्रिएटिव सोच पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई का विपरीत असर पड़ रहा है। शोध बताता है कि जब लोग एआई पर बहुत ज्यादा भरोसा करने लगते हैं, तो उनकी सोच, समस्या सुलझाने और विश्लेषण करने से हटकर एआई के उत्तर की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने तक ही सीमित हो जाती है। यह बदलाव व्यक्ति के निर्णय लेने और समालोचनात्मक सोचने की क्षमताओं को कमजोर कर सकता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है। इसके विपरीत रिपोर्ट में कहा गया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने हमारी जिंदगी को कई मायनों में आसान बना दिया है। चेटजीपीटी और गूगल जेमिनी जैसे टूल्स ने न केवल कामकाज की रफ्तार बढ़ाई है बल्कि हर सेक्टर में एआई की मांग को भी आसमान पर पहुंचा दिया है। कोडिंग से लेकर इनोवेटिव लर्निंग तक, एआई आज हर जगह अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुका है, लेकिन जहां एक ओर यह तकनीक हमारे कार्यों को आसान बना रही है, तो वहीं दूसरी ओर यह इंसानों की रचनात्मकता और मानसिक क्षमता को नुकसान भी पहुंचा सकती है।

सलमान रुश्दी की आंख में चाकू मारने वाले को 25 साल की सजा

न्यूयॉर्क,17 मई (एजेंसियां) । सलमान रुश्दी की आंख पर चाकू से हमला करने वाले अपराधी को शुक्रवार को 25 साल की सजा सुनाई गई। सलमान रुश्दी की आंख पर हमला करने वाले अपराधी हादी मतार को हत्या के प्रयास का दोषी मानते हुए न्यूयॉर्क की मेविल अदालत में जज डेविड फोले ने सजा सुनाई। रुश्दी पर हमला यहीं हुआ था। हादी को फरवरी में राज्य के कानूनों के तहत दोषी ठहराया गया था, और उस पर संघीय कानूनों के तहत अलग–अलग आतंकवाद के आरोप हैं। 27 वर्षीय मतार को भी सात साल की सजा मिली है जो मुख्य सजा के साथ–साथ चलेगी।चौटाउक्का काउंटी के जिला अभियोजक जेसन श्मिट ने सजा सुनाए जाने के बाद कहा, मैं जज द्वारा लगाई गई सजा से खुश हूं। मतार के वकील नाथनियल बैरोन ने कहा कि वे इस फैसले के खिलाफ अपील दायर करेंगे। मतार ने अगस्त 2022 में चौटाउक्का इंस्टीट्यूशन में मंच पर सलमान रुश्दी पर हमला किया था। रुश्दी की दाईं आंख पर कई बार चाकू से हमला किया गया। इस वजह से उन्हें यह आंख गंवानी पड़ी थी। हमले के दौरान हेनरी रीज़ भी घायल हुए थे। हेनरी सताए गए लेखकों को शरण देने के लिए एक कार्यक्रम चलाते हैं। रुश्दी ने 2024 में प्रकाशित एक संस्मरण नाइफ में हमले और उसके बाद की घटनाओं का विवरण दिया था।सलमान रुश्दी पर हमले की शुरुआत 1989 में हुई थी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खुमैनी ने रुश्दी की मौत का फतवा जारी किया था। खुमैनी रुश्दी के उपन्यास द सैटेनिक वर्सेज को ईशनिंदा बताते हुए फतवा जारी किया था। फतवे की वजह से रुश्दी कई सालों तक ब्रिटिश अधिकारियों के संरक्षण में छिपने को मजबूर थे। बाद में न्यूयॉर्क चले गए और फिर सार्वजनिक रूप से दिखाई देने लगे। सजा सुनाए जाने से पहले, हादी मतार ने जज से कहा कि रुश्दी एक बदमाश बनना चाहता है, वह दूसरे लोगों को धमकाना चाहता है। मैं इससे सहमत नहीं हूँ। मतार ने एक अस्पष्ट बयान में कहा कि रुश्दी दूसरे लोगों के प्रति अपमानजनक थे, जिसमें उन्होंने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धर्म के बारे में असंगत बातें कीं।

इस सब में एक विडंबना है, श्मिट ने कहा। उनकी मूल्य प्रणाली यह है कि वे किसी ऐसे व्यक्ति पर न्याय और सजा की अपनी भावना थोप सकते हैं जो, आप जानते हैं, उनकी मूल्य प्रणाली का उल्लंघन करता है। बैरोन के मुताबिक मतार अदालत को मुस्लिम धर्म के बारे में अपनी दृढ़ता को बताने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा कि कुछ लोग मतार से सहमत हो सकते हैं। हालांकि अन्य शिया मुसलमानों ने कहा, जो हुआ वह गलत है। जब जुलाई में मतार के खिलाफ संघीय आरोप दायर किए गए थे, तो मेरिक गारलैंड, जो उस समय अटॉर्नी जनरल थे, ने कहा कि उन्होंने ईरानी शासन के साथ गठबंधन करने वाले एक नामित आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के नाम पर आतंकवाद का कार्य किया।

सुप्रीम कोर्ट से ट्रम्प प्रशासन को झटका, वेनेजुएला के लोगों को अमेरिका से निकालने पर रोक लगाई

वाशिंगटन,17 मई (एजेंसियां) । अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट से ट्रम्प प्रशासन को करारा झटका लगा है। अदालत ने वेनेजुएला के लोगों को देश से निकालने पर रोक लगा दी है। अदालत ने कहा है कि लोगों को देश से निकालने से पहले उन्हें कानूनी प्रक्रिया अपनाने का पूरा मौका देना चाहिए। उधर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अदालत के फैसले पर नाराजगी व्यक्त की है।

टेक्सास के एक हिरासत केन्द्र में वेनेजुएला के लोग बंद हैं। ट्रम्प प्रशासन वेनेजुएला के लोगों को सन 1798 में बने एलियन एनिमीज एक्ट के तहत देश से बाहर भेजना चाहता है। मानवाधिकार संगठन अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) के जरिए मामला अदालत पहुंचा। अदालत ने सुनवाई के बाद शुक्रवार को कहा कि 24 घंटे में बिना सुनवाई अप्रवासी लोगों को अमेरिका से बाहर भेजना सही नहीं हैं। एसीएलयू के प्रवक्ता के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को निचली अदालत सर्किट कोर्ट को भेज दिया है, जिससे इस मुद्दे वर विस्तार से सुनवाई हो सके। उधर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि सुप्रीम कोर्ट हमे अपराधियों को देश से बाहर निकालने की इजाजत नहीं दे दे रहा। गौरतलब है कि इससे पहले यह मामला अमेरिका का निचली अदालत में पहुंचा था। लेकिन अदालत ने इसे सुनने से इंकार कर दिया था। उसके बाद एसीएलयू संगठन ने सुप्रीम कोर्ट ने दस्तक दी थी।

यूएई से ट्रंप को मिला एक बूंद तेल, वायरल वीडियो में मजाक उड़ाते दिखे

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यूएई की तरफ से ट्रंप को सबसे प्रीमियम कच्चे तेल की एक बूंद तोहफे में दी गई थी। इसका मजाक उड़ाते हुए ट्रंप ने कहा कि मैं इससे बहुत ज्यादा खुश नहीं हूं। हालांकि ट्रंप बाद में मुस्कुराते हुए कहते हैं कि कोई बूंद न मिलने से बेहतर है कि एक बूंद मिली। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में ट्रंप खुले आम बूंद को हाथ में लिए अपनी निराशा को व्यक्त करते हुए नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने कहा, यह धरती पर सबसे उच्च गुणवत्ता वाला तेल है, और मुझे इसकी केवल एक बूंद दी गई है। इस वजह से मैं बहुत ज्यादा रोमांचित नहीं हूं.. लेकिन ठीक है कोई बूंद न मिलने से बेहतर है कि एक बूंद मिला है। ट्रंप जिस वक्त यह बात कह रहे थे ठीक उसी वक्त यूएई के उद्योग मंत्री और एडनॉक के सीईओ डॉक्टर सुल्तान अहमद अल जाबेर ट्रंप की मजाकिया बातों को सुनकर हंस रहे थे। उन्होंने हल्के–फुल्के अंदाज में कहा, चिंता मत करो, जहां से यह तेल आया है वहां पर बहुत कुछ है। तोहफे पर घिर रहे ट्रंप मध्य–पूर्व की यात्रा पर आए ट्रंप को काफी महंगे तोहफे मिले हैं। कतर के अमीर ने ट्रंप को 400 मिलियन डॉलर का बोइंग जेट दिया है। इस जेट को राष्ट्रपति थोड़े बदलावों के साथ अपने विमान के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। ट्रंप द्वारा इतना महंगा तोहफा लेने पर अमेरिका की घरेलू राजनीति में काफी हलचल है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने इसे तोहफा नहीं रिश्वत कहा लेकिन ट्रंप ने सभी को जवाब देते हुए कहा कि अगर कोई मुफ्त में विमान दे रहा है तो उसे अस्वीकार करना मूर्खता होगी।

भारत हर क्षेत्र में विकसित बनने की दिशा में बढ़ रहा है आगे: अमित शाह

गांधीनगर, 17 मई (एजेंसियां)।
केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात की राजधानी गांधीनगर में कहा कि भारत हर क्षेत्र में विकसित बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

श्री शाह ने आज गांधीनगर में 708 करोड़ रु की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन व शिलान्यास किया और डाक विभाग के लाभ वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद से गुजरात की ही तर्ज पर देश का विकास किया है और आज भारत हर क्षेत्र में विकसित बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को हर क्षेत्र में विकसित करने के साथ-साथ सुरक्षित रखने का काम भी किया है। उन्होंने कहा कि 2014 में श्री मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले देश में आए दिन आतंकी हमले होते थे, पाकिस्तान से आतंकी आते थे और हमारे जवानों और जनता को मार कर चले जाते थे और बम धमाके करते थे, लेकिन कोई जवाब नहीं दिया जाता था।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से तीन बड़े आतंकी हमले हुए। पहला हमला उरी, दूसरा पुलवामा और तीसरा हमला हाल ही में पहलगाम में करने का दुस्साहस पाकिस्तान-प्रेरित आतंकवादियों ने किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हर हमले का जवाब इतनी ताकत के साथ दिया है कि आज पूरी दुनिया आश्चर्यचकित होकर देख रही है और पाकिस्तान भयभीत होकर उसका अनुभव कर रहा है।

श्री अमित शाह ने कहा कि जब उरी में आतंकी हमला हुआ तब भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक कर उसका प्रतीकात्मक जवाब दिया गया, पुलवामा हमले के जवाब में एयर स्ट्राइक कर चेतावनी दी गई। पाकिस्तान और आतंकवादी फिर भी नहीं सुधरे और उन्होंने पहलगाम में हमला किया, लेकिन इस बार ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादियों के हेडक्वार्टर को नेस्तनाबूद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि दुनियाभर के सुरक्षा विशेषज्ञ ऑपरेशन सिंदूर का एनालिसिस करते हैं तो आश्चर्यचकित रह जाते हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैय्यबा के हेडक्वार्टर को मिट्टी में मिलाकर लिया। पाकिस्तानी आतंकवादियों ने हमारे नागरिकों, पर्यटकों, निहत्थे लोगों का धर्म पूछकर, उनके परिवारों और बच्चों के सामने उनकी कायराना और निशृंस हत्या की। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का जवाब अपने संस्कार के हिसाब से दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैय्यबा के हेडक्वार्टर उड़ा दिए और भारत की वीर सेनाओं ने नौ ऐसे ठिकानों को ध्वस्त करने का काम किया जहां आतंकी तैयार और प्रशिक्षित किए जाते थे। उन्होंने कहा कि पीओके में कई स्थानों और पाकिस्तान की सीमा में 100 किलोमीटर अंदर जाकर हमारी सेना ने आतंकवादियों को जवाब देने का काम किया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि कई अंतर्राष्ट्रीय आतंकी घटनाओं के सरगना और कैंपों में छिपे आतंकियों को हमारे बमों के धमाकों की गूंज ने स्पष्ट संदश भेजा कि अगर भारत की जनता के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार किया गया और आतंकी घटना की गई, तो उसका जवाब दोगुने जोश के साथ दिया जाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि हमने सिर्फ आतंकी अड्डों पर ही हमला किया था, लेकिन पाकिस्तान की सेना ने आठ मई को हमारी निर्दोष जनता पर कच्छ से लेकर कश्मीर और भारत की पश्चिमी सीमा पर हमला करने का दुस्साहस किया। प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में परफेक्ट हुए हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने एक भी मिसाइल और ड्रोन को भारत की भूमि पर नहीं गिरने दिया।

उन्होंने कहा कि भारत द्वारा 100 से अधिक दुर्दांत आतंकियों को समाप्त करने के बाद पाकिस्तान किसी भी प्रकार भारत को नुकसान पहुंचाने में सफल नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना सोच ही रही थी, तभी 9 मई को भारत के वीर जवानों ने 15 जगहों पर पाकिस्तान के कई एयरबेस पर उनकी वायु सेना की हमला करने की क्षमता को तहस नहस कर दिया। गृह मंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की सेनाओं के सामर्थ्य को आश्चर्यचकित होकर देख रही है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत ने आज़ादी के बाद पहली बार पाकिस्तान में 100 किलोमीटर अंदर जाकर पाकिस्तानी आतकी कैंप्स को ध्वस्त करने का काम किया।

उन्होंने कहा कि जो हमें न्यूक्लीयर के नाम पर डराते थे, हमारी वायु, जल और थल सेना ने उन्हें ईंट का जवाब पत्थर से देने का काम किया है। आज पूरी दुनिया हमारी सेनाओं की मारक क्षमता की सटीकता, संयम और प्रधानमंत्री मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति की प्रशंसा कर रही है।

उन्होंने कहा कि भारत की तीनों सशस्त्र सेनाओं के जवानों को आज पूरा देश सलाम कर रहा है।

श्री अमित शाह ने कहा कि हमारी सशस्त्र सेनाओं के पराक्रम से पूरे देश का मस्तक गर्व से ऊंचा हुआ है। उन्होंने कहा कि हम सबके लिए गर्व का विषय है कि गुजरात और भारत माता के सपूत हमारे नेता श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत माता के मस्तक को ऊंचा और देश को सुरक्षित करने का काम किया है। गृह मंत्री ने कहा कि जब तक दुनिया में मिलिटरी ऑपरेशन्स की चर्चा होगी तब ऑपरेशन सिंदूर की भी चर्चा होगी।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का नामकरण स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमारी माताओं-बहनों के सम्मान में किया। उन्होंने कहा कि सिंदूर का सम्मान भारत का संस्कार है और इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर रखने से पूरी दुनिया को यह संदेश देने का काम हो गया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बिहार में जो वादा किया था कि हम पहलगाम आतंकी हमले का बदला ज़रूर लेंगे, उन्होंने वह वादा पूरा करके दिखाया है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद आए यात्रियों का श्रीनगर एयरपोर्ट पर हुआ स्वागत

जम्मू, 17 मई (ब्यूरो)।
ऑपरेशन सिंदूर के बाद आए यात्रियों का श्रीनगर एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया। ट्रैवल एजेंसियों, एयरपोर्ट कर्मचारियों और अफसरों ने श्रीनगर पहुंचे पर्यटकों का फूलों से स्वागत किया।

एयरपोर्ट अधिकारियों ने आने वाले यात्रियों को स्वागत के निशान के तौर पर फूलों का गुच्छा दिया। इससे कई यात्री भावुक हो गए। दिल्ली से आने वाली एक पर्यटक अंजलि वर्मा ने कहा, यह एक सुंदर और भावुक स्वागत था। तनाव के समय में, सद्भाव के ऐसे छोटे-छोटे व्यवहार बहुत काम के होते हैं। अंजलि के साथ यात्रा कर रहे एक अन्य व्यक्ति रजत ने कहा कि उन्हें इस तरह के गर्मजोशी भरे स्वागत की उम्मीद नहीं थी। हाल ही में हुई नकारात्मक घटनाक्रम के बाद, इस स्वागत ने हमें आश्वस्त किया कि कश्मीरी अभी भी गर्मजोशी और आतिथ्य की अपनी परंपरा कायम रख रहे हैं। श्रीनगर हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने कहा, पुष्प स्वागत सद्भाव की भावना प्रदर्शित करने का छोटा सा प्रयास था। हम यह बताना चाहते हैं कि कश्मीर सभी का सम्मान और स्वागत करता है और यह धरती पर असली स्वर्ग यही है।

कश्मीर में संघर्ष विराम उल्लंघन की कोई रिपोर्ट नहीं: उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, 17 मई (एजेंसियां)।
जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) या नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर संघर्ष विराम उल्लंघन की कोई रिपोर्ट नहीं है।

मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा, जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम के उल्लंघन की अभी कोई रिपोर्ट नहीं है।

उन्होंने कहा कि सीमा पर हाल हुये संघर्ष के कारण नुकसान का आकलन किया जा रहा है और एक बार नुकसान आकलन रिपोर्ट तैयार हो जाने के बाद सरकार उसके अनुसार ही मुआवजे की रिपोर्ट तैयार करेगी।

एनआईए ने हवाई अड्डे से गिरफ्तार किए दो फरार आतंकी

मुंबई, 17 मई (एजेंसियां)।
एनआईए ने आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) से कथित रूप से जुड़े स्लीपर सेल के दो फरार आरोपियों को मुंबई हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया है। दोनों महाराष्ट्र के पुणे में आईईडी के निर्माण और परीक्षण से संबंधित 2023 के मामले में वांछित थे।

हवाई अड्डे से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अब्दुल्ला फैयाज शेख उर्फ डायपरवाला और तल्हा खान के रूप में हुई है।

ये दोनों जकार्ता (इंडोनेशिया) में छिपे हुए थे। शुक्रवार रात जब वे भारत लौट रहे थे, तभी उन्हें मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर आव्रजन ब्यूरो ने रोक लिया और हिरासत में ले लिया।

एनआईए की टीम ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। दोनों आरोपी दो साल से अधिक समय से फरार थे और उनके खिलाफ मुंबई स्थित एनआईए की विशेष अदालत द्वारा गैर-जमानती वारंट भी जारी किया गया था। एनआईए ने दोनों आरोपियों पर तीन-तीन लाख रुपए का नकद इनाम भी घोषित किया था। पुलिस ने बताया कि यह मामला इन आरोपियों द्वारा की गई एक आपराधिक साजिश से संबंधित है, जिसमें पहले ही गिरफ्तार किए गए आईएसआईएस से जुड़े पुणे स्लीपर सेल के आठ अन्य सदस्य भी शामिल हैं, जो पहले से ही जेल में बंद हैं।

एनआईए ने कहा, इन आरोपियों ने आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रची थी, जिसका उद्देश्य भारत की शांति और साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ना था। आरोपियों ने भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश रची थी ताकि आईएसआईएस के एजेंडे के तहत देश में हिंसा और आतंकवाद के माध्यम से इस्लामी शासन स्थापित किया जा सके। दोनों आतंकी पुणे के कोंढवा में अब्दुल्ला फैयाज शेख द्वारा किराए पर लिए गए मकान में आईईडी तैयार करने में शामिल थे। 2022-2023 की अवधि में आरोपियों ने इन स्थानों पर बम बनाने और प्रशिक्षण से संबंधित एक कार्यशाला आयोजित की और उसमें भाग लिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने एक नियंत्रित विस्फोट भी किया, ताकि वे द्वारा तैयार किए गए आईईडी का परीक्षण कर सकें। एनआईए ने पहले मामले में सभी 10 आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, शस्त्र अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप पत्र दायर किया था।

जांच एजेंसी ने कहा कि अब्दुल्ला फैयाज शेख और तल्हा खान के अलावा, मामले में गिरफ्तार किए गए अन्य लोगों की पहचान मोहम्मद इमरान खान, मोहम्मद यूनुस साकी, अब्दुल कादिर पठान, सिमाब नसीरुद्दीन काजी, जुल्फिकार अली बड़ौदावाला, शमील नाचन, आकिफ नाचन और शाहनवाज आलम के रूप में की गई है।

सुप्रीम कोर्ट में 26 मई से आंशिक कार्य दिवस, गवई ने 21 पीठों को किया नामित

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।
उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने 'आंशिक कार्य दिवस' (पहले ग्रीष्मकालीन अवकाश) दौरान मामलों की सुनवाई के लिए 21 पीठों को नामित किया है। शीर्ष अदालत ने एक अधिसूचना जारी कर इसकी घोषणा की है। उसके अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उन पीठों को अधिसूचित किया, जो 26 मई से 13 जुलाई, 2025 तक आंशिक कार्य दिवसों (गर्मी की छुट्टियों) के दौरान सुनवाई करेगी।

शीर्ष अदालत में 14 जुलाई, 2025 से फिर से नियमित कामकाज शुरू होगा।

अधिसूचना में कहा गया है कि छब्बीस से एक जून के दौरान पांच पीठ सुनवाई करेगी।

मुख्य न्यायाधीश गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संजय कुमार, न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और अरविंद कुमार, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ अलग-अलग सुनवाई करेगी।

इसी प्रकार दो जून से आठ जून (3 पीठ) की अवधि के दौरान न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी के अलावा न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ अलग-अलग सुनवाई करेगी।

नौ जून से 15 जून (युगल पीठ) न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन, न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ सुनवाई करेगी।

सोलह जून से 22 जून (2 पीठ) तक न्यायमूर्ति उज्जल भुयान और न्यायमूर्ति मनमोहन, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और पीबी वराले की पीठ सुनवाई करेगी।

इसी प्रकार 23 जून से 29 जून (3 पीठ) सुनवाई करेगी, जिसमें न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह, न्यायमूर्ति उज्जल भुयान और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठों में सुनवाई होगी।

शीर्ष अदालत में 30 जून से छह जुलाई के दौरान 'आंशिक कार्य दिवस' की तीन पीठ में न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन,न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ मामलों की सुनवाई करेगी।

इसी प्रकार सात जुलाई से 13 जुलाई के दौरान (3 पीठ) सुनवाई करेगी। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और

न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची, न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन, न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति आर महादेवन मामलों की सुनवाई करेंगे।

इस अवधि के दौरान, रजिस्ट्री सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए सभी कार्य दिवसों पर सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक खुली रहेगी, शनिवार को छोड़कर (12 जुलाई, शनिवार को छोड़कर), रविवार और अन्य छुट्टियों पर भी कामकाज होगा।

अधिसूचना के अनुसार, गैर-लिपिकीय सदस्य इन दिनों में भी सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक अपनी सेवाएं देंगे।

लाल डोरे की पहली रजिस्ट्री मुफ्त होगी : प्रवेश

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।
दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को कहा कि राजधानी के चालीस गांव अब शहरी क्षेत्र बनेंगे और लाल डोरे की पहली रजिस्ट्री पूरी तरह मुफ्त होगी।

श्री सिंह ने आज यहां दौलतपुर गांव किसानों का अनशन खत्म कराकर उनकी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए कहा, दौलतपुर गाँव में देहात की कुछ माँगों को लेकर अनशन पर बैठे किसान भाईयों का अनशन खत्म कराकर उन्हें भरोसा दिलाया उनकी मांगों के लिए हरसंभव समाधान का प्रयास करूंगा।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार जल्द ही मास्टर प्लान 2041 को लागू करने जा रही है और दिल्ली के 40 गांव अब शहरी क्षेत्र बनेंगे, लाल डोरे की पहली रजिस्ट्री भी पूरी तरह मुफ्त होगी।

उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि जिस प्रकार नई दिल्ली के इलाके में विकास होता है उसी प्रकार दिल्ली देहात के इलाके में भी विकास हो। सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं है और न ही इच्छाशक्ति की कमी है।

कामायनी एक्सप्रेस में बम की सूचना से हड़कंप, अफवाह निकली

खंडवा, 17 मई (एजेंसियां)।
बलिया से लोकमान्य तिलक टर्मिनस जाने वाली कामायनी एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 11072) में आज बम रखे होने की एक सूचना से हड़कंप मच गया। मध्यप्रदेश के खंडवा रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने डॉग स्कॉड के साथ पूरी ट्रेन की गहन जाँच की और कोई बम या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

रेलवे सूत्रों के अनुसार इसके बाद ट्रेन को अगले गंतव्य के लिए रवाना किया गया। इस दौरान एक घंटे तक ट्रेन खंडवा स्टेशन पर खड़ी रही और यात्री चिंतित देखे गए। ट्रेन रवाना होने के बाद सभी ने चैन की साँस ली। खंडवा रेलवे स्टेशन पर दोपहर लगभग एक बजे जब कामायनी एक्सप्रेस आई, तो अचानक पुलिस हरकत में आई। डॉग स्कॉड के साथ जीआरपी ,आरपीएफ और खण्डवा पुलिस के अधिकारियों ने अपनी टीम के साथ ट्रेन की एक-एक बोगी की जाँच की। यहाँ तक की यात्रियों के सामान की भी तलाशी ली गई। तब यात्रियों को पता चला कि ट्रेन में बम होने की कोई सूचना है, जिसके चलते यह कार्रवाई हो रही है।

खंडवा जीआरपी थाना प्रभारी एम पी ठक्कर ने बताया कि दोपहर में जीआरपी कंट्रोल रूम भोपाल से एक सूचना प्राप्त हुई कि ट्रेन नंबर 11072 कामायनी एक्सप्रेस के कोच एस-4 ,एस- 5, बी -4 और बी -5 में बम की सूचना औरंगाबाद से प्राप्त हुई है। यह सूचना मिलने के बाद जिला पुलिस कंट्रोल रूम खंडवा, आरपीएफ थाना प्रभारी, रेलवे स्टेशन मैनेजर को इसकी जानकारी दी गई। ट्रेन आने के पूर्व ही डॉग स्कॉड के साथ पूरी टीम जांच के लिए मुस्तैदी से तैनात हो गई। सभी ने मिलकर पीछे की बोगी से लेकर इंजन तक बारीकी से जाँच की, लेकिन कोई बम या संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। रेलवे के अधिकारियों द्वारा पूर्ण संतुष्टि के उपरांत ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

विलेन रंजीत की बेटी दिव्यांका बॉलीवुड से रहती हैं दूर

एक्टिंग छोड़ फैशन और ज्वेलरी डिजाइनर में पिता का नाम किया रोशन

बॉलीवुड में कई ऐसे स्टार किड्स हैं, जिन्होंने अपने माता-पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए अभिनय में हाथ आजमाया। इनमें से कुछ सफल रहे, कुछ का करियर बॉलीवुड में फ्लॉप रहा। इससे परे कुछ बड़े-बड़े सितारों के ऐसे बच्चे भी हैं, जिन्होंने न तो अपने माता-पिता के नाम का सहारा लिया और न ही लाइमलाइट में आने की कोशिश की।

खुद को लाइम लाइट से कोसों दूर रखने वाले बच्चों में बॉलीवुड के खूंखार विलेन रंजीत की खूबसूरत बेटी दिव्यांका भी हैं। जिनके बारे में आपको ज्यादा कुछ भले ही न पता हो, लेकिन उन्होंने एक्टिंग से दूर रहकर अपने पिता का नाम रोशन किया है और काफी कुछ कमाया है। कौन हैं रंजीत की बेटी, जो खूबसूरती के साथ-साथ हैं सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर है, बता दें कि जहां रंजीत का चेहरा देखकर ही लोगों को डर लग जाता है, तो उसके अपोजिट उनकी बेटी की क्यूट सी स्माइल दिल जीतने के लिए काफी है। उनका पूरा नाम दिव्यांका बेदी हैं, जो एक बिजनेसवुमन हैं।

रंजीत की बेटी भले ही मीडिया से दूर हों, लेकिन इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हैं और उनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग भी है। दिव्यांका ने अपने इंस्टा बायो में ये जानकारी शेयर की हुई है कि वह एक उम्दा फैशन और ज्वेलरी डिजाइनर हैं। इतना ही नहीं, फिटनेस में भी वह आलिया भट्ट हो या फिर कटरीना कैफ या दीपिका पादुकोण सभी को कड़ी टक्कर देती हैं। वह खुद एक फिटनेस सेंटर की मालकिन हैं और साथ ही पर्सनल ट्रेनर भी हैं।

बिजनेस के साथ-साथ रंजीत की खूबसूरत बेटी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और उनके 13 हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं। वह आए दिन कभी जिम करते हुए, तो कभी एडवेंचर की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। दिव्यांका बेदी खुद को तो फिट रखती ही हैं, साथ ही 83 साल की उम्र में भी अपने पिता की फिटनेस पर पूरा ध्यानङ्घ देती हैं।

इंस्टाग्राम पर दिव्यांका अपनी मां आलोका बेदी और पिता रंजीत की प्यारी फोटोज शेयर करती हैं। फिटनेस में तो वह बड़ी-बड़ी अदाकाराओं को मात देती ही हैं, लेकिन इसके अलावा खूबसूरती में भी उनका कोई जवाब नहीं है। सोशल मीडिया पर उनकी ग्लैमरस तस्वीरें देखकर फैंस भी उन्हें एक्टिंग में आने की सलाह देते हैं।

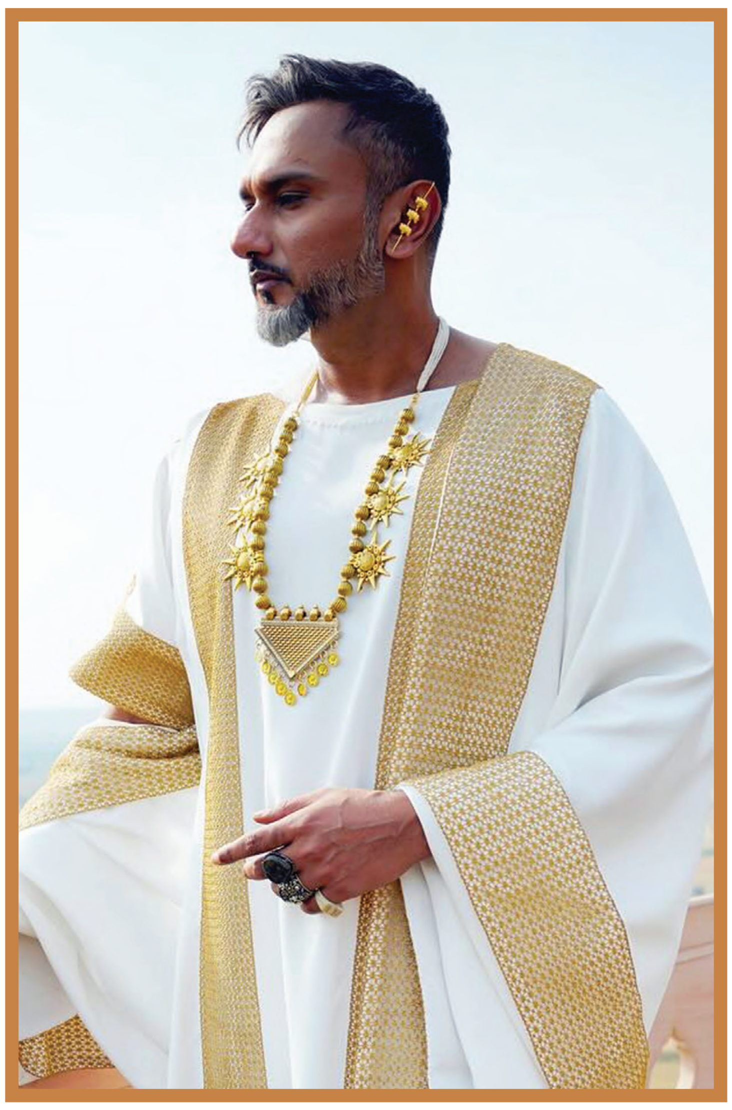

डर हमें कमजोर नहीं बलवान बनाता है : हनी सिंह

गायक, रैपर हनी सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया कि डर हमें कमजोर नहीं बनाता, बल्कि हमें और मजबूत बनाता है। सिंह का मानना है कि हर डर से जूझने के बाद आप और बहादुर बनकर निकलते हैं। हनी सिंह ने मजबूती या साहस को लेकर अपने विचार रखे। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर शेयर किए गए पोस्ट में उन्होंने लिखा, हर डर से एक साहस जन्म लेता है, डर हमें कमजोर नहीं, बल्कि बलवान बनाता है। सिंह का मानना है कि हर दिन नई चुनौतियों या डर का सामना करके, व्यक्ति अपने आप को एक जिम्मेदार, मजबूत, और समझदार इंसान के रूप में बदल लेता है। उन्होंने आगे लिखा, यही चीज मुझे भी मजबूत बनाने में मदद करती है। गायक का यह पोस्ट अपकमिंग फिल्म हाउसफुल 5 में गाए उनके गाने 'लाल परी' कॉपीराइट विवाद के बीच सामने आया है। जानकारी के अनुसार कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 5 के निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने पहले दिनेश प्रोडक्शंस से 'लाल परी' के अधिकार खरीदे, फिर जी म्यूजिक और मोफ्यूजन म्यूजिक स्टूडियो से भी कॉपीराइट क्लेम के बाद राइट्स खरीदने पड़े। 'लाल परी' गाने को हनी सिंह और सिमर कौर ने मिलकर गाया है और इसका म्यूजिक और लिरिक्स भी हनी सिंह ने तैयार किया है।

हाउसफुल 5 मल्टी-स्टारर फिल्म है। इसमें अक्षय कुमार के साथ अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, फरदीन खान, जैकलीन फर्नांडिस, नरगिस फाखरी, नाना पाटेकर, सोनम बाजवा और चित्रांगदा सिंह के अलावा और भी सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।बता दें, यह कोई पहली बार नहीं है जब हनी सिंह विवादों में फंसे हैं। इससे पहले भी उनके नाम कई मुद्दे रहे हैं।

हनी सिंह का इसी साल गाना मैनिएक रिलीज हुआ था, जिसे उन्होंने टी-सीरीज और भूषण कुमार के साथ मिलकर तैयार किया। अभिनेत्री ईशा गुप्ता पर फिल्माए गाने के बोल को लियो ग्रेवाल ने लिखा और हनी सिंह ने कंपोज किया। 'मैनिएक' में एक भोजपुरी पैरा भी है, जिसे गायिका रागिनी विश्वकर्मा ने गाया है। गाने पर अश्लीलता के आरोप लगे और दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका भी दाखिल की गई। हालांकि, कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया।

वहीं, हनी सिंह की पूर्व पत्नी शालिनी तलवार ने उन पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया था। हनी ने गुपचुप तरीके से शालिनी के साथ साल 2011 में शादी की थी और साल 2023 में दोनों का तलाक हो गया।

पूनम पांडे ने शेयर की बोल्ड तस्वीर

ओवरसाइज्ड स्वेटर और लॉन्ग बूट्स में दिखा स्टाइलिश अंदाज़

पूनम पांडे एक बार फिर अपने ग्लैमरस लुक को लेकर सोशल मीडिया पर छा गई हैं। उन्होंने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बोल्ड तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह डीप नेक ओ-वरसाइज्ड स्वेटर, ब्लैक अंडरगारमेंट्स और लॉन्ग बूट्स में नजर आ रही हैं। तस्वीर के कैप्शन में उन्होंने लिखा - यह मेरा मुझे नहीं पता था कि कैमरा चेहरे पर है है।

पूनम की यह तस्वीर वायरल हो चुकी है और फैंस उनकी बोल्डनेस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कोई उन्हें क्यूट कह रहा है तो कोई वाह और बहुत सुन्दर जैसे कॉमेंट्स कर रहा है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट होने के कुछ घंटों में ही इस फोटो पर हजारों लाइक्स और सैकड़ों कॉमेंट्स आ चुके हैं।पूनम पांडे हमेशा से ही अपने बोल्ड अंदाज़ और बिंदास स्टाइल को लेकर सुर्खियों में रही हैं। इस बार भी उन्होंने अपनी स्टाइलिश अदाओं से फैन्स को इंप्रेस कर दिया है। स्वैग से भरे इस लुक में उन्होंने बालों को दोनों हाथों से पकड़ा हुआ है, जिससे फोटो को एक ड्रामैटिक टच मिला है।सोशल मीडिया पर पूनम का यह अंदाज़ एक बार फिर चर्चा में है और यह साफ है कि वह अपने फैंस को कभी निराश नहीं करतीं। चाहे लुक हो या कॉन्फिडेंस, पूनम पांडे हमेशा बिंदास अंदाज़ में सामने आती हैं और हर बार सुर्खियां बटोर लेती हैं।

लंदन में शाहरुख खान ने कम फॉल इन लव के कलाकारों से की मुलाकात

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान लंदन में हैं। दरअसल, यहां उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे पर बन रहे म्यूजिकल ड्रामा कम फॉल इन लव का प्रीमियर 29 मई को होने वाला है। इसके लिए जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। इस बीच शाहरुख खान ने लंदन रिहर्सल रूम का अचानक दौरा किया और वहां कलाकारों से मिले। इस म्यूजिकल में सिमरन का किरदार निभा रहीं जेना पांड्या ने कहा, शाहरुख खान से मिलना और उन्हें रिहर्सल रूम में देखना वाकई सम्मान की बात है। उन्होंने शो के लिए बहुत समय और समर्थन दिया।

उन्होंने आगे कहा, शाहरुख खान को कुछ ऐसे आइकोनिक सीन्स दिखाने का मौका मिलना, जिन्हें उन्होंने और काजोल ने मिलकर बनाया था, यह एक खूबसूरत एहसास था। यह मुझे लंबे समय तक याद रहेगा। मैं अगले हफ्ते मैनचेस्टर जाने और इस कहानी को स्टेज पर पेश करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।कम फॉल इन लव-द डीडीएलजे म्यूजिकल को फिल्म के निर्देशक आदित्य चोपड़ा निर्देशित कर रहे हैं।

राज की भूमिका निभाने वाले एशले डे ने कहा, शाहरुख जब हमारे बीच आए, तो पूरा माहौल ही बदल गया। उन्होंने सारे कलाकारों को गले लगाकर मुबारकबाद दी और हर बढ़िया काम की दिल खोलकर तारीफ की।इस मौके पर संगीतकार विशाल ददलानी और शेखर रवजियानी भी मौजूद थे। उन्होंने शाहरुख से मुलाकात के बारे में बात की। विशाल

ददलानी ने कहा, शाहरुख का हमारी वर्कशॉप में आना एक बेहद सकारात्मक और प्रेरणादायक अनुभव था। राज ने राज से मुलाकात की। यह एक बेहद खास पल था। सबसे जरूरी बात, उन्हें हमारे गाने, कलाकारों की आवाजें और ऊर्जा बहुत पसंद आई।

वहीं शेखर ने कहा, शाहरुख खान की सेट पर अचानक उपस्थिति पूरी टीम के लिए एक यादगार और दिल को छू लेने वाला अनुभव था। उनकी मौजूदगी ही सब कुछ कहती है। असली राज से मिलना पूरी टीम के लिए सौभाग्य की बात थी। थिएटर शाहरुख के दिल के बेहद करीब है क्योंकि उनका करियर वहीं से शुरू हुआ था।

बब्बू मान और गुरु रंधावा मेरे प्रेरणास्त्रोत है : निमृत कौर अहलूवालिया

टीवी के हिट शो छोटी सरदारनी में मेहर के किरदार से मशहूर हुई एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया अब सिनेमा की दुनिया में कदम रख रही हैं। वह अपनी पहली पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार के ज़रिए बड़े पर्दे पर डेब्यू कर रही हैं। इस फिल्म में वह बब्बू मान और गुरु रंधावा जैसी जानी-मानी हस्तियों के साथ काम कर रही हैं। निमृत ने कहा, बब्बू मान सर और गुरु रंधावा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत ही प्रेरणादायक अनुभव था। मैं बचपन से इन दिग्गजों को देखती, सुनती और उनकी सराहना करती आई हूं। वे मेरे लिए रोल मॉडल की तरह हैं।उन्होंने कहा, पहले दिन से ही, उन्होंने गर्मजोशी और सम्मान के साथ मेरा स्वागत किया। बब्बू सर अपने अभिनय में इतनी गहराई और गंभीरता लाते हैं कि सेट पर हर कोई अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित होता है। वहीं गुरु इतने स्वाभाविक रूप से आकर्षक और सहयोगी हैं कि उनके साथ काम करना बहुत सहज लगता है। एक्शन और कट के बीच, मैं बहुत कुछ सीख रही थी, जैसे कोई मास्टरक्लास चल रही हो।

शौंकी सरदार की कहानी समाज, संस्कृति, और बदलाव से जुड़ी है। यह केवल मनोरंजन नहीं बल्कि सोचने के लिए प्रेरित करने वाली फिल्म है। सेट से जुड़े सूत्रों ने निमृत, बब्बू मान और गुरु रंधावा, तीनों के बीच एक मजबूत दोस्ती का खुलासा किया। सूत्रों ने बताया, वे न केवल ऑनस्क्रीन बल्कि ऑफस्क्रीन भी खूब मजाक-मस्ती करते हैं। उनकी दोस्ती और आपसी समझ परदे पर भी साफ झलकती है। हाल ही में फिल्म शौंकी सरदार का ट्रेलर जारी किया गया, जिसमें पंजाब की संस्कृति, जीवनशैली और जज्बातों को खूबसूरती से दर्शाया गया। फिल्म में जमकर एक्शन सीन हैं, लेकिन यह भाईचारे और गहरे पारिवारिक रिश्तों को भी उजागर करती है। ट्रेलर में गुरु रंधावा को मजेदार किरदार निभाते हुए दिखाया गया है, जो कहानी में दिलचस्प मोड़ लाते हैं और उसे आगे बढ़ाते हैं।इस फिल्म का निर्देशन धीरज केदारनाथ रत्तन ने किया है।

फिल्म केसरी चैप्टर 2 तेलुगू का ट्रेलर रिलीज, अक्षय कुमार ने किया शेयर

बॉलीवुड इंडस्ट्री के खिलाड़ी यानी अक्षय कुमार सुर्खियों में बने रहते हैं। उनकी 18 अप्रैल के दिन हिंदी भाषा में रिलीज हुई फिल्म केसरी चैप्टर 2: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग की हर जगह वाहवाही हो रही है। यह फिल्म अब तेलुगू भाषा में रिलीज होने जा रही है। एक्टर ने सोशल मीडिया पर तेलुगू ट्रेलर रिलीज किया है। अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म केसरी चैप्टर 2 का तेलुगू भाषा में ट्रेलर रिलीज किया। इस ट्रेलर को जारी करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा- लोगों ने उन पर गोलियां चलाई, लेकिन उसने डरने के बजाय सच्चाई से जवाब दिया... तेलुगू में रिलीज से यह फिल्म अब तेलुगू भाषी दर्शकों तक भी पहुंचेगी, जहां देशभक्ति और ऐतिहासिक कहानियों को लेकर गहरी रुचि देखी जाती है।

इससे पहले एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए फिल्म के तेलुगू वर्जन की रिलीजिंग डेट का खुलासा किया था। पोस्ट में फिल्म का पोस्टर शेयर किया, जिस पर तेलुगू भाषा में फिल्म का नाम केसरी चैप्टर 2 लिखा था और नीचे की ओर रिलीजिंग डेट लिखी हुई थी। इस

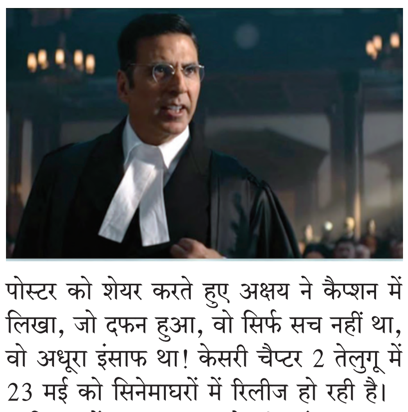

पोस्टर को शेयर करते हुए अक्षय ने कैप्शन में लिखा, जो दफन हुआ, वो सिर्फ सच नहीं था, वो अधूरा इंसाफ था! केसरी चैप्टर 2 तेलुगू में 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

फिल्म में अक्षय कुमार ने सी. शंकरन नायर की भूमिका निभाई है, जो एक निडर वकील है। वह नरसंहार के बाद ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ता है। वहीं आर. माधवन ने तेजतर्रार वकील नेविल मैककिनले का किरदार निभाया, जो ब्रिटिश सरकार की तरफ से लड़ता है। इनके अलावा, अनन्या पांडे वकील दिलरीत गिल की महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आईं। यह फिल्म रघु पलट और पुष्पा पलट की किताब द केस दैट शूक द एम्पायर से प्रेरित है। फिल्म का निर्देशन करण सिंह त्यागी ने किया है।

18 साल बाद कुंभ में राहु और सिंह राशि में आएंगे केतु

राहु-केतु का राशि परिवर्तन 18 मई को शाम 5:20 बजे होगा । राहु-केतु दोनों ही छाया ग्रह माने गए हैं और ये हमेशा वक्री यानी उल्टी चाल से चलते हैं। 18 मई को राहु कुंभ राशि में और केतु सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। ज्योतिष गणना के अनुसार शनिदेव के बाद राहु-केतु सबसे ज्यादा दिनों तक किसी एक राशि में विराजमान रहते हैं। वर्तमान में राहु मीन राशि में और केतु कन्या राशि में स्थित हैं। शनि जहां ढाई साल के बाद राशि परिवर्तन करते हैं तो वहीं राहु-केतु 18 महीनों के बाद उल्टी चाल से चलते हुए राशि बदलते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 18 साल बाद दोबारा से राहु कुंभ राशि में और केतु सिंह राशि में प्रवेश करने वाले हैं। कुंभ राशि के स्वामी शनि हैं और सिंह राशि के स्वामी सूर्य हैं। इस गोचर का सबसे ज्यादा प्रभाव पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत में देखने को मिलेगा। आने वाले दो महीनों में भारत की राजनीति, विदेश नीति और युद्ध नीति में बदलाव की संभावना है। 29 मार्च को शनि ने मीन राशि में प्रवेश किया है। अब राहु के कुंभ राशि में प्रवेश से शनि-राहु का द्वादश योग बनेगा। जिससे विश्व राजनीति में उथल-पुथल हो सकती है। इसका असर बाजार और व्यापार पर भी दिखाई देगा। न्यायिक और संवैधानिक मामलों में भी नए प्रकार के निर्णय आ सकते हैं। मंगल और राहु के बीच खड़ा अष्टक योग बनने से युद्ध की मानसिकता वाले देशों के लिए यह समय महत्वपूर्ण होगा। यह योग राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक बदलावों का संकेत दे रहा है।

राहु-केतु के बारे में पौराणिक कथा काफी प्रचलित है कथा के अनुसार जब समुद्र मंथन हो रहा था तो राहु-केतु चुपके से मंथन के दौरान निकला अमृत पी लिया था। तब भगवान विष्णु मोहनी का रूप धारण करके सभी देवताओं को अमृतपान करा रहे थे जैसे ही उन्हें इस बात का आभास हुआ फौरन ही अपने सुदर्शन चक्र से राहु का सिर धड़ से अलग कर दिया था। हालांकि इस दौरान राहु ने अमृत पान कर लिया जिसके कारण उसकी मृत्यु नहीं हुई। तभी से राहु को सिर और केतु को धड़ के रूप में है।

देश दुनिया पर असर

जब भी राहु-केतु का राशि परिवर्तन होता है। तब इसका प्रभाव न सिर्फ सभी जातकों के ऊपर होता है बल्कि देश-दुनिया पर भी प्रभाव देखने को मिलता है। राहु-केतु के गोचर से कई तरह के प्राकृतिक उथल-पुथल होने की संभावना रहती है। पृथ्वी पर गर्मी का प्रकोप बढ़ जाता है और वर्षा भी कम होती है। देश-दुनिया में राजनीति अपने चरम पर होती है। एक-दूसरे देशों में तनाव काफी बढ़ जाता है। राजनीति के क्षेत्र में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। रोग बढ़ जाते हैं जिससे जनता का हाल बुरा हो जाता है। जनता में तनाव बढ़ सकता है। झूठी बातें ज्यादा तेजी से फैलेंगी। जनता को त्वचा रोगों का सामना करना पड़ सकता है। किसानों की फसलों पर टिड्डियों और अन्य कीटों का आक्रमण हो सकता है। किसानों को अतिरिक्त सावधानी रखनी होगी।

खाने-पीने की वस्तुंओं की कमी तथा उनकी कीमतों में वृद्धि । पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों के बढ़ने के बाद जरूरी उपभोगता वस्तुओं के मूल्यों में भी इजाफा होने से जनता परेशान होगी।

दुनियाभर में गेहूं तथा अन्य अनाजों की कीमतों में वृद्धि होगी। कुछ देशों में अन्न की कमी से कानून-व्यवस्था को लेकर भी संकट की स्थिति पैदा होगी। खडी फसलों को नुक्सान हो सकता है। स्टॉक मार्केट में उथल-पुथल मच सकती है। भारत में अप्रैल से सितंबर तक का समय सत्ताधारी दल के बड़े नेताओं और अधिकारियों की सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील है। बड़े नेताओं के संदर्भ में कुछ अप्रिय घटनाएं सामने आ सकती हैंश्र कुछ बड़ी प्रकृति आपदा जैसे बाढ़-भूस्खलन से जन धन की हानि करवा सकते हैं।

वैदिक ज्योतिष में राहु ग्रह का महत्व

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, राहु एक अशुभ ग्रह है। हालांकि अन्य ग्रहों की तुलना में (केतु को छोड़कर) इसका कोई वास्तविक आकार नहीं है। इसलिए राहु को छाया ग्रह कहा जाता है। स्वभाव के अनुसार, राहु को पापी ग्रह की संज्ञा दी गई है। आमतौर पर कुंडली में राहु का नाम सुनते ही लोगों के मन में भय उत्पन्न हो जाता है। परंतु कोई भी ग्रह शुभ या अशुभ नहीं होता है बल्कि उसका फल शुभ-अशुभ होता है। यदि कुंडली कोई ग्रह मजबूत स्थिति में होता है तो वह शुभ फल देता है।

राहु को किसी भी राशि का स्वामित्व प्राप्त नहीं है। वहीं जब कमजोर स्थिति में होता है तो उसके फल नकारात्मक मिलते हैं। यहां हम राहु ग्रह की बात कर रहे हैं। राहु को अशुभ फल देने वाला ग्रह माना जाता है। लेकिन यह पूर्ण रूप से सत्य बात नहीं है। राहु कुंडली में शुभ होने पर शुभ फल भी देता है। इसके शुभ फल से व्यक्ति धनवान और राजयोग का सुख भी प्राप्त करता है।

वैदिक ज्योतिष में केतु ग्रह का महत्व

वैदिक ज्योतिष में केतु ग्रह को एक छाया ग्रह माना गया है। इसे छाया ग्रह इसलिए कहा जाता है क्योंकि केतु का अपना कोई वास्तविक रूप या आकार नहीं है। यह मोक्ष, अध्यात्म और वैराग्य का कारक है और एक रहस्यमी ग्रह है। इसलिए जब केतु किसी व्यक्ति की कुंडली में शुभ होता है तो वह उस व्यक्ति की कल्पना शक्ति को असीम कर देता है। जबकि अशुभ होने पर यह इंसान का सर्वनाश कर सकता है। केतु ग्रह किसी भी राशि का स्वामी नहीं होता है। लेकिन धनु राशि में यह उच्च और मिथुन राशि में नीच का होता है।

उपाय

कुंडली में राहु-केतु अशुभ प्रभाव रखते हैं उनको इससे बचने के लिए शनिदेव और भैरव भगवान की पूजा-अर्चना करनी चाहिए। हनुमान चालीसा का पाठ करने से राहु-केतु का प्रभाव नहीं रहता। जरूरतमंद लोगों को काले कंबल और जूते-चप्पल का दान करें। किसी मंदिर में पूजन सामग्री अर्पित करें। माता दुर्गा की पूजा-अर्चना करनी चाहिए। नाग पर नाचते हुए भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए। साथ ही मंत्र (ओम नमः भगवते वासुदेवाय) का जाप करें।

कुंभ में राहु और सिंह राशि में केतु के गोचर का सभी 12 राशियों पर प्रभाव।

मेष राशि

आप अपने जीवन में अचानक ऊर्जा और आत्मविश्वास बढ़ता देखेंगे। आपका खुद पर ज्यादा ध्यान रहेगा। आप मतलबी और स्वार्थी ना बन जाएं। अपने जीवन साथी के साथ वाद-विवाद या लड़ाई करने से बचें।

वृषभ राशि

इस दौरान अपने घर या जन्मभूमि से दूर जा सकते हैं। काम के लिए विदेश जाना हो या कार्यस्थल में बदलाव करना हो, तो इसके लिए यह समय अनुकूल है। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें।

मिथुन राशि

आप अपनी मनोकामना पूर्ति या अधिक धन कमाने के कुछ ज्यादा ही जोश में दिख सकते हैं। पारिवारिक या प्रेम संबंधों पर असर पड़ सकता है। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों या विद्यार्थियों को अपने रास्ते में बाधा मिल सकती है।

कर्क राशि

पेशेवर जीवन पर ज्यादा ध्यान देंगे और अपने घरेलू या पारिवारिक जीवन की अनदेखी कर सकते हैं। इससे आपका जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। परिवार में किसी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ सकती है।

सिंह राशि

धर्म को लेकर कुछ ज्यादा रुचि दिखा सकते हैं। तीर्थयात्रा, जागरण या धार्मिक कार्यों में व्यय हो सकता है। विदेश यात्रा के इच्छुक लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। अपने पिता के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा सचेत रहें।

कन्या राशि

गला खराब हो सकता है, बोलने में कुछ भी मुंह से गलत निकल सकता है। वहीं शरीर में स्वास्थ्य संबंधी परेशानी भी हो सकती है। शराब आदि से दूर रहें, क्योंकि दुर्घटना के योग भी बन सकते हैं।

तुला राशि

यह समय दूसरों की चिंता करने या उनकी मदद करने की कोशिश से जुड़ा है। अपने जीवनसाथी, परिवार, साझेदार, दोस्तों आदि को लेकर फिक्रमंद रहेंगे। बेहतर होगा कि इस दौरान आप खुद को भी समय दें और दूसरों की मदद के लिए जुनूनी ना बनें।

वृश्चिक राशि

आपके लिए यह अवधि अनुकूल रहेगी। किसी विवाद या कानूनी मामलों से जूझ रहे हैं तो इस दौरान परिणाम आपके पक्ष में आने की संभावना है। परिणाम आपके पक्ष में आएगा। बारहवें भाव में केतु का गोचर आपको अध्यात्म की ओर ज्यादा प्रवृत्त करेगा।

धनु राशि

कला, संगीत, क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों के लिए यह समय बेहद शानदार होगा। ये संतान का भाव भी है, इसलिए इस दौरान गर्भवती महिलाओं का ध्यान रखें। शिक्षा के क्षेत्र में कुछ गलत फैसले भारी पड़ सकते हैं।

मकर राशि

व्यवस्थित ढंग से कार्य करें। माता से संबंध बिगड़ सकते हैं। लेकिन भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। अपने जीवन को व्यवस्थित रखें और कोई गलत काम ना करें, क्योंकि इस अवधि में किसी भी गलत कार्य की फौरन सजा मिलेगी।

कुंभ राशि

संचार की नई कला सीखने में कामयाब रहेंगे। आपकी वाणी संतुलित और प्रभावी होगी और आप किसी भी अपे विचारों से प्रभावित कर पाएंगे। अपने शानदार संचार कौशल से आप अपना कोई भी अटका काम पूरा करवा सकते हैं।

मीन राशि

आप ज्यादा खानपान या पीने की इच्छा महसूस करेंगे। इस वजह से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां बढ़ सकती हैं। वहीं दुर्घटना होने की भी संभावना बनती है। इस दौरान गलत कदमों या व्यवहार की वजह से आपकी छवि भी खराब हो सकती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

रसोईघर की दिशा सही नहीं होने से आती है परेशानियां

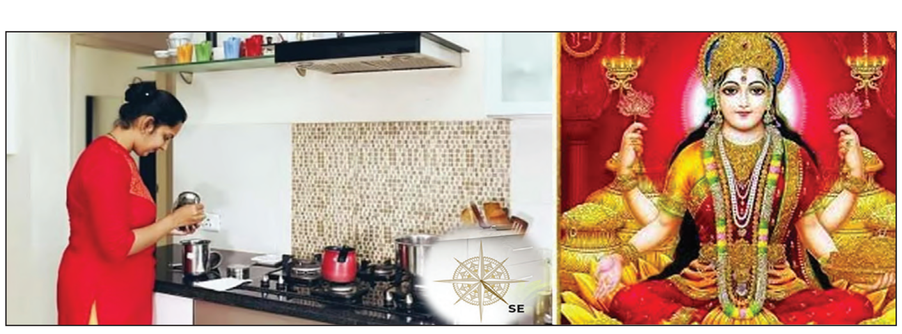

घर परिवार में कभी-कभी अचानक से परेशानियां बढ़ने लगती हैं। घर में कोई न कोई बीमार रहने लगता है। अचानक से फालतू खर्च बढ़ने लगते हैं और धन संबंधित समस्याएं होने लगती हैं। यदि आपके साथ भी ऐसा हो रहा है तो एक बार वास्तु से जुड़ी बातों पर ध्यान अवश्य दें। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि रसोई एक ऐसा स्थान होता है, जहां पर परिवार के सभी सदस्यों के लिए भोजन बनता है यदि इस स्थान पर कोई दोष हो तो इसका प्रभाव खाना बनाने वाले के साथ ही पूरे परिवार पर पड़ता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि रसोई में भोजन बनाते समय मुख सही दिशा में न हो तो परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का किचन आग्नेय कोण में होना शुभ माना जाता है जबकि अगर घर का किचन पश्चिम दिशा में होता है, तो घर के सदस्यों में बार-बार बीमार पड़ने का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसा होता है कि अच्छी डाइट लेने के बाद भी लोग बीमार पड़ जाते हैं या फिर अपने ही घर का खाना लोगों को अच्छा नहीं लगता। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के खाने के साथ भी एक ऊर्जा जुड़ी होती है। इस ऊर्जा का हमारे तन-मन पर प्रभाव पड़ता है। जैसे, वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर आपके घर विशेषकर किचन में नकारात्मक ऊर्जा है, तो इसका प्रभाव आपके खाने पर भी पड़ता है। किचन में वास्तु दोष होने से लोग बीमार पड़ने लगते हैं या फिर खाना खाने के बाद उनकी मनोस्थिति सही नहीं रहती। ऐसे में आपको किचन से जुड़े वास्तु नियम जरूर जान लेने चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार कभी भी उत्तर दिशा की ओर मुख करके भोजन बनाना शुभ नहीं माना जाता है। इस दिशा में मुख करके कभी भोजन नहीं बनाना चाहिए। इस दिशा में मुख करके भोजन बनाने से घर में कलह की स्थिति उत्पन्न होती है और धन संबंधित समस्याएं भी आने लगती हैं। इसके साथ ही कार्य क्षेत्र में भी परेशानियां आने लगती हैं। उच्चअधिकारियों और सहयोगियों के साथ संबंध खराब होने लगते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार भूलकर भी दक्षिण दिशा की तरफ मुख करके भोजन नहीं बनाना चाहिए। इस दिशा में मुख करके भोजन बनाने वाले को हमेशा स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं लगी रहती हैं। जो व्यक्ति खाना बनाता हो उस जोड़ों के दर्द, माइग्रेन और कंधों के दर्द की तकलीफ लगी रहती है साथ ही धन संबंधित परेशानियां भी लगी रहती हैं। घर में धन नहीं टिकता है।

पूर्व दिशा में मुख करके भोजन बनाना

वास्तुशास्त्र के अनुसार पूर्व दिशा में मुख करके भोजन बनाना बहुत ही शुभ माना जाता है। इस दिशा में मुख करके भोजन बनाने से घर में किसी प्रकार से अन्न और धन की कमी नहीं होती है। घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है। परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

किस दिशा में होना चाहिए किचन

वास्तु शास्त्र के अनुसार आग्रेय कोण को रसोईघर के लिए सबसे शुभ माना जाता है। घर की पूर्व और दक्षिण दिशा के बीच के क्षेत्र को आग्रेय कोण कहते हैं। यह दिशा अग्नि तत्व से जुड़ी हुई है। आग्नेय कोण को अग्नि कोण भी कहा जाता है। अग्नि कोण के स्वामी शुक्र ग्रह हैं। इस दिशा में रसोईघर होने से घर में सुख-समृद्धि तो बनी ही रहती है। साथ ही घर के लोग भी सेहतमंद रहते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ दिशाओं को किचन बनाने के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता। जैसे, उत्तर या ईशान कोण में बना किचन गंभीर रोग का कारण बन सकता है, इसलिए अपने घर में रसोईघर को भूलकर भी दक्षिण-पश्चिम दिशा में न बनाएं। इसके अलावा पश्चिम दिशा को भी किचन बनाने के लिए सही नहीं माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर आप घर की पश्चिम दिशा में किचन बनाते हैं, तो इससे गृह क्लेश की संभावना बढ़ जाती है।

गैस की सही दिशा

किचन में सबसे जरूरी माना जाता है गैस स्टोव का सही दिशा में होना। वास्तु के हिसाब से किचन के लिए सबसे आदर्श दिशा दक्षिण-पूर्व मानी जाती है। तो इस हिसाब से गैस स्टोव को पूर्व दिशा की स्लैब पर रखा होना सबसे उचित माना जाता है। अगर आपके घर में किचन दक्षिण-पश्चिम में होती है तो ऐसा देखने में आता है कि परिवार के पुरुष सदस्यों की परेशानी बढ़ने लगती है। इस दिशा में किचन का होना आपके वंश को आगे बढ़ाने में बाधक माना जाता है।

गलत दिशा में भोजन का बनना

अगर आपके घर के किचन में गलत दिशा में भोजन बनता है तो यह बहुत ही नुकसानदेह है। ऐसा होने से आपके परिवार के पुरुषों को कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं रहने लगती हैं। ऐसे घरों के पुरुष आम तौर पर अक्सर बुखार, डायबीटीज और हायपरटेंशन से परेशान रहते हैं।

महिलाओं को समस्या

अगर आपके घर की महिलाएं गलत दिशा में मुख करके भोजन बनाती हैं तो भी शारीरिक और मानसिक रूप से बीमार रहने लगती हैं। ऐसी महिलाओं के जोड़ों में दर्द रहने लगता है। उन्हें कमर में दर्द और मानसिक तनाव से दोचार होना पड़ता है। यहां तक कि उनको अपच की समस्या भी रहने लगती है।

आग और पानी एक साथ

कहावत है न कि आग और पानी का कोई साथ नहीं होता। यह बात आपकी किचन के मामले में भी एकदम फिट बैठती है। अगर आपकी किचन में गैस स्टोव और नल एक ही दिशा में हैं तो यह सबसे बड़ा दोष माना जाता है। जिन घरों में ऐसा होता है वहां परिवार के लोगों के बीच क्लेश बना रहता है। एक-दूसरे की बात कोई नहीं सुनता है। बेहतर होगा कि गैस स्टोव को उधर भूलकर भी न रखें, जिधर आपका नल हो।

इस बात का रखें ध्यान

आजकल देखने में आता है कि लोग अपने घरों में मॉड्यूलर किचन बनवाते हैं। इसमें कोई बुराई भी नहीं है। लेकिन एक बात का ध्यान रखना जरूरी है कि महिलाएं जहां खड़े होकर खाना बनाती हों उस स्थान और मुख्य द्वार के बीच में एक पर्दा, या फिर कोई दीवार होना जरूरी है। ऐसा नहीं होने पर आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है और महिलाओं के घुटनों में भी दर्द रहने लगता है।

उपाय

आपके रसोईघर अगर गलत दिशा में बन गया है, तो तोड़-फोड़ करने से अच्छा है कि आप किचन में कुछ ऐसे उपाय करें, जिससे कि किचन की ऊर्जा सकारात्मक बनी रह सके। इसके लिए सबसे पहले किचन में सुबह और शाम लोबान का धुआं फैलाएं। इसके अलावा किचन में उत्तर-पूर्व दिशा में सिंदूरी गणेश जी की तस्वीर लगाएं।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

हथेली पर ऐसी भाग्य रेखा देती है सरकारी नौकरी के संकेत, बन सकते हैं बड़े अधिकारी

भाग्य रेखा को शनि रेखा के नाम से भी जाना जाता है। किसी व्यक्ति का भविष्य जानने के लिए इस रेखा को देखने के साथ-साथ हाथ की बनावट पर भी विशेष रूप से ध्यान दिया जाता है। माना जाता है कि भाग्य रेखा का संबंध मनुष्य के सांसारिक जीवन से होता है। इस रेखा को देखकर पता लगाया जा सकता है कि आपको सफलता प्राप्त होगी या नहीं। साथ ही, भाग्य रेखा यह भी बताती है कि हमारे जीवन में किस प्रकार की बाधाएं और कठिनाइयां आ सकती हैं। भाग्य रेखा का उदय ज्यादातर जीवन रेखा, चंद्र रेखा शीर्ष रेखा या हृदय रेखा से होता है। आइए विस्तार से जानते हैं कि हथेली में भाग्य रेखा हमें हमारे जीवन और सफलता के बारे में क्या-क्या बताती है।

इन लोगों को मेहनत से मिलती है कामयाबी और धन

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर भाग्य रेखा जीवन रेखा से शुरू होकर उसी स्थान पर समाप्त हो जाए, तो ऐसे लोगों को जीवन में सफलता और धन पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। भाग्य रेखा का जीवन रेखा पर ही समाप्त होना बताता है कि आपको जीवन में कई उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, आने वाले समय में करियर में भी कई समस्याएं आपके सामने आ सकती हैं। लेकिन आप अपनी कड़ी मेहनत और योग्यता से जीवन में सफलता और धन प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, अगर भाग्य रेखा बहुत नीचे मणिबंध के पास जीवन रेखा से जुड़ी हुई हो, तो इसका अर्थ होता है कि जातक के जीवन का शुरुआती भाग अपने माता-पिता और परिवार के सदस्यों की इच्छाओं पर आधारित हो सकता है।

ऐसे लोगों को मिलती है जीवन में बड़ी सफलता और सौभाग्य

माना जाता है कि अगर भाग्य रेखा मणिबंध से शुरू होकर सीधी अपने स्थान यानी शनि क्षेत्र में पहुंच जाए, तो इसे बहुत अच्छा संकेत माना जाता है। इसका अर्थ होता है कि ऐसे लोग जीवन में खूब कामयाबी हासिल करेंगे और साथ ही, हथेली पर ऐसी रेखा को जीवन में सौभाग्य का सूचक भी माना जाता है। अगर किसी व्यक्ति की हथेली पर भाग्य रेखा चंद्र क्षेत्र से निकल रही हो, तो ऐसे लोगों को दूसरों की सहायता या प्रोत्साहन से जीवन में बड़ी सफलता हासिल हो सकती है। इस तरह की रेखा वाले लोग राजनीति के क्षेत्र में या सामाजिक कार्यकर्ता भी बन सकते हैं।

इन स्त्रियों को मिलता है धनवान जीवनसाथी

अगर भाग्य रेखा सीधी हो और चंद्र क्षेत्र से उठकर कोई रेखा उसमें मिल जाए, तो ऐसे लोगों को अपने जीवन में किसी स्त्री या जीवनसाथी की मदद से भाग्य में सफलता और धन प्राप्ति होती है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, ऐसी रेखा होने पर केवल किसी के समर्थन या मदद के भरोसे नहीं रहना चाहिए। बल्कि कड़ी मेहनत और अपनी बुद्धि से जीवन में सफलता प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। वहीं, अगर किसी स्त्री के हाथ में चंद्र क्षेत्र से इस प्रकार की रेखा भाग्य रेखा के पास पहुंचकर उसके साथ ऊपर की तरफ चलने लगे, तो यह बताती है कि उस स्त्री का जीवनसाथी बहुत धनवान होगा। साथ ही, उनके समर्थन से स्त्री को अपने जीवन में उन्नति मिलेगी।

इन लोगों की लग सकती है सरकारी नौकरी

माना जाता है कि अगर जीवन रेखा के रास्ते में किसी स्थान से कोई शाखा निकले और वह शनि की बजाए किसी दूसरे ग्रह की ओर चली जाए, तो उसका प्रभाव व्यक्ति के गुणों और भविष्य पर पड़ता है। इसका अर्थ है कि जिस ग्रह के समीप भी रेखा गई है उस ग्रह के गुणों के अनुसार आप जीवन में आगे बढ़ेंगे। हस्तरेखा विज्ञान के मुताबिक, अगर भाग्य रेखा शनि की बजाए बृहस्पति क्षेत्र की तरफ पहुंच जाए, तो वह व्यक्ति बहुत ज्ञानी होता है और समाज में प्रतिष्ठा और मान-सम्मान हासिल करता है। साथ ही, ये लोग अपनी मेहनत व योग्यता से भविष्य में सरकारी नौकरी में बड़े अधिकारी भी बन सकते हैं। ऐसी रेखा को समृद्धि और सफलता का प्रतीक माना जाता है। अगर भाग्य रेखा हृदय रेखा से जुड़कर बृहस्पति क्षेत्र तक पहुंच जाए, तो ऐसे लोग अपनी लव लाइफ के चलते जीवन में बड़ी कामयाबी हासिल करते हैं और इन्हें कभी किसी चीज की कमी नहीं होती है।

बिछड़ रहे हैं दोस्त हमारे

पिछले चार सौ साल में कई प्राणी हमेशा के लिए खो गए हैं। वे अब चित्रों में ही बाकी रह गए हैं।

बैजी रिवर डॉल्फिन

कहां मिलती थी - चीन

चायनीज रिवर डॉल्फिन या वाइटफिन डॉल्फिन हालिया विलुप्त प्राणियों में सबसे ऊपर है। यह 2006 में विलुप्त घोषित की गई। आखिरी बैजी की मृत्यु 2002 में हुई।

कैस्पियन टाइगर

कहां मिलते थे - तुर्की, ईरान और मध्य एशिया

यह साइबेरियाई और बंगाल टाइगर्स से आकार में छोटा होता था, पर रूस के साइबेरियाई या एमुर टाइगर्स से कुछ-कुछ मिलता था। 1970 आते- आते तक धरती पर एक भी कैस्पियन टाइगर नहीं बचा।

जांजीबार तेंदुआ

कहां मिलता था-तंजानिया के जांजीबार द्वीप

ये 1996 में विलुप्त घोषित कर दिए गए। इनकी विलुप्ति का मुख्य कारण भोजन की कमी और जंगलों का घटता दायरा रही।

डोडो

कहां मिलता था- मॉरिशस

डोडो ऐसा पक्षी था, जो उड़ नहीं पाता था। यह फल खाता था। इस पक्षी का मांस खाने में स्वादिष्ट नहीं होता था, इसलिए इसका शिकार नहीं किया जाता था। तब यूरोपियन्स ने सुअरों को पालना शुरू किया था। ये सुअर, डोडो के हिस्से का भोजन खा जाते थे। पर्याप्त भोजन न मिलने पर संख्या घटने लगी और आखिरकार 1681 में डोडो विलुप्त हो गए।

स्टेलर समुद्री गाय

कहां मिलती थी- प्रशांत महासागर

यह शाकाहारी स्तनधारी जीव थी। इसकी लम्बाई करीब तीस फुट थी और बाकी शरीर की तुलना में सिर काफी छोटा था। इसका शिकार करना काफी आसान था और इसी वजह से ही यह प्राणी विलुप्त भी हुआ। इसे 1768 में विलुप्त घोषित कर दिया गया।

एलिफैंट बर्ड यानी हाथी पक्षी

कहां मिलता थामेडागास्कर

इस पक्षी का वजन 500 किलोग्राम होता और लम्बाई दस फीट। बहुत ज्यादा शिकार और आवास के विनाश की वजह से यह प्रजाति भी सत्रहवीं शताब्दी आते-आते पूरी तरह खत्म हो गई। इसके अंडे का वजन लगभग नौ किलो होता था।

कितने दिलचस्प थे न ये सभी प्राणी। पर अफसोस है कि हम इन्हें कभी देख नहीं पाएंगे। इनमें से कई ऐसे प्राणी हैं, जिन्हें हमारे दादा-पापा की उम्र के लोगों ने देखा होगा, पर हम नहीं देख पाएंगे।

आवास और आहार की कमी ही इनके विलुप्त होने की मुख्य वजह रही। इसके अलावा इनका ज्यादा शिकार भी एक अहम वजह रहा।

दुख की बात है कि प्राणियों के विलुप्त होने का सिलसिला अब भी जारी है। बहुत सारे जीव-जन्तु अब इक्का-दुक्का ही बचे हैं। आइए, जानते हैं कि इन्हें बचाने के लिए हम क्या कर सकते हैं।

आपकी जिम्मेदारी

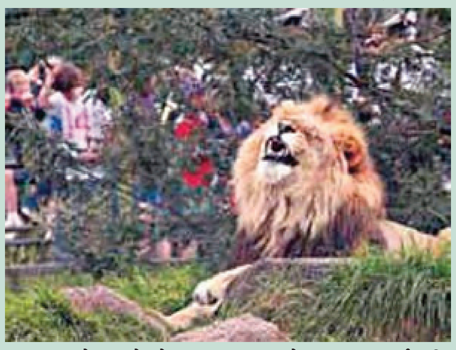

सबसे पहले तो जन्तु-जगत को सद्भाव पूर्ण दृष्टि से देखने की आवश्कता है। कई बार आपमें से कई दोस्त जानवरों से खेलने के बजाय उन्हें तकलीफ पहुंचाते हैं। पिंजरे मे कैद जानवर को लकड़ी से कोंचने या फिर उसे पत्थर मारने जैसी हरकत न करें, क्योंकि कोई आपके साथ ऐसा करें तो अच्छा नहीं लगेगा न आपको।

अपने घर के आस-पास मिलने वाले प्राणियां के बारे में जानकारी जुटाएं। इस स्थान पर इनकी क्या स्थिति है। कहीं वे संकटग्रस्त तो नहीं हैं। यदि वे संकट ग्रस्त प्राणियों में आते हैं, तो फिर उन्हें बचाने के लिए कोशिश कीजिए। किसी ग़ैर सरकारी संस्थान से संपर्क कीजिए। कुछ पैसे जुटाइए या फिर आप खुद भी एक छोटी कैंपेनिंग कर सकते हैं। इससे लोगों को जागरूक करने की कोशिश कीजिए। जो जीव आपके आसपास पाए जाते हैं, उनका जीव-चक्र में क्या योगदान है, पर्यावरण के लिए वे कितने महत्वपूर्ण हैं, इसके बारे में भी जानकारी जुटाएं।

मिलेगा संतोष

यह सब करने से आपको संतोष मिलेगा। ऐसा महसूस होगा कि आप कुछ जिम्मेदार हो गए हैं। आपकी इस पहल से हो सकता है कि और भी लोग आगे आएं। लोगों के आगे आने से कुछ ऐसी संकटग्रस्त प्रजातियां जिनका अस्तित्व खतरे में हो, उनका संरक्षण किया जा सकेगा।

अंतर ढूंढो

यहां आपको एक जैसी दो तस्वीरें दिखाई दे रही हैं। पहली बार देखने में तो आपको अंतर समझ में नहीं आएगा, लेकिन जरा गौर से देखने पर आपको सात अंतर दिखाई देंगे। खोज निकालिए वे अंतर...

बूझो तो जानें

1. हैरी पॉटर सीरीज की अंतिम फिल्म का नाम बताइए।
2. रफेल नडाल की नंबर वन टेनिस प्लेयर के रूप में बादशाहत किसने खत्म की?
3. राइट टू सर्विस एक्ट लागू करने वाला पहला भारतीय राज्य कौन-सा है?
4. समोआ देश किस महाद्वीप पर स्थित है?
5. फीफा के अध्यक्ष का नाम क्या है?
6. हिना रब्बानी किस देश की पहली महिला विदेश मंत्री है?
7. टोक्यो से पहले जापान की राजधानी क्या थी?
8. राष्ट्रीय पर्यटन दिवस कब मनाया जाता है?
9. हुमायूं की पत्नी का नाम क्या था?
10. पहला विश्व हिन्दी सम्मेलन कहां हुआ था?
11. हांगकांग कितने द्वीपों पर बसा है?
12. 'वी अंडरस्टैंड योर वर्ल्ड' किस बैंक की पंच लाइन है?
13. केंद्रीय एगमार्क प्रयोगशाला कहां है?
14. भारतीय सेना के कितने अधिकारियों को मार्शल की उपाधि दी गई है?

उत्तर- 1. हैरी पॉटर एंड द डेथली हैलोज-2 2. नोवाक जोकोविच 3. पंजाब 4. ऑस्ट्रेलिया 5. सेप ब्लैटर 6. पाकिस्तान 7. क्योटो 8. 25 जनवरी 9. हमीदा बेगम 10. नागपुर 11. 260 12. एचएसबीसी 13. नागपुर 14. तीन

खर्च करें या जोड़ें ?

अब्दुल रहीम और वसंतराव एक ही नगर के रहने वाले थे। दोनों बचपन से ही एक स्कूल में पढ़े थे। बड़े होने के बाद वे दोनों एक ही कारखाने में काम करने लगे। दोनों की दोस्ती से दूर-दूर तक के लोग वाकिफ थे। एक-दूसरे के सुख में तो दोनों बेहद खुश होते ही थे, लेकिन एक-दूसरे के दुख में साथ देना भी न भूलते। हर चीज तो एक-सी थी। बस एक बात थी जिसमें दोनों की सोच एकदम अलग थी। अब्दुल रहीम पूरब था, तो वसंतराव पश्चिम। एकदम एक-दूसरे से दूर और उल्टे।

अब्दुल खर्चीला था और वसंत देख-भाल कर चलता था। दोनों को कारखाने से एक ही दिन वेतन मिलता था, पर वेतन के रुपए जेब में डालकर अब्दुल दूसरे ही दिन बाजार जाता और अपने शौक की दो-चार चीजें खरीद लाता। वसंत दूसरे ही दिन याद से बैंक जाता और महीनेभर का खर्चा अलग करके बचत के रुपए अपने हिसाब में जमा कर देता। अब्दुल कपड़े तो बढ़िया पहनता ही था, पर अपना घर भी खूब सजाकर रखता था। वसंत सादा खाता, सादा रहता, सादा पहनता। वसंत जब भी अब्दुल के घर आता, वह उसे नई-नई चीजें दिखाता और कहता? 'वसंत बाबू, घर इसका नाम है कि कोई देखे तो उसे हैरानी और खुशी दोनों हो।'

अब्दुल कभी वसंत के घर जाता, तो वह उसकी सादगी की खूब हंसी उड़ाता। इसी सादगी के लिए उसने अपने दोस्त को एक नया नाम भी दे दिया था 'स्वामीजी'। इससे उलट वसंत बेहद सादगी से जवाब देता, 'ठीक है मेरे दोस्त। मैं स्वामीजी ही भला, तू नवाब बना रह, मैं साधु-सा जीवन जीने में ही खुश हूं। फिर भी दोस्ती के नाते मैं तुझे एक ही राय देना चाहूंगा कि आदमी को अपनी आमदनी में से चार पैसे जमा करने चाहिएं। अगर मरने के बाद भी कफन के लिए पड़ोसियों को पैसे इकट्ठा करने पड़े, तो इस जीवन का क्या अर्थ?'

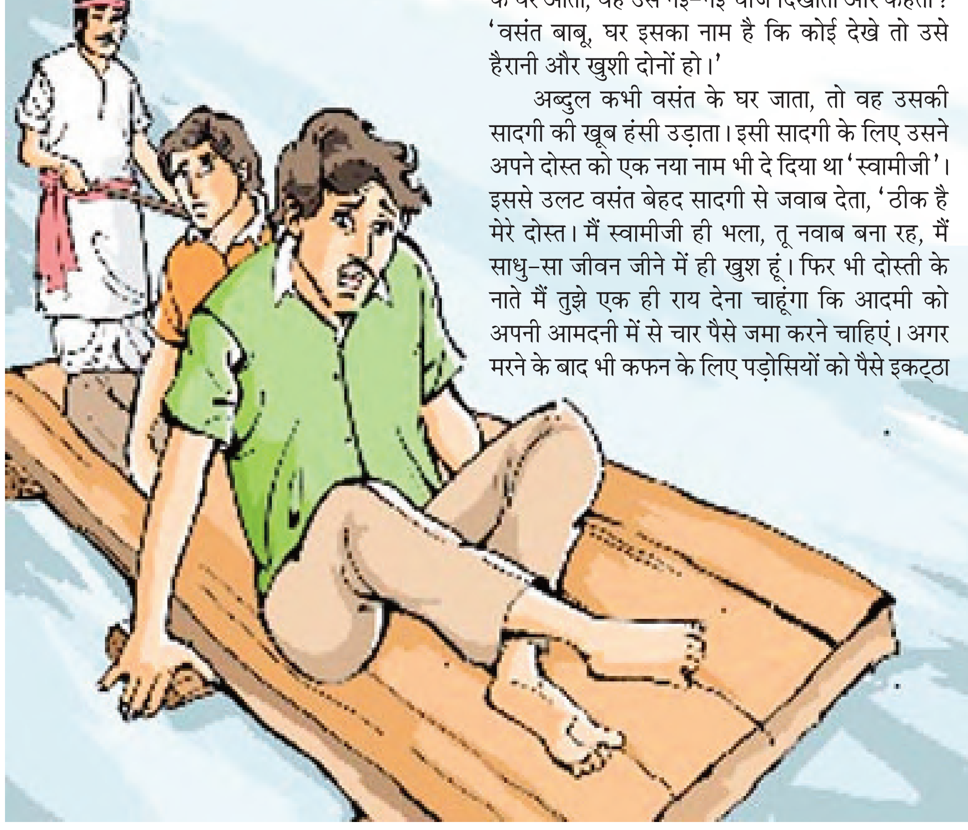

यों ही दोनों की ज़िंदगी के कई साल बीत गए। एक दिन वे नाव में बैठकर कहीं जा रहे थे। नाव में उन दोनों के अलावा और भी कई मुसाफिर थे। कुछ दूर जाते ही अचानक नाव में छेद हो गया और उस छेद से नाव में पानी भरने लगा। सभी मुसाफिर इस बात का मतलब समझ गए थे कि जल्द ही नाव में सारा पानी भर जाएगा और नाव डूब जाएगी। सबने अपना अंत देख लिया था। इस सबसे अब्दुल तो घबरा गया, लेकिन वसंत ने धीरे से नाविक के कान में कहा? 'तुझे तो तैरना आता ही होगा। अगर तू तैर कर हमें बचा लेगा, तो मैं तुझे दो सौ रुपए इनाम दूंगा।'

नाविक के पास लकड़ी का तख्ता था, उसने अब्दुल और वसंत को उस पर बैठाकर नदी पार करवा दी। पार उतरकर वसंत ने अब्दुल से कहा? 'तू अक्सर मुझे स्वामीजी कहकर चिढ़ाता था न? अगर आज मेरे द्वारा जमा किए रुपए न होते, तो हम भी बाकी सब की तरह डूब कर मर चुके होते।'

थोड़ी देर तो अब्दुल सोचता रहा और फिर हंसते हुए बोला? 'जोड़ने से हम कहां बचे? हम तो पैसे खर्च करके ही बचे हैं। जोड़कर नाविक ने हमें नहीं बचाया, बल्कि खर्च कर नाविक हमें बचाने को राजी हुआ। तू अब भी इस बात को नहीं समझ पा रहा है।' यह कहते ही वह जोर-जोर से हंसने लगा।

हंसना तो उसका स्वभाव था। पर इस कहानी से हमारे हाथ क्या बात लगी? यह बात ठीक है कि जो जमा नहीं करेगा, तो वह खर्च क्या करेगा? और जो समय पड़ने पर खर्च नहीं करेगा, उसे जमा करने से क्या लाभ? आखिर जमा करना बड़ी बात है या खर्च करना? असल में सबसे अहम बात है, समय पर जमा करना भी जानें और समय पर खर्च करना भी। सौ बातों की एक बात यह है कि जीवन का जितना बड़ा दोष फिजूलखर्ची है, उतना ही बड़ा दोष है कंजूसी। भरपूर जीवन जीने की चाह रखने वाले इंसान को इन दोनों ही दोषों से बचना चाहिए।

रंग भरो

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है। आज पानी का जरुरतमंदों को दान और सेवा करना चाहिए आत्मीयशान्ति मिलेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। आप माता–पिता को ख़ुश करने में कठिनाई महसूस करेंगे। उन्हें समझने और उनके नज़रिए से चीज़ों को देखने की कोशिश करें, आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। उन्हें आपकी परवाह, स्नेह और समय की आ–वश्यकता है। आज आप बिना किसी वजह के कुछ लोगों के साथ उलझ सकते हैं। ऐसा करना आपके मूड को तो खराब करेगा ही साथ ही इससे आपका कीमती समय भी बर्बाद होगा। वैवाहिक जीवन के उजले पहलू का अनुभव करने के लिए अच्छा दिन है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। परिवार की जरुरतों को पूरा करते–करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। जीवनसाथी के कारण कुछ नुक़सान हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है । व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है। ऐसा लगता है कि आज आप अपने जीवनसाथी के साथ बहुत ख़र्चा कर सकते हैं। बावजूस इसके, आप इस वक़्त का पूरा लुत्फ़ उठा पाएंगे। इस राशि के युवाओं की आज अपने जीवन में प्रेम की कमी महसूस होगी

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। अपने जीवन–साथी के साथ प्यार, अपनापन और स्नेह महसूस करें। काम को समय पर निपटाकर जल्दी घर जाना आज आपके लिए अच्छा रहेगा इससे आपके परिवार वालों को भी खुशी मिलेगी और आप भी तरोताजा महसूस करेंगे। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। जिन लोगों ने लोन लिया था आज उन्हें उस लोन की राशि को चुकाने में दिक्कतें आ सकती हैं। बच्चे और परिवार दिन का केंद्र–बिंदु रहेंगे। आपका साथी आपसे आज कुछ ज़्यादा ही अपेक्षा करेगा। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। आपके लिए यह उत्साह वर्धक दिन रहेगा, लेकिन सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अच्छी नींद अच्छी सेहत के लिए बेहद ज़रुरी है,आप थोड़ा अधिक सो सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। अगर आप सामूहिक गतिविधियों में हिस्सा लेंगे, तो आप नए दोस्त बना सकते हैं। आप के दिल की धड़कनें आपके प्रिय के लिए ज्यादा ही धडकेगी, कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। अपने जीवनसाथी के स्नहे से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बिना वजह ही उड़ा रहे थे आज उन्हें अपने आप पर काबू रखना चाहिए और धन की बचत करनी चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। आपका जीवनसाथी आपको पाकर ख़ुद को ख़ुशनसीब समझता है; इन पलों का भरपूर उपयोग करें। आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपको कई स्त्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। यह अच्छा वक़्त है जो आपके लिए क़ामयाबी और ख़ुशहाली लाएगा। इसके लिए आपको अपनी कोशिशों और अपने परिवार से मिलने वाले सहयोग का शुक्रगुज़ार होना चाहिए। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। आपके हँसने–हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। ऐसा कोई जिसके साथ आप रहते हैं, आज आपके किसी काम की वजह से बहुत झुंझलाहट महसूस करेगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं। समय मुफ़्त ज़रूर है पर बेशक़ीमती भी है, इसलिए अपने अधूरे कार्यों को निपटाकर आप आने वाले कल के लिए निश्चिंत हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

घर और दफ़्तर में कुछ दबाव आपको गुस्सैल बना सकता है। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्तों के साथ शाम बिताना या ख़रीदारी करना मज़ेदार और रोमांचक रहेगा। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है। कोई फिल्म या नाटक देखकर आज अपना समय व्यतीत करेंगे ।

आज का पंचांग

दिनांक : 18 मई 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी प्रातः 06:00 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा सायं 05:53 तक
योग : शुभ प्रातः 06:41 तक
करण : तैतिल प्रातः 06:00 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:38 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:32 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36 , सूर्यास्त 06:31 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस, सशस्त्र सेना दिवस

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा गिरफ्तार

पांच दिन की पुलिस रिमांड

चंडीगढ़, 17 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) से जुड़े जासूसी नेटवर्क के खिलाफ देश की सुरक्षा एजेंसियों ने कार्रवाई तेज कर दी है। पंजाब और हरियाणा पुलिस ने संयुक्त अभियान में कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनमें हिसार की मशहूर यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का नाम सबसे अहम है। ज्योति की गिरफ्तारी पंजाब के मलेरकोटला से पकड़ी गई गजाला नामक महिला से पूछताछ के बाद हुई, जिसमें जासूसी नेटवर्क से जुड़े कई अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं। ज्योति मल्होत्रा पर जासूसी और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का गंभीर आरोप है। वह अपने ट्रैवल यूट्यूब चैनल के लिए जानी जाती हैं। गिरफ्तारी के बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

डीएसपी कमलजीत ने बताया, कल (शुक्रवार को) हमें मिली सूचना के आधार पर हमने हरीश कुमार की बेटी ज्योति को ऑफिशियलसीक्रेटएक्ट और बीएनएस की धारा 152 के तहत गिरफ्तार किया है। उसका मोबाइल और लैपटॉप बरामद होने के बाद कुछ संदिग्ध चीजें मिली हैं। हमने उसे पांच दिन की रिमांड पर लिया है। आगे की जांच जारी है। वह लगातार एक पाकिस्तानी नागरिक के संपर्क में थी।

मिली जानकारी के मुताबिक, ज्योति पिछले दो वर्षों में तीन बार पाकिस्तान, एक बार चीन, और यूएई, बांग्लादेश, भूटान और थाईलैंड की यात्रा कर चुकी हैं। जांच में पता चला कि दो साल पहले वह पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी दानिश के संपर्क में आई थीं। पाकिस्तान यात्रा के दौरान ज्योति ने वहां के खुफिया अधिकारियों और अन्य संदिग्ध व्यक्तियों से मुलाकात की। भारत लौटने के बाद उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर संवेदनशील जानकारी साझा की और पाकिस्तान की सकारात्मक छवि बनाने का प्रयास किया।

पंजाब पुलिस ने मलेरकोटला से गजाला और उसके साथी यामीन मोहम्मद को गिरफ्तार किया। गजाला ने पूछताछ में खुलासा किया कि उसका काम दानिश से पैसे लेकर जासूसों तक पहुंचाना था, जबकि यामीन भी दानिश के संपर्क में था। सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि ज्योति ने न केवल गोपनीय सूचनाएं लीक कीं, बल्कि आईएसआई के इशारे पर भारत के खिलाफ प्रचार भी किया। उनके यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए कुछ वीडियो में संदिग्ध कंटेंट की भी जांच की जा रही है।पुलिस के मुताबिक, गजाला की गिरफ्तारी के बाद इस जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ। गजाला ने पूछताछ में कई अन्य जासूसों के नाम उजागर किए, जिसके आधार पर ज्योति को हिसार से हिरासत में लिया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर राष्ट्रीय गरिमा का प्रतीक : सैनी

लाडवा, 17 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज लाडवा के गांव बुहावी में तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हमारे बहादुर सैनिकों के साहस, निष्ठा और अनुशासन का प्रतीक है। यह सिर्फ एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय गरिमा का भी प्रतीक बन चुका है। उन्होंने इस अवसर पर गांव बुहावी के विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपए की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहाकि यह दिन राष्ट्रभक्ति और बलिदान की भावना को सच्ची श्रद्धांजलि देने का अवसर है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' में शहीद हुए सैनिकों को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने चार दिनों में ही पाकिस्तान को घुटनों पर लाने का काम किया। उन्होंने उन माताओं को भी प्रणाम किया जिन्होंने ऐसे वीर सपूतों को जन्म दिया। उन्होंने उपस्थित लोगों से आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट रहने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

सैनी ने कहा कि हरियाणा की वीर भूमि के जवान भारत माता की सेवा में सदैव तत्पर रहते हैं और वीरता की मिसाल कायम करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तिरंगा यात्रा ने पूरे देश को यह संदेश दिया है कि देशभक्ति गांव की मिट्टी के कण–कण में बसी है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि भारत अपनी सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में हमारी सेन–ाओं ने आतंकवादियों के अड्डों को ध्वस्त कर पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की संप्रभुता पर हमला करने का अंजाम बुरा होता है। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन में 9 आतंकी ठिकाने और 11 पाकिस्तानी एयरबेस ध्वस्त किए गए।

सैनी ने कहा कि भारत ने सैन्य कार्रवाई के साथ–साथ गैर–सैन्य कार्रवाई भी की, जिसमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना, वीजा और व्यापार बंद करना, और अटारी सीमा को सील करना शामिल था। उन्होंने कहा कि यह युद्ध नहीं, बल्कि नए भारत का प्रतिशोध था। मुख्यमंत्री ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर का नाम पहलगाम की घटना के कारण रखा गया, जहां आतंकवादियों ने महिलाओं के सिंदूर उजाड़े थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवादियों को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत की अस्मिता पर आंख उठाने वालों का क्या हाल होता है।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सीजफायर की बात होने पर भारत ने संयम और शांति का परिचय दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत युद्ध का पक्षधर नहीं है, लेकिन शांति को कमजोरी समझने वालों को माकूल जवाब दिया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुभाष सुधा और भाजपा जिला अध्यक्ष तजेंद्र सिंह गोल्डी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पंजाब में कमल खिलेगा तो सभी किसान युवाओं को सम्मान मिलेगा : सैनी

लाडवा, 17 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शनिवार को पानी के मुद्दे पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव में कमल खिलेगा और जनता आम आदमी पार्टी की सरकार को सत्ता से बेदखल करेगी। सैनी ने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद पंजाब में किसानों, युवाओं, महिलाओं को सम्मान दिया जाएगा जो मान की सरकार में अब तक नहीं मिला। लाडवा पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मीडिया से पानी के मुद्दे पर कहा कि हमें संदेश मिला है कि यह (पंजाब) सरकार गुरुओं की शिक्षाओं के खिलाफ जा रही है। यहां तक कि जब कोई अजनबी घर आता है, तो हम उसे पीने का पानी देते हैं। मैंने पंजाब के मुख्यमंत्री से कहा कि पानी प्रकृति का उपहार है, और किसी को भी पीने के पानी से वंचित नहीं किया जा सकता। यह मानवता का मामला है कि हर घर में पानी की पहुंच होनी चाहिए। मानसून के दौरान, हरियाणा को अधिक पानी की आवश्यकता होती है, और हमें हमेशा पर्याप्त आपूर्ति मिलती है।

हुड्डा ने गुमशुदगी व अपहरण मामलों पर चिंता जताई

चंडीगढ़, 17 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हरियाणा में लगातार बढ़ रहे गुमशुदगी और अपहरण के मामलों पर गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश से रोजाना 45 से ज्यादा लोग लापता हो रहे हैं। यह तो मात्र वो मामले हैं, जो पुलिस थानों में दर्ज होते हैं। असल में ऐसे कई मामले होते हैं, जिनकी रिपोर्ट तक दर्ज नहीं होती। इसलिए यह आंकड़ा और बड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि सिर्फ इस साल जनवरी से मार्च तक के आंकड़ों को देखें तो प्रदेश से 4100 लोग लापता हुए हैं और 1000 से ज्यादा लोगों का अपहरण हुआ है। यानी प्रदेश में रोज लगभग 12 लोगों का अपहरण होता है। यह बेहद ही चिंताजनक हालात हैं। ये आंकड़े अपने आप प्रदेश की कानून व्यवस्था की पोल खोल रहे हैं।

हुड्डा ने कहा कि खुद केंद्र सरकार द्वारा जारी सामाजिक प्रगति सूचकांक में हरियाणा को देश का सबसे असुरक्षित राज्य बताया गया। केंद्र सरकार द्वारा ही जारी एनसीआरबी के आंकड़े भी इसकी तस्दीक करते हैं कि हरियाणा अपराध के मामले में बड़े–बड़े राज्य को पीछे छोड़कर पहले पायदान पर पहुंच गया है। अब राज्य के मानवाधिकार आयोग ने भी इस मामले में हरियाणा पुलिस को नोटिस जारी कर 8 हफ्ते के भीतर रिपोर्ट मांगी है। स्पष्ट है कि भाजपा ने प्रदेश की कानून व्यवस्था का पूरी तरह दिवाला निकाल दिया है। लगातार अपहरण और गुमशुदगी का शिकार हो रहे लोगों की सुरक्षा को लेकर बड़ी चिंता इसलिए भी है, क्योंकि इसमें मानव तस्करी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। क्योंकि, अक्सर देखा गया है कि अपहरण का शिकार महिलाएं और बच्चे बंधुआ मजदूरी, यौन शोषण और मानव अंग के अवैध व्यापार जैसी आपराधिक गतिविधियों का शिकार भी होते हैं।

राजस्थान में पर्यटन और फिल्म नीति जल्द होगी जारी : दिया कुमारी

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को सचिवालय, जयपुर में पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यटन सचिव रवि जैन सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि राज्य की पर्यटन नीति एवं फिल्म नीति को अंतिम रूप देकर शीघ्रता से जारी किया जाए, जिससे प्रदेश में पर्यटन और फिल्म निर्माण को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने एडवेंचर टूरिज्म योजना पर तीव्रता से कार्य करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

पर्यटन स्थलों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उपमुख्यमंत्री ने पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने जयपुर सहित समस्त प्रमुख पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता, पेयजल और शौचालयों की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उपमुख्यमंत्री ने एसीबी द्वारा प्रस्तावित रोपवे परियोजनाओं – आमेर, रणथंभौर, चित्तौड़गढ़ व बांसवाड़ा की प्रगति की समीक्षा की और अजमेर स्थित चामुंडा माता मंदिर के लिए भी रोपवे कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए।इसके अतिरिक्त, उपमुख्यमंत्री ने शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण, अल्बर्ट हॉल के जीर्णोद्धार, लाइट एंड साउंड शो, बावड़ियों के संरक्षण, डेजर्ट टूरिज्म, वार म्यूजियम (झुंझुनू व जैसलमेर), टैगोर योजना और महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट सहित आरटीडीसी के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए।

समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण के प्रति संकल्पबद्ध सरकार : कुमावत

पाली, 17 मई (एजेंसियां)। पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत अपने दो दिवसीय प्रवास के तहत पाली पहुंचे। उन्होंने सर्किट हाउस में मैराथन जनसुनवाई की। जनसुनवाई के दौरान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी करीब 250 से अधिक परिवेदनाएं प्राप्त हुईं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आमजन की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। इससे पहले सर्किट हाउस पहुंचने पर पुलिस ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑर्नर दिया।मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार आमजन की समस्याओं के समयबद्ध और त्वरित निस्तारण के प्रति संकल्पबद्ध है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार जनसुनवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन की सरकार और भाजपा जनसेवा को समर्पित है। भाजपा का कार्यकर्ता सही मायनों में आमजन के सुख–दुःख का भागीदारी बनता है। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के दौरान प्राप्त प्रत्येक प्रकरण को संबंधित विभाग के अधिकारियों के माध्यम से निस्तारित करवाया जाता है।

राजस्थान में भीषण गर्मी का संकट

पाकिस्तान में बने एंटी साइक्लोन ने बढ़ाई परेशानी

बीकानेर, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान इन दिनों गर्मी की आगोश में है और हालात दिन–ब–दिन और खराब होते जा रहे हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार राज्य में भीषण गर्मी के पीछे पाकिस्तान में बना एक शक्तिशाली एंटी साइक्लोन है, जिसने वातावरण की पूरी दिशा और दशा बदल दी है। इस मौसमी बदलाव के चलते राज्य के कई हिस्सों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुका है और अगले 10 से 15 दिनों तक इससे राहत मिलने के कोई संकेत नहीं हैं।

मई की शुरुआत में राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के कारण कई जगहों पर आंधी और बारिश देखने को मिली थी। लेकिन अब यह प्रभाव खत्म हो चुका है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, हवा की गति बढ़ने और नमी खत्म होने के साथ–साथ पाकिस्तान के ऊपर एक स्थिर एंटी साइक्लोनिक सिस्टम विकसित हो गया है, जिसके चलते पश्चिमी राजस्थान विशेष रूप से प्रभावित हो रहा है। इस एंटी साइक्लोन के नीचे एक हीट लो यानी कम दबाव का क्षेत्र भी बन गया है, जिससे गर्म हवाएं (लू) और अधिक सक्रिय हो गई हैं। यह मौसमी संरचना न केवल तापमान को बढ़ा रही है, बल्कि शुष्क और गर्म हवाओं के कारण जीवन और जनजीवन दोनों को कठिन बना रही है। बीकानेर में शुक्रवार दोपहर 2:30 बजे तापमान 45 डिग्री दर्ज किया गया। दिन का अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री और रात का न्यूनतम तापमान 30.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि 22 मई तक तापमान लगातार 45 से 46 डिग्री के बीच बना रहेगा, जबकि रात का पारा भी 31 से 32 डिग्री तक जा सकता है – जो आमतौर पर राजस्थान के लिए भी असामान्य है।राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में यह गर्मी और भी खतरनाक साबित हो रही है। खेतों में काम करने वाले किसान, निर्माण स्थलों पर मजदूरी करने वाले श्रमिक और आम राहगीर लू के कारण पीड़ित हैं।

जयपुर डकैती मामला

कांग्रेस नेता के घर में लूट की साजिश रचने वाला नौकर गिरफ्तार, पत्नी समेत तीन अभी भी फरार

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के पॉश इलाके वैशाली नगर में कांग्रेस नेता संदीप चौधरी के घर हुई डकैती के मामले में पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। इस सनसनीखेज मामले में घर के नौकर भरत बिष्ट और उसके साथी हरि बहादुर धामी को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि डकैती में शामिल भरत की पत्नी काजल और दो अन्य आरोपी अब भी फरार हैं। वारदात में लूटे गए नकदी और गहनों का अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस के मुताबिक, भरत बिष्ट (28) मूल रूप से नेपाल का निवासी है और वह 28 अप्रैल से संदीप चौधरी के घर में बतौर घरेलू सहायक काम कर रहा था। भरत ने ही पूरी लूट की योजना बनाई और अपने साथी हरि बहादुर धामी (29) को नेपाल से बुलाकर वारदात को अंजाम दिलवाया। इस वारदात में भरत की पत्नी काजल समेत कुल पांच लोग शामिल थे।

14 मई की दोपहर जब घर में कांग्रेस नेता की मां कृष्णा चौधरी, पत्नी ममता चौधरी, बेटा राजदीप और बेटी राजश्री मौजूद थे, तब इस गिरोह ने डकैती को अंजाम दिया। भरत और उसकी पत्नी काजल ने चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर कृष्णा और ममता को बेहोश कर दिया। इसके बाद नकदी और आभूषण समेट कर पांचों बदमाश मौके से फरार हो गए। डीसीपी वेस्ट अमित कुमार के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए एडिशनल डीसीपी आलोक सिंघल के नेतृत्व में विशेष टीमें बनाई गईं। तकनीकी शाखा की मदद से आरोपियों के हुलिए और मूवमेंट का अध्ययन किया गया। सीसीटीवी फुटेज में हरि बहादुर धामी को सबसे पहले घर में प्रवेश करते हुए देखा गया, जिससे पुलिस को उसके शामिल होने की पुष्टि हुई।

पुलिस ने डकैती के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए टीमें बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और नेपाल बॉर्डर की ओर रवाना कीं। तकनीकी सर्विलांस और मानवीय इंटेलिजेंस के आधार पर 16 मई को उत्त–राखंड के रास्ते नेपाल बॉर्डर पार करने से पहले भरत बिष्ट और हरि बहादुर धामी को धर दबोचा गया। दोनों से अब गहन पूछताछ की जा रही है। इस वारदात ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि किस हद तक घरेलू नौकरों की पृष्ठभूमि जांचना जरूरी है। जयपुर जैसे बड़े शहरों में प्लेसमेंट एजेंसियों की भरमार है, लेकिन उनके सत्यापन और जांच प्रक्रिया अक्सर लापरवाह होती है। संदीप चौधरी का परिवार आज इस लापरवाही की कीमत चुका रहा है। पुलिस फिलहाल फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है और उन्हें पकड़ने के लिए अलग–अलग टीमों को तैनात किया गया है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या यह गिरोह पहले भी ऐसी वारदातों में शामिल रहा है। पुलिस की प्राथमिकता अब लूटी गई संपत्ति को बरामद करना और पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ करना है।

शिक्षा के अधिकार के तहत एडमिशन नहीं देने पर

80 निजी स्कूलों की एनओसी निरस्त होगी

लखनऊ, 17 मई (एजेंसियां)। लखनऊ के 80 निजी स्कूलों की एनओसी निरस्त करने की तैयारी चल रही है। इन स्कूलों ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत चयनित बच्चों को प्रवेश नहीं दिया था। इन 80 निजी स्कूलों का अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) रद्द किया जाएगा। इस संबंध में बीएसए की ओर से नाम सहित सभी स्कूलों को नोटिस जारी किया गया है। इसमें 35 स्कूल प्रबंधक ऐसे भी हैं जो आरटीई को लेकर डीएम की बैठक में भी नहीं पहुंचे थे।

बीएसए की ओर से जारी नोटिस के मुताबिक, गरीब बच्चों को सत्र 2025-26 में 80 निजी स्कूलों ने आरटीई के तहत चयन के बाद भी बच्चों को प्रवेश नहीं दिया। इन सभी स्कूलों से प्रवेश न लेने का कारण तीन दिनों में बताने के लिए कहा गया है। साक्ष्य सहित जवाब न देने पर आरटीई एक्ट 2009 के उल्लंघन, निशुल्क शिक्षा के अधिकार के हनन,

शासकीय कार्यों में बाधा डालने के आधार पर विधिक कार्रवाई होगी। इसके साथ ही एनओसी रद्द कर मान्यता के प्रत्याहरण की कार्रवाई भी शुरू होगी।

आरटीई के तहत चयनित गरीब बच्चों के एडमिशन को लेकर लगातार आवाज उठ रही थी। उसी का नतीजा है कि इस बार 12 हजार के करीब बच्चों को प्रवेश मिल सका है। इस बार 18 हजार बच्चों का चयन हुआ था। इसमें 3000 हजार अभिभावकों ने निजी स्कूलों की मनमानी से आहत होकर बच्चों का दाखिला कराने से इनकार किया है।

जिन स्कूलों को प्रशासन ने नोटिस जारी किया है उनमें सेंट एंथोनी स्कूल पारा, एमजी कॉन्वेंट स्कूल सेक्टर जी कानपुर रोड, बाल विद्या मंदिर स्कूल चारबाग, ट्रिनिटी इंटरनेशनल स्कूल एल्डिको, सेंट क्रिस्ट पब्लिक स्कूल गीतापल्ली, ट्रिनिटी इंटरनेशनल स्कूल आम्रपाली योजना, बालगाइड स्कूल सेक्टर 16 इंदिरा नगर व गोसाईगंज। सनसाइन पब्लिक स्कूल कश्मीरी मोहल्ला, एमिटी इंटर नेशनल स्कूल विराज खंड और वृंदावन योजना। कैटिल कान्वेंट इंटर कॉलेज जानकीपुरम, टेंडर हर्ट्स स्कूल महानगर, न्यू पब्लिक इंटर कॉलेज कृष्णा नगर, ब्राइटलैंड त्रिवेणी नगर, सेंट मैरी स्कूल जानकीपुरम एक्सटेंशन, सिटी इंटरनेशनल स्कूल ठाकुरगंज, महर्षि विद्या मंदिर आईआईएम रोड, सेंट्रल पब्लिक स्कूल रजनीखंड शारदानगर।

द लखनऊ पब्लिक जॉपलिंग रोड और शारदानगर, डबल एकेडमी इंदिरानगर, लॉयला इंटरनेशनल स्कूल गोमती नगर और बादशाह नगर महानगर। द फोडिल कान्वेंट स्कूल श्रीनाथ नगर पारा, स्प्रिंग डेल स्कूल गोमती नगर, डीपीएस एल्डिको, माउंट बेरी कान्वेंट स्कूल कल्याणपुर और खुर्रमनगर, नवयुग रेडियंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल राजेंद्र नगर, सेंट जोसेफ कॉलेज प्रियदर्शनी कालोनी। सेंट जोसेफ इंटर कॉलेज ठाकुरगंज, श्री विनायक कान्वेंट स्कूल अमौसी, रेडरोज कानपुर रोड, न्यू पब्लिक इंटर कॉलेज आलमबाग, डीएमएएस किड्स जोन स्कूल एकता नगर कैंपवल रोड, महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल मोती नगर, ग्रीनवैली पब्लिक स्कूल मकबूल गंज, रेडिएंट पब्लिक स्कूल कल्ली पश्चिम, संस्कार पब्लिक स्कूल इंदिरानगर, गुरुकुल एकेडमी इंदिरानगर शामिल हैं।

इन स्कूलों में सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल अलीगंज सुनहरा, गोयल कैंपस, विजयनगर गोमतीनगर विस्तार, बंसल कैंपस व गोमतीनगर, सेठ आनंद राम जयपुरिया स्कूल सुशांत गोल्फ सिटी शहीद पथ और आलमबाग कैंपस। एलपीएस का सेक्टर चार कालिंदी पार्क, बी ब्लॉक राजाजीपुरम, सहारा स्टेट जानकीपुरम, वृंदावन योजना, आनंदनगर, ए ब्लॉक राजाजीपुरम, आम्रपाली योजना, अंसल एपीआई सुल्तानपुर रोड, एलपीएस निकट आईकॉन हास्पिटल, सेक्टर आई आशियाना, सेक्टर डी एलडीए कॉलोनी कानपुर रोड, एलपीएस साउथ सिटी शाखा, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल (सीएमएस) की आनंदनगर, अर्शफाबाद, अलीगंज प्रथम कैंपस, सेक्टर एच गोमती नगर, सेक्टर एच इंदिरा नगर, जॉपलिंग रोड, कानपुर रोड, महानगर, आरडीएसओ, राजाजीपुरम, स्टेशन रोड, राजेंद्र नगर द्वितीय व तृतीय, आशियाना सेक्टर एक, अलीगंज कैंपस प्रथम, राजाजीपुरम प्रथम और चौक ब्रांच को नोटिस जारी हुआ है। लखनऊ के बीएसए राम प्रवेश ने कहा, जो स्कूल प्रवेश नहीं ले रहे हैं, उनके विरुद्ध कार्रवाई की तैयारी है। इन्हें अंतिम नोटिस देकर प्रवेश न लेने का लिखित आधार मांगा गया है। तीन दिनों में जो जवाब नहीं देगा उसके विरुद्ध आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

शिवपाल के सांसद पुत्र का बेजोड़ बयान

सपा सरकार में कटिया डालकर बिजली जलाते थे थानेदार करता था सम्मान

बदायूं, 17 मई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के बदायूं से सांसद एवं सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव के पुत्र आदित्य यादव के बेवकूफाना बयान वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने सपा सरकार के कार्यकाल और वर्तमान भाजपा सरकार की तुलना करते हुए अजीबोगरीब बात कही है। सपा सांसद आदित्य यादव ने एक जनसभा में कहा, सपा सरकार के समय आम जनता कटिया डालकर बिजली जलाती थी, लेकिन बिजली विभाग के अधिकारी कार्रवाई करने से डरते थे। सपा सरकार में अगर कोई आम नागरिक किसी काम से थाने पहुंचता था तो थानेदार कुर्सी छोड़कर खड़ा होकर उसका सम्मान करता था। सपा कार्यकर्ताओं को थानों में सम्मान और कुर्सी मिलती थी। सपा सांसद ने मौजूदा भाजपा सरकार

पर निशाना साधते हुए कहा कि आज कानून आम जनता के लिए संकट बन गया है। लोग थानों में जाने से डरते हैं और फरियादियों पर उल्टा मुकदमा और जुर्माना लगा दिया जाता है।

आदित्य यादव ने भाजपा की डबल इंजन सरकार पर विकास कार्यों में विफलता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में न तो विकास हो रहा है और न ही जनता को राहत मिल रही है। बदायूं से सांसद आदित्य यादव इससे पहले भी अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहे हैं। उनके इस ताजा बयान ने उत्तर प्रदेश की सियासत में एक नया बखेड़ा खड़ा कर दिया है।

गन्ना किसानों का भुगतान नहीं करने पर बजाज चीनी मिल सील

शाहजहांपुर, 17 मई (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के बंडा के मकसूदापुर स्थित बजाज हिंदुस्तान शुगर लिमिटेड की चीनी मिल पर किसानों का 162 करोड़ रुपए बकाया होने पर एडीएम वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार ने बड़ी कार्रवाई की। शनिवार को चीनी मिल का गोदाम सील कर दिया।

चीनी मिल पर करीब 21 हजार किसानों का 162 करोड़ रुपए भुगतान का बकाया है। किसानों के भुगतान के लिए मिल प्रबंधन को कई नोटिस दिए गए थे। डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने मिल प्रबंधन के अधिकारियों को तलब करके किसानों का भुगतान करने के लिए निर्देशित किया था। इसके बाद भी मिल प्रबंधन ने भुगतान नहीं किया था।

डीएम के निर्देश पर शनिवार को एडीएम वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार एसडीएम पुवायां चित्रा निर्वाल के साथ चीनी मिल पहुंचे। चीनी मिल के प्रबंधन की ओर से अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान के विषय में संतोषजनक जवाब न मिलने पर तत्काल प्रभाव से चीनी गोदाम को 10 ताला लगाकर सील कर दिया गया। पिछले सत्र का भी चीनी मिल पर भुगतान बकाया था, जिसका इस सत्र की शुरुआत के बाद मिल प्रबंधन ने भुगतान किया था।

भुगतान समय से पूरा नहीं होने के कारण किसानों ने इस बार चीनी मिल को कम गन्ना दिया था।

गन्ने की कमी के चलते चीनी मिल का पेराई सत्र समय से पहले खत्म कर दिया गया था। एडीएम ने बताया कि जब तक किसानों का सारा भुगतान नहीं हो जाता, गोदाम सीज रहेगा।

संभल दंगे में शामिल 50 अभियुक्तों पर आरोप तय

अब शुरू होगा ट्रायल, 80 लोग हो चुके हैं गिरफ्तार

चंदौसी (संभल), 17 मई (एजेंसियां)। संभल हिंसा मामले में 50 आरोपियों पर न्यायालय ने आरोप तय कर दिए हैं। अब ट्रायल शुरू होगा। आरोपियों की ओर से दाखिल डिस्चार्ज प्रार्थना पत्रों को न्यायालय ने खारिज कर दिया है। 24 नवंबर 2024 को शाही जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुई हिंसा के मामले में पुलिस अब तक 80 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इस मामले में आरोपियों की ओर से चार-पांच अधिवक्ताओं ने न्यायालय में डिस्चार्ज प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया और डिस्चार्ज किए जाने के लिए बहस की। जिस पर अभियोजन ने अपने तर्क देकर विरोध किया।

न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुन कर डिस्चार्ज प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया। 24 नवंबर 2024 को सुबह संभल की शाही जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने के दावे को लेकर मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा हो गई थी।

इस मामले में पुलिस की ओर से कई मुकदमे दर्ज किए गए। पुलिस अब तक 80 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। जिनकी जमानत अर्जी के लिए न्यायालय में प्रार्थनापत्र दिए जा रहे हैं। अब तक लगाई गई सभी जमानत अर्जियां खारिज हो चुकी हैं। बृहस्पतिवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/एससी एसटी एक्ट रागिनी सिंह के न्यायालय में विवेचक

द्वारा लगाए गए आरोप पत्रों पर आरोप तय किए गए।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता हरिओम प्रकाश उर्फ हरीश सैनी ने बताया कि कुछ आरोपियों के पक्ष में चार-पांच अधिवक्ताओं द्वारा अपने-अपने मुल्जिमानों के पक्ष में डिस्चार्ज प्रार्थना पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए। जिनमें उनके द्वारा तर्क दिया गया कि उनके अभियुक्त नामजद नहीं हैं। जो हिंसा की घटना में शामिल नहीं थे। पुलिस ने घर से उठा कर बिना तथ्यों के आधार पर जेल भेज दिया। जिसका विरोध करते हुए सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता द्वारा न्यायालय को बताया कि सभी के नाम विवेचना में सामने आए हैं। जिसकी वीडियो फुटेज है। पुलिस पर पत्रावली पर साक्ष्य हैं।

सभी 50 आरोपियों के विरुद्ध पुख्ता सबूत हैं। ऐसे में इनका प्रार्थना पत्र निरस्त किया जाना आवश्यक है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि न्यायालय द्वारा दोनों पक्षों को सुन कर डिस्चार्ज प्रार्थना खारिज कर दिए गए। सभी 50 आरोपियों के विरुद्ध लगाए गए आरोपों के अनुसार लगाई गई धाराओं के अनुसार आरोप तय किए हैं। अब अभियोजन के द्वारा न्यायालय में साक्ष्यों की गवाही व जुटाए गए साक्ष्य न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। जिसके आधार पर न्यायालय अंतिम निर्णय लेगा। अब लग रहा है कि जल्दी ही संभल हिंसा मामले पर निर्णय सुनवाई पूरी होने पर जल्दी हो सकता है।

फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाले वकील को 10 साल की कैद

लखनऊ, 17 मई (एजेंसियां)। फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाले वकील को कोर्ट ने 10 साल कैद की सजा सुनाई। साथ ही ढाई लाख का जुर्माना भी लगाया है। जांच में सामने आया कि वकील द्वारा लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया।

राजधानी लखनऊ में जमीन के विवाद में विरोधियों पर हत्या की कोशिश, जानमाल की धमकी और एससी-एसटी एक्ट का फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाले वकील लाखन सिंह को एससी-एसटी एक्ट के विशेष न्यायाधीश विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने 10 साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही 2.51 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर और जिलाधिकारी को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि यदि रमेश को एससी-एसटी के तहत मुकदमा दर्ज कराने के लिए कोई राहत राशि दी गई हो, तो उसे तत्काल वापस ले लिया जाए। साथ ही लाखन के खिलाफ दर्ज मुकदमों की सूची बार काउंसिल को भेजने का आदेश दिया है।सरकारी अधिवक्ता ने बताया कि लाखन का सुनील दुबे से जमीन का विवाद चल रहा था।

यूपी में विस्टाडोम ट्रेन सेवा शुरू

कतर्नियाघाट से दुधवा टाइगर रिजर्व तक सफारी का आनंद लेंगे पर्यटक

लखनऊ, 17 मई (एजेंसियां)। यूपी के जंगलों में पर्यटकों के तफरीह के लिए विस्टाडोम ट्रेन सेवा शुरू हो गई है। इससे कतर्नियाघाट से दुधवा टाइगर रिजर्व तक जंगल सफारी का लोग आनंद ले सकेंगे। ईको टूरिज्म और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विस्टाडोम कोच सेवा शुरू की गई है। पर्यटक 275 रुपए में इसका लुत्फ उठा सकेंगे।

उत्तर प्रदेश में ईको टूरिज्म और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विस्टाडोम ट्रेन सेवा शुरू की गई है। कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य से दुधवा टाइगर रिजर्व तक रेल कनेक्टिविटी वाली पर्यटक ट्रेन में विस्टाडोम कोच का संचालन शुरू कर दिया गया है। इसके शुरू होने से यूपी, देश का ऐसा पहला राज्य बन चुका है, जहां विस्टाडोम कोच की सुविधा शुरू की गई है। इससे पर्यटकों को जंगल सफारी का रोमांचक अनुभव मिल सकेगा। यह सेवा पर्यटकों के लिए पूरे साल मिलेगी।

फिलहाल यह शनिवार और रविवार को ही पर्यटकों को उपलब्ध कराई जा रही है। आने वाले दिनों में इसे सप्ताह के सातों दिन के लिए शुरू किया जाएगा। इससे जहां एक ओर पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, वहीं रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

पर्यटन विभाग के निदेशक प्रखर मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के वन क्षेत्रों को एक गंतव्य तीन वन के रूप में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इसी कड़ी में दुधवा नेशनल पार्क, कतर्नियाघाट और किशनपुर वन्यजीव अभ्यारण्य को एकीकृत किया गया है। यहां पर्यटकों को रोमांचक अनुभव देने के लिए विस्टाडोम कोच का संचालन शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि यूपी इको टूरिज्म विकास बोर्ड ने पर्यटकों को पूरे साल नेचर ट्रेल और जंगल सफारी का अनुभव देने के उद्देश्य से विस्टाडोम कोच की शुरुआत की गई है। अभी यह सेवा शनिवार और रविवार को उपलब्ध कराई जा रही है। बाद में इसे सप्ताह के सातों दिन करने की योजना है।

कतर्नियाघाट से दुधवा टाइगर रिजर्व तक 107 किमी लंबे जंगल के भीतर पर्यटक प्राकृतिक दृश्य, जैव विविधता और वन्यजीवों का नजदीक से अनुभव कर सकेंगे। यह सफर चार घंटे 25 मिनट का रहेगा। इसके लिए पर्यटकों से 275 रुपये प्रति पर्यटक के हिसाब से टिकट लेना होगा। इसके अलावा पर्यटकों को राजधानी लखनऊ से कतर्निया घाट तक ले जाने का पैकेज भी तैयार किया जा रहा है। इस पैकेज में पर्यटकों को छूट देने पर भी विचार किया जा रहा है।

पर्यटन निदेशक प्रखर मिश्रा ने बताया कि यह ट्रेन बहराइच के बिछिया स्टेशन से सुबह 11:45 बजे चलती है। विभिन्न स्टेशनों से गुजरते हुए 16:10 बजे लखीमपुर खीरी के मैलानी स्टेशन पहुंचती है। मैलानी से सुबह 6:05 बजे चलती है। सुबह 10:30 बजे बिछिया स्टेशन पहुंचती है। इसका ठहराव बिछिया, मंझरा पुरब, खैराटिया बांध रोड, तिकुनिया, बेलरायां, दुधवा, पलिया कलां, भीरा खीरी और मैलानी स्टेशन पर होता है।

विस्टाडोम कोच सेवा सिर्फ वनों और अभयारण्यों से ही नहीं, बल्कि वेटलैंड, ग्रासलैंड, फार्मलैंड और वुडलैंड जैसे प्राकृतिक परिदृश्यों को भी करीब से देखने का अवसर प्रदान करती है। मानसून सीजन में यह पर्यटकों को खासा आकर्षित करेगी। इससे पर्यटन को तो बढ़ावा मिलेगा ही, साथ ही क्षेत्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। यह सेवा होमस्टे मालिकों, रिसॉर्ट ऑपरेटर्स और ट्रैवल एजेंट्स की भागीदारी से स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगी। युवा पर्यटन क्लब के तहत सरकारी स्कूल के बच्चों के लिए विशेष क्यूरेटेड टूर आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और ट्रैवल ब्लॉगर्स के लिए फेम टूर का आयोजन किया जा रहा है। ताकि, विस्टाडोम कोच और इस सफर को डिजिटल माध्यम से प्रचारित किया जा सके।

तुर्की-अजरबैजान को पाकिस्तान से दोस्ती पड़ी भारी

600 करोड़ का व्यापार ठप्प 8000 टूर पैकेज भी रद्द

लखनऊ, 17 मई (एजेंसियां)। मुसीबत में साथ देने वाले भारत से दुश्मनी मोल लेकर अब तुर्की और अजरबैजान को इसकी भरपाई महंगी पड़ेगी। भारत के पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर मिशन में लिए गए एक्शन पर तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन किया था।

इसके बाद तुर्की और अजरबैजान के बहिष्कार को लेकर भारतवासी एकजुट हो गए हैं। लोगों ने घूमने जाने के लिए तुर्की और अजरबैजान की यात्राओं के टिकट कैंसिल करवा दिए हैं। पूरे देश के व्यापारियों ने इन देशों से सामान का आयात करने से मना कर दिया है। यूपी में भी दोनों देशों के 8000 टूर पैकेज कैंसिल कर दिए हैं।

उत्तर प्रदेश से अगले 3 महीनों में जाने वाले पर्यटकों ने अपने टिकट कैंसिल करवाए हैं जिसकी वजह से तुर्की और अजरबैजान को लगभग 450 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ सकता है। सामानों और यात्रा को मिलाकर सिर्फ उत्तर प्रदेश से ही इन दोनों देशों को लगभग 1600 करोड़ रुपए का झटका लग सकता है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में तुर्की से ड्राइ फ्रूट्स, कालीन, सिल्क, खाद्य मसाले, मार्बल और लिनेन आयात होता है। अजरबैजान से चाय, कॉफी और सेरेमिक उत्पाद मंगाए जाते हैं। प्रदेश के व्यापारियों ने बीते तीन दिनों में 150 करोड़ से अधिक के आर्डर रोक दिए हैं।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 की नीलामी से पहले रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जारी

मुंबई ,17 मई (एजेंसियां)।
प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) ने शनिवार को सीजन 12 के लिए रिटेन किये गए खिलाड़ियों की सूची जारी की। सीजन 12 की नीलामी 31 मई और एक जून को मुंबई में आयोजित की जाएगी। अधिकांश फ्रेंचाइजियों ने अपने मुख्य खिलाड़ियों को रिटेन किया है और अब वे आगामी सीजन के लिए और भी मजबूत टीम बनाने की तैयारी में हैं। प्रमुख रिटेन्ड खिलाड़ियों में यू मुंबा के सुनील कुमार और आमिर मोहम्मद जफरदानेश, हरियाणा स्टीलर्स के जयदीप डहिया, यूपी योद्धा के सुरेंदर गिल और पुनेरी पलटन के असलम इनामदार व मोहित गोयत शामिल हैं। इस बार कुल 83 खिलाड़ियों को तीन श्रेणियों में रिटेन किया गया है: 25 खिलाड़ी 'एलीट रिटेन्ड प्लेयर्स' श्रेणी में , 23 खिलाड़ी 'रिटेन्ड यंग प्लेयर्स ' श्रेणी में, 35 खिलाड़ी 'न्यू यंग प्लेयर्स' श्रेणी में नीलामी में 500 से अधिक खिलाड़ी उतरेंगे, जिनमें भारत के नामी खिलाड़ी — पवन सहरावत, अर्जुन देशवाल, आशु मलिक और पीकेएल 11 के टॉप रेडर देवांक दलाल शामिल हैं। इसके अलावा, ईरान के दिग्गज फजल अत्राचली और मोहम्मदरेजा शदलूई, साथ ही मनींदर सिंह और प्रदीप नरवाल जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी नीलामी में शामिल होंगे। एक रोचक तथ्य यह है कि नवीन कुमार पहली बार नीलामी में उतरेंगे। उन्होंने दबंग दिल्ली केसी के लिए 6 सीजन में 1102 रेड पॉइंट्स बनाए हैं और 1000+ पॉइंट्स के साथ नीलामी में उतरने वाले पहले खिलाड़ी बनेंगे।

नीलामी के लिए खिलाड़ियों को चार श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा और उनका एक बेस प्राइस (आधार मूल्य) भी होगा। कैटेगरी ए का बेस प्राइस 30 लाख रुपये है। इसी तरह कैटेगरी बी के लिए 20 लाख रुपये बेस प्राइस रखा गया है। कैटेगरी सी के खिलाड़ी कम से कम 13 लाख रुपये में बिकेंगे, जबकि कैटेगरी के लिए न्यूनतम मूल्य 9 लाख रुपये है। हर श्रेणी के अंतर्गत खिलाड़ियों को उनके रोल के अनुसार वर्गीकृत किया जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर भाला फेंककर जीता दोहा डायमंड लीग, दूसरे स्थान पर रहे नीरज चोपड़ा

दोहा। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को दोहा डायमंड लीग 2025 में अपने करियर की पहली 90 मीटर से लंबी थ्रो की, लेकिन इसके बावजूद वह खिताब से चूक गए। जर्मनी के जूलियन वेबर ने अंतिम प्रयास में 91.06 मीटर का भाला फेंकते हुए प्रतियोगिता जीत ली। नीरज का नया नेशनल रिकॉर्ड, लेकिन दूसरी बार भी दूसरा स्थान नीरज ने 90.23 मीटर का शानदार भाला फेंककर 2022 में स्टॉकहोम डायमंड लीग में बनाया गया अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड (89.94 मीटर) तोड़ दिया। यह पहला मौका था जब नीरज ने 90 मीटर पार किया। प्रतियोगिता के बाद नीरज ने कहा, थोड़ा मिला-जुला अनुभव रहा। 90 मीटर पार करके खुशी है, लेकिन दूसरी बार फिर से दूसरे स्थान पर रहना थोड़ा खलता है। ऐसा पहले भी टर्कू और स्टॉकहोम में हो चुका है। लेकिन मैं जूलियन के लिए भी खुश हूं। हम दोनों ने पहली बार 90 मीटर पार किया। ये सीजन की पहली प्रतियोगिता थी, आगे और बेहतर करने का भरोसा है। शुरू से ही लीड में थे नीरज, लेकिन वेबर ने पलटी बाज़ी नीरज ने अपनी पहली ही कोशिश में 88.44 मीटर फेंककर वर्ल्ड लीड हासिल कर ली थी। दूसरी कोशिश में उन्हें 'नो थ्रो' मिला, जबकि आगे की कोशिशों में उन्होंने 80.56 मीटर और 88.20 मीटर की थ्रो की। ऐसा लग रहा था कि नीरज जीत की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन जूलियन वेबर ने अंतिम प्रयास में 91.06 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए बाज़ी पलट दी। किशोर जेना का प्रदर्शन रहा फीका भारत के ही एक अन्य प्रतिभागी किशोर जेना ने निराशाजनक शुरुआत करते हुए पहली बार में केवल 68.07 मीटर भाला फेंका। बाद में वह इसे सुधारकर 78.60 मीटर तक ले जा सके, लेकिन वह शीर्ष रैंक में नहीं आ पाए।

प्रज्ञानानंदा ने रोमांचक टाइब्रेक प्लेआफ मुकाबले में जीती चैंपियनशिप

नई दिल्ली। भारत के आर प्रज्ञानानंदा ने अलीरजा फिरोजा और मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव के साथ रोमांचक टाइब्रेक प्लेआफ मुकाबला जीतकर सुपरबेट शतरंज क्लासिक टूर्नामेंट अपने नाम कर लिया है। भारत के विश्व चैम्पियन डी गुकेश चार अंक लेकर नौवें स्थान पर रहे। अब अगला टूर्नामेंट सुपर युनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज एक जुलाई से क्रोएशिया में खेला जाएगा। पुरस्कार राशि के रूप में 77,667 डालर मिले प्रज्ञानानंदा को पुरस्कार राशि के रूप में 77,667 डालर यानी करीब 66,48,345 रुपए मिले और उन्हें 10 ग्रैंड शतरंज टूर अंक दिए गए। चेन्नई के 19 साल के युवा खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। जीत के बाद प्रज्ञानानंदा ने एक्स पर लिखा- अविश्वसनीय अनुभव। अभी बुकारेस्ट में सुपरबेट शतरंज क्लासिक टूर्नामेंट जीता। मेरी टीम और सहयोगियों को लगातार हौसला अफजाई के लिये धन्यवाद। प्रज्ञानानंदा, वाचियेर लाग्रेव और फिरोजा नौ दौर के बाद 5.5 अंक लेकर बराबरी पर थे जिससे विजेता का फैसला त्रिकोणीय टाइब्रेकर से हुआ। टाइब्रेकर में पहली दो बाजियां ड्रॉ रहने के बाद प्रज्ञानानंदा ने तीसरी बाजी और खिताब जीता। पिछले महीने वारसॉ में आयोजित सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज पोलैंड इवेंट में प्रज्ञानानंदा तीसरे स्थान पर रहे थे।

मेरा लक्ष्य अच्छी वापसी करना है : स्टोक्स

लंदन। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स कहा है कि वह अपनी हैमस्ट्रिंग चोट के बाद की रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) प्रक्रिया से गुजर रहे है और उनका लक्ष्य तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में धमामेदार वापसी करना है। स्टोक्स दिसंबर में हुए टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए टेस्ट में हैमस्ट्रिंग में लगी चोट के बाद बाहर हो गये थे। उसके बाद से ही वह खेल से दूर हैं। इसी कारण वह इंग्लैंड के भारत दौरे और चैंपियंस ट्रॉफी से भी बाहर रहे थे। स्टोक्स इसके बाद से ही फिटनेस हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। स्टोक्स ने कहा, मैं हमेशा कड़ी मेहनत करता हूं। जब मैं फिट नहीं होता हूं, तो मेरा प्रयास पहले से बेहतर फिटनेस हासिल करने का रहता है। मैंने अपने क्रिकेट से लेकर फिटनेस तक हर चीज़ पर बहुत मेहनत की है और मुझे पता है कि जब मैं इस बार मैदान पर वापसी करूंगा तो मेरी फिटनेस सबसे अच्छे स्तर की होगी। स्टोक्स पहले भी कई बार चोटिल होने के कारण खेल से दूर रहे हैं। पिछले साल अगस्त में 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट के दौरान चोट लगने के के कारण वह श्रीलंका के खिलाफ तीन और पाकिस्तान के खिलाफ लगातार चार टेस्ट मैचों से बाहर रहे थे। साल के अंत में वह न्यूजीलैंड दौरे के लिए फिट होने की कोशिश कर रहे थे पर उनकी चोट फिर से उभर आई।

चेल्सी और एस्टन विला ने घर में जीत के साथ चैंपियंस लीग की उम्मीदें ज़िंदा रखीं

बर्मिंघम, 17 मई (एजेंसियां)।
चेल्सी और एस्टन विला ने शुक्रवार को अपने-अपने घरेलू मुकाबलों में जीत दर्ज कर अगली चैंपियंस लीग के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदें बरकरार रखीं। एस्टन विला ने टॉटनहैम हॉटस्पर को 2-0 से हराया, जबकि चेल्सी ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ 1-0 की कड़ी जीत दर्ज की।

कोंसा और कमारा ने दिलाई विला को जीत

विला पार्क में खेले गए मुकाबले में मेज़बान टीम ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा, लेकिन पहला गोल करने में उन्हें 59वें मिनट तक का इंतजार करना पड़ा। जॉन मैकगिन के कॉर्नर पर ओली वॉटकिंस ने हेडर से गेंद को आगे बढ़ाया जिसे बिना किसी मार्किंग के खड़े एज़्री कोंसा ने गोल में बदल दिया। इसके बाद 76वें मिनट में बूबाकार कमारा ने पेनल्टी बॉक्स के किनारे से लो ड्राइव मारकर विला की बढ़त को दोगुना कर दिया। यह कमारा का प्रीमियर लीग में 69वें मैच में पहला गोल था। फ्रेंच मिडफील्डर कमारा ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, हम जानते थे कि जीतना बेहद ज़रूरी है। हम फिर से चैंपियंस लीग खेलना चाहते हैं।

चेल्सी की जीत में कुकरेला का गोल

दूसरी ओर स्टैमफोर्ड ब्रिज पर चेल्सी और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच मुकाबला पहले हाफ में फीका रहा। लेकिन दूसरे हाफ में चेल्सी ने रफ्तार पकड़ी और 71वें मिनट में रीस जेम्स के क्रॉस पर स्पैनिश डिफेंडर मार्क कुकरेला ने हेडर से गोल करते हुए टीम को जीत दिलाई।

अंकतालिका में कांटे की टक्कर

इस जीत के साथ चेल्सी 66 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गई, जबकि एस्टन विला गोल अंतर के आधार पर पांचवें स्थान पर है।

लीग विजेता लिवरपूल के अलावा बाकी चैंपियंस लीग की चार जगहों के लिए आर्सेनल (68), न्यूकैसल (66), मैनचेस्टर सिटी (65) और नॉटिंघम फॉरेस्ट (62) की टीमें भी दौड़ में बनी हुई हैं।

यूरोपा लीग फाइनल की तैयारी में जुटी टीमें

स्पर्स और मैनचेस्टर यूनाइटेड दोनों ही टीमें अगले हफ्ते होने वाले यूरोपा लीग फाइनल को ध्यान में रखते हुए कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को आराम दिया। हालांकि, अच्छी खबर यह रही कि दोनों ही टीमों को कोई नई चोट की समस्या नहीं हुई। गौरतलब है कि ये दोनों मैच बुधवार को बिलबाओ में होने वाले फाइनल की तैयारी के चलते 48 घंटे पहले खेले गए।

दोहा डायमंड लीगः पारुल ने तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड, वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई

नई दिल्ली। भारतीय एथलीट पारुल चौधरी ने दोहा डायमंड लीग 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में छठा स्थान प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने न सिर्फ अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि आगामी वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। खुद का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा शुक्रवार को सुहेम बिन हमद स्टेडियम में हुई इस प्रतियोगिता में पारुल ने 9:13.39 का समय निकाला। यह उनके ही 2023 विश्व चैंपियनशिप (बुडापेस्ट) में बनाए गए पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड 9:15.31 से बेहतर रहा। वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए किया क्वालिफाई पारुल चौधरी ने 9:18.00 की क्वालिफिकेशन समय सीमा के भीतर दौड़ पूरी करके इस साल होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी अपनी जगह पक्की कर ली है। केन्या की चेरेटिच रहीं पहले स्थान पर प्रतियोगिता में केन्या की फेथ चेरेटिच ने 9:05.08 के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं कतर की विनफ्रेड यावी ने 9:05.26 के समय के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। इथियोपिया की सेम्बो अल्मायेव ने 9:09.27 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए पोडियम पूरा किया। पारुल का यह प्रदर्शन पेरिस ओलंपिक 2024 से पहले भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

ओलिंपिक खेलों को लेकर वेस्टइंडीज बोर्ड ने आईसीसी और आयोजकों से पूछे सवाल

Cricket West Indies

जमैका , 17 मई (एजेंसियां)।
क्रिकेट की 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक से वापसी हो रही है। इसी को लेकर वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और ओलंपिक आयोजकों से कुछ सवाल पूछे हैं। सीडब्ल्यूआई ने पूछा है कि इन खेलों के लिए प्रवेश प्रणाली क्या होगी ये अभी साफ नहीं हुआ है। साल ही कहा है कि इन खेलों में पुरुष और महिला वर्ग में 6-6 टीमों को ही भाग लेना है पर किस प्रकार से प्रवेश मिलेगा ये भी साफ नहीं किया गया है।

वहीं अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी आईओसी के अनुसार पुरुष और महिला वर्ग में 6-6 टीमें खेलेंगी पर उसने ये नहीं बताया कि वे कौन सी टीमें होंगी। इसके लिए रैंकिंग को आधार बनाया जाएगा या पाथवे टूर्नामेंट के जरिए या फिर हर महाद्वीप को बर्थ आवंटित की जाएगी। वहीं ओलंपिक आयोजकों ने इस मामले में हाल ही में ये भी कहा कि इस प्रकार के निर्णय आईसीसी लेगी। ये भी कहा जा रहा है कि शायद ओलंपिक में बारबाडोस की टीम के रूप में खेलना पड़ सकता है। इंग्लैंड की टीम के साथ भी इसी प्रकार होगा क्योंकि इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और नोर्दन आयरलैंड यूके के रूप में खेलते हैं। सीडब्ल्यूआई के सीईओ क्रिस डेहरिंग ने कहा कि कहा, यदि रैंकिंग का प्रयोगआईसीसी द्वारा अपनाया जाता है जैसे शीर्ष 6 और वेस्टइंडीज पुरुष टीम को 5वां स्थान दिया जाता है, तो हमें यह चुनने का अवसर मिलता है कि हमारे देशों में से कौन सा देश (जैसे जमैका, बारबाडोस, आदि) ओलंपिक में वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करेगा और हम सिर्फ इसलिए बाहर नहीं रह जाएंगे, क्योंकि वेस्टइंडीज एक टीम के रूप में भाग नहीं ले सकता।

इटैलियन ओपन टेनिस

इटैलियन ओपन टेनिस स्पर्धा में फोरो इटालिको, रोम, इटली में इटली के लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ सेमीफाइनल मैच जीतने के बाद स्पेन के कार्लोस अल्काराज।

रोस्टन चेज़ बने वेस्टइंडीज टेस्ट टीम के कप्तान

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।
वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) ने स्पिन ऑलराउंडर रोस्टन चेज़ को टेस्ट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है, जबकि जोमेल वॉरिकन को उनका डिप्टी बनाया गया। खास बात यह है कि चेज़ ने पिछले दो साल से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है, बावजूद इसके उन्हें टीम की कमान सौंप दी गई है।

सीडब्ल्यूआई ने एक बयान में बताया कि रोस्टन चेज़ को शुक्रवार को कप्तान नियुक्त किया गया। 33 वर्षीय चेज़ ने 32 वर्षीय क्रैग ब्रैथवेट की जगह ली है, जिन्होंने मार्च में तीन साल तक कप्तानी संभालने के बाद इस पद से इस्तीफा दे दिया था। चेज़ जून और जुलाई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज में टीम की अगुवाई करेंगे। पहला टेस्ट चेज़ के होम ग्राउंड बारबाडोस के ब्रिजटाउन में खेला जाएगा, जो उनके करियर का 50वां टेस्ट भी होगा। उन्होंने 2016 में टेस्ट डेब्यू किया था।

सीडब्ल्यूआई ने टेस्ट टीम के नए कप्तान के चयन को लेकर एक मजबूत डेटा-आधारित प्रक्रिया अपनाई, जिसके तहत छह खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। इन खिलाड़ियों में जॉन कैंपबेल, टेवन इमलाक, जोशुआ डा सिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स, रोस्टन चेज़ और जोमेल वॉरिकन के नाम शामिल थे। इन सभी उम्मीदवारों का मूल्यांकन कई प्रमुख पहलुओं पर किया गया, जिनमें टेस्ट अनुभव, नेतृत्व क्षमता और पूर्व कप्तानी रिकॉर्ड शामिल रहे। इसके बाद चयन प्रक्रिया में एक विस्तृत मूल्यांकन चरण शामिल किया गया, जिसमें नेतृत्व शैली, व्यवहार और भूमिका के लिए उपयुक्तता का आकलन करने के लिए साइकोमेट्रिक टेस्ट भी शामिल था। इस मूल्यांकन के बाद उम्मीदवारों के संरचित इंटरव्यू लिए गए, जिनमें उनके रणनीतिक दृष्टिकोण, संवाद कौशल और टीम की संस्कृति से मेल पर ध्यान दिया गया। अंततः रोस्टन चेज़ को टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया, जबकि जोमेल वॉरिकन को उपकप्तान बनाया गया। वहीं, वर्तमान वनडे और टी20 टीम के कप्तान शाई होप ने टेस्ट कप्तानी की दौड़ से खुद को अलग कर लिया और छोटे प्रारूपों पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया। रोस्टन चेज़ अब तक 49 टेस्ट और 86 सीमित ओवरों के अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। कोच डैरेन सैमी ने इस फैसले का समर्थन करते हुए कहा, मैं इस नियुक्ति का पूर्ण समर्थन करता हूं। हमारे नए कप्तान ने अपने साथियों का विश्वास जीता है, वह इस भूमिका की जिम्मेदारी को समझते हैं और उनमें वह नेतृत्व गुण हैं जिनकी इस टीम को आगे ले जाने के लिए ज़रूरत है। मैं पूरे क्षेत्र के फैंस से अपील करता हूं कि वे उनके पीछे खड़े हों—हम एक विशेष भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

जैनिक सिनर ने इटालियन ओपन फाइनल में बनाई जगह, कार्लोस अल्कराज से होगा सामना

रोम, 17 मई (एजेंसियां)।
तीन महीने के डोपिंग प्रतिबंध के बाद वापसी कर रहे जैनिक सिनर ने इटालियन ओपन के फाइनल में धमाकेदार एंट्री कर ली है। शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने अमेरिका के टॉमी पॉल को 1-6, 6-0, 6-3 से हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट कटाया। अब फाइनल में उनका सामना स्पेनिश स्टार कार्लोस अल्कराज से होगा, जिन्होंने लोरेंजो मुसेटी को 6-3, 7-6(4) से हराकर पहली बार रोम फाइनल में जगह बनाई।

1976 के बाद पहली बार इतालवी खिलाड़ी के पास खिताब जीतने का मौका

सिनर अब इतिहास रचने से सिर्फ एक कदम दूर हैं। यदि वे जीतते हैं, तो 1976 में एड्रियानो पानाटा के बाद रोम मास्टर्स खिताब जीतने वाले पहले इतालवी पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे। इससे पहले, सिनर ने क्वार्टरफाइनल में कैस्पर रूड को करारी शिकस्त दी थी। हालांकि सेमीफाइनल के पहले सेट में वह अस्थिर नजर आए, लेकिन इसके बाद उन्होंने जबरदस्त वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

फिटनेस को लेकर चिंता, लेकिन जोश में कमी नहीं

मैच के अंत में सिनर अपनी जांघ पकड़ते और दर्द में नजर आए। उन्होंने बाद में खुलासा किया कि तीसरे राउंड से उनके पैरों में ब्लिस्टर (छाले) हो गए हैं, जिससे मूवमेंट में परेशानी हो रही है। हालांकि उन्होंने कहा, कोई बहाना नहीं है। फाइनल में एड्रेनालिन के साथ काफी एनर्जी होगी। मैं पूरी तरह तैयार हूं।

अल्कराज भी जबरदस्त फॉर्म में, लगातार तीसरे क्ले-कोर्ट फाइनल में पहुंचे

यह सीजन अल्कराज के लिए भी शानदार रहा है। उन्होंने मोंटे कार्लो मास्टर्स जीता, बार्सिलोना ओपन में रनर-अप रहे, और अब रोम फाइनल में हैं। हालांकि मड्रिड ओपन से उन्होंने चोट के कारण नाम वापस ले लिया था। फिलहाल वे दाहिने पैर पर एक लंबा ब्लैक ब्रेस पहनकर खेल रहे हैं, लेकिन खेल पर उसका खास असर नहीं दिख रहा।

महिला वर्ग में गॉफ और पाओलिनी के बीच टक्कर

शनिवार को महिला फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ और इटली की जैस्मिन पाओलिनी आमने-सामने होंगी। वहीं, डबल्स में पाओलिनी और सारा एर्रानी की जोड़ी भी फाइनल में पहुंच गई है। उन्होंने रूस की मिर्रा अंद्रेएवा और डायना श्नाइडर को 6-4, 6-4 से हराया।

अल्कराज का पलड़ा भारी, लेकिन सिनर की जीत का सिलसिला भी लाजवाब

सिनर और अल्कराज के बीच यह मुकाबला बीजिंग ओपन फाइनल (अक्टूबर 2024) के बाद पहली भिड़ंत होगी, जहां अल्कराज ने तीसरे सेट के टाईब्रेकर में जीत दर्ज की थी। दोनों के बीच अब तक 10 मुकाबले हुए हैं, जिनमें अल्कराज 6-4 से आगे हैं और उन्होंने पिछले तीन मैच लगातार जीते हैं।

हालांकि, खास बात यह है कि बीजिंग में हारने के बाद से सिनर एक भी मैच नहीं हारे हैं और वे 26 मैचों की विजयी लय में हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद यह उनका पहला टूर्नामेंट है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

ह्युंडै मोटर इंडिया का मुनाफा घटकर 1,614 करोड़ रहा

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

ह्युंडै मोटर इंडिया की चार प्रतिशत गिरावट के साथ पिछले वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 1,614 करोड़ रुपये रहा है। मुख्य रूप से घरेलू बाजार में बिक्री कम होने के कारण मुनाफा कम हो गया है। वित्त वर्ष 2023-24 के इसी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 1,677 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने बताया कि उनकी कुल परिचालन आय समीक्षा हित तिमाही में बढ़कर 17,940 करोड़ रुपये हो गई है, जो 2023-24 की समान तिमाही में 17,671 करोड़ रुपये थी। चौथी तिमाही में ह्युंडै की घरेलू बिक्री 5,98,666 इकाई रह गई, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 6,14,721 इकाई थी। इसी

वित्त वर्ष 2023-24 के कंपनी का मुनाफा 1,677 करोड़ रुपये रहा था

दौरान ह्युंडै ने चौथी तिमाही में निर्यात को बढ़ाकर 38,100 इकाई हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 33,400 इकाई थी। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का मुनाफा सात प्रतिशत गिरकर 5,640 करोड़ रुपये रहा, जो 2023-24 में 6,060 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बोर्ड की सिफारिश के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रत्येक शेयर पर 10 रुपये का अंकित मूल्य देने की सिफारिश की है।

ह्युंडै ने कहा कि उन्होंने वातावरण अनुकूल वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक निवेश के लिए 7,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की रूपरेखा तैयार की है। दूसरी ओर, मेदांता हॉस्पिटल्स की ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड ने अपनी चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ में 20.4 फीसदी की गिरावट देखी है।

सिंगापुर सरकार ने जेएसडब्ल्यू इन्फ्रा में हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली। सिंगापुर सरकार ने ब्लॉक डील के जरिये जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर में 0.88 फीसदी हिस्सेदारी 531 करोड़ रुपये में खरीदी। यह सौदा सज्जन जिंदल फैमिली ट्रस्ट द्वारा प्रमोटर हिस्सेदारी बिक्री के तहत हुआ है। इससे पहले फैमिली ट्रस्ट ने भारत की दूसरी सबसे बड़ी वाणिज्यिक बंदरगाह परिचालक जेएसडब्ल्यू इन्फ्रा में कुल 2 फीसदी हिस्सेदारी 1,210 करोड़ रुपये में बेची थी। इस हिस्सेदारी में सिंगापुर सरकार भी शामिल है। कंपनी का सौदा सज्जन जिंदल फैमिली ट्रस्ट द्वारा प्रमोटर हिस्सेदारी बिक्री के तहत हुआ सिंगापुर की सरकारी इकाई ने 288 रुपये के भाव पर प्रमोटर ग्रुप से करीब 1.84 करोड़ शेयर खरीदे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

देश को रसातल...

उनमें एक एआईएमआईएम के अध्यक्ष एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी थे और दूसरे बिहार के किशनगंज से कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद। इसी तरह, विधेयक पारित होने के बाद जयराम रमेश का इसके विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय जाने का ऐलान और कुछ घंटे बाद ही कांग्रेस सांसद जावेद की ओर से सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करना बताता है कि इस पूरे प्रकरण के पीछे कांग्रेस है।

कांग्रेस को लग रहा था कि वह मुसलमानों को यह संदेश देने में कहीं पीछे न रह जाए कि वह उनके हितों की ही संरक्षक नहीं है, बल्कि उनके वर्चस्व, श्रेष्ठता और उनकी एकाधिकारवादी मानसिकता को भी समर्थन देने के लिए हर तरह से तैयार है। इसीलिए उसने अपने मुस्लिम सांसद की तरफ से याचिका कराई। बात-बात में पंथनिरपेक्षता, संविधान की रक्षा तथा लोकतंत्र बचाने की दुहाई देने वाली कांग्रेस इन मुद्दों पर पूरी तरह कठघरे में है। मजहब विशेष से जुड़ा कोई भी विषय आते ही न्यायालय की श्रेष्ठता, संविधान के सम्मान, लोकतंत्र के मूल्यों की दुहाई देने वाली कांग्रेस ने अनेक बार हिंदू और सनातन संस्कृति के विरोध में न्यायालय में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सक्रिय रही है। याद कीजिए, कांग्रेस सरकार ने न्यायालय में शपथ-पत्र देकर भगवान राम और रामसेतु को काल्पनिक बताया था। राम जन्मभूमि मंदिर सहित कई मामले इसके उदाहरण हैं।

लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा की अनुपस्थिति को न केवल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, बल्कि केरल की जमायत उल उलमा द्वारा संचालित मलयालम दैनिक सुप्रभातम् ने भी काला धब्बा बताया था। अखबार ने वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ संसद में राहुल गांधी के न बोलने पर सवाल उठाया था और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी की भी तीखी आलोचना की थी। अखबार ने अपने संपादकीय में लिखा, वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी, जिनसे देश बड़ी उम्मीदें रखता है, पार्टी व्हिप के बावजूद संसद में मौजूद नहीं थीं। यह उनके लिए एक दाग की तरह रहेगा। विधेयक पर बहस के दौरान वह कहां थीं, यह सवाल हमेशा बना रहेगा। प्रियंका गांधी वाड्रा मुस्लिम बहुल वायनाड से सांसद हैं। पहले यह राहुल गांधी की संसदीय सीट थी। लोकसभा चुनाव के दौरान इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने कांग्रेस के साथ प्रियंका वाड्रा के लिए प्रचार किया था।हाल ही में कांग्रेस पार्टी के गुजरात अधिवेशन में राहुल गांधी ने वक्फ संशोधन कानून को मजहबी स्वतंत्रता और संविधान पर हमला करार दिया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। संवैधानिक संस्थाओं पर नियंत्रण करना चाहती है। उन्होंने यहां तक कहा कि आने वाले समय में दूसरे अल्पसंख्यक समुदायों को भी निशाना बनाया जाएगा। राहुल का यह बयान कांग्रेस की मंशा बताने के लिए काफी है। प्रश्न यह है कि बात-बात में संविधान और लोकतंत्र बचाने की दुहाई देने वाले राहुल गांधी संवैधानिक प्रक्रिया के तहत लोकसभा में प्रस्तुत वक्फ संशोधन विधेयक पर चुप्पी साधे क्यों बैठे रहे? उनकी मां सोनिया गांधी भी राज्यसभा में विधेयक पर कुछ क्यों नहीं बोलीं? यहां तक कि उनकी सांसद बहन प्रियंका गांधी वाड्रा भी विधेयक पर चर्चा के दौरान मौजूद नहीं थीं। सदन में चुप्पी और सड़क पर विरोध, यह दोगलापन कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करता है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि कांग्रेस ने वही रास्ता चुना है, जिस पर स्वतंत्रता संग्राम के समय मुस्लिम लीग चल रही थी।

कांग्रेस न तो लोकतंत्र का सम्मान करती है और न ही संविधान, न्यायपालिका और विपक्ष के अधिकारों का। राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि इन मुद्दों पर कांग्रेस का इतिहास काफी दागदार रहा है। ज्यादा पीछे जाने की जरूरत नहीं है। हाल ही में नेशनल हेरल्ड मामले में ईडी की ओर से न्यायालय में दाखिल आरोप-पत्र से कांग्रेस के संविधान और न्यायालय के सम्मान की चिंता की पोल खुल जाती है। जांच एजेंसी द्वारा किसी मामले की जांच के बाद आरोपी के विरुद्ध न्यायालय में आरोप-पत्र दाखिल करना न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है, पर इसके विरोध में कांग्रेस नेतृत्व ने जिस तरह कार्यकर्ताओं से देशव्यापी प्रदर्शन का आह्वान किया, वह क्या है? क्या इसे न्यायिक प्रक्रिया को गैर-संवैधानिक तरीके से प्रभावित करने की कोशिश नहीं माना जाना चाहिए? संविधान, न्यायपालिका, लोकतंत्र की दुहाई देने वाले राहुल गांधी और कांग्रेस को यह भी बताना चाहिए कि जब केंद्र में मनमोहन सरकार थी, तब सलाहकार परिषद संविधान की किस व्यवस्था के तहत बनाई गई थी। सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाली इस परिषद को किस लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत संविधानेत्तर अधिकार दिए गए थे?

राहुल को केंद्रीय मंत्रिमंडल से पारित प्रस्ताव को संविधान के किस अधिकार और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत सार्वजनिक रूप से फाड़ने का अधिकार मिला था? शाहबानो मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए संसद से कानून बनाकर पलटना, 1975 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय का निर्णय मानने के बजाए देश पर आपातकाल थोपना, लोकसभा का कार्यकाल बढ़ाना तथा समूचे विपक्ष को जेल में ठूंस देना, ऐसे कदम उठाकर कांग्रेस की तत्कालीन सरकारों ने किस संविधान की रक्षा की थी? क्या यह न्यायपालिका का सम्मान और लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन था?

वक्फ संशोधन विधेयक को संविधान पर हमला और मुसलमानों की मजहबी स्वतंत्रता छीनने का षड्यंत्र बताना यह साबित करता है कि कांग्रेस को मुसलमानों से सहानुभूति कम, उनका सियासी इस्तेमाल करने में ज्यादा दिलचस्पी है। अगर ऐसा न होता तो देश में अब तक सबसे अधिक समय तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस को वक्फ सम्पत्तियों को कुछ बड़े मुस्लिम नेताओं के कब्जे में रख देने के आरोपों का तथ्यपरक जवाब लेकर सामने आना चाहिए था। आंकड़ों के साथ यह बताना चाहिए था कि वक्फ सम्पत्तियों से इतने गरीब मुसलमानों, विधवाओं व गरीब मुस्लिम महिलाओं की सहायता की गई।वक्फ के नाम पर देश में लाखों हेक्टेयर भूमि है। अगर इसका ठीक से उपयोग हुआ होता और कांग्रेस मुस्लिमों को सिर्फ वोट बैंक न समझती तो स्थिति कुछ और होती। आज मुस्लिम समुदाय के भीतर से संशोधित वक्फ कानूनों के समर्थन में आवाजें उठ रही हैं, समुदाय के लोग ही वक्फ बोर्डों पर सम्पत्तियां हड़पने के आरोप लगा रहे हैं। मुस्लिम समुदाय के लोग कांग्रेस सहित उन सभी दलों से जवाब मांग रहे हैं, जो संशोधनों का विरोध कर रहे हैं।यह तो आने वाला समय बताएगा कि नए वक्फ कानून का विरोध कांग्रेस को कितने मुस्लिम वोट दिला पाएगा, लेकिन वक्फ कानूनों के विरोध के बहाने उसकी हिंदू विरोधी होने की प्रवृत्ति एक बार फिर सामने आ गई है। हालांकि वक्फ कानूनों का मजहब की आजादी या मस्जिदों या अन्य मजहबी मामलों की व्यवस्थाओं से कोई लेना-देना नहीं है। इसका संबंध सिर्फ दान में दी गई जमीन अथवा मुस्लिमों की बेनामी जमीन और सम्पत्ति के प्रबंधन से है, लेकिन बांग्लादेश से लेकर संशोधित वक्फ कानूनों के विरोध के बहाने जिस तरह मुस्लिमों के ध्रुवीकरण की कोशिश हो रही है, वह चिंताजनक है। पश्चिम बंगाल में हो रहे हिंदुओं के उत्पीड़न पर कांग्रेस की चुप्पी भी सवाल खड़े करती है। आखिर क्यों कांग्रेस ममता सरकार पर सवाल नहीं उठा रही है?क्या कांग्रेस को मुस्लिम वोटों के लिए हिंदुओं के उत्पीड़न से भी गुरेज नहीं है? भले ही वक्फ का इतिहास आजादी से पहले का है, लेकिन पहला वक्फ बोर्ड अधिनियम तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू सरकार ने बनाया था। फिर उसी सरकार ने 1955 में इसमें संशोधन किया और वक्फ बोर्ड को ज्यादा अधिकार दे दिए। इसके बाद 1995 में कांग्रेस सरकार ने ही इसमें संशोधन कर वक्फ को पहले से ज्यादा अधिकार दे दिए। इसके बाद 2013 में संशोधन कर वक्फ बोर्डों को असीमित अधिकार दे दिए गए। इसकी आड़ में वक्फ बोर्ड ने देश भर में बड़ी संख्या जमीन ही नहीं हथियाई, बल्कि सरकारी जमीनों पर भी कब्जा कर लिया।

जानकार कहते हैं कि कांग्रेस सरकारों का वक्फ एक्ट देश के इस्लामीकरण के षड्यंत्र का हिस्सा था। इसकी आड़ में देश में मुगलिया सल्तनत को कायम रखने की साजिश की गई। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने देश में राज व्यवस्था का ऐसा मॉडल तैयार किया, जो भारत में एक अन्य पाकिस्तान तैयार करने वाला था। तो कांग्रेस की नीति और नीयत पर संशय खड़ा होना स्वाभाविक है। कांग्रेस सरकार की कार्यशैली और नीतियां सिर्फ मुस्लिम तुष्टिकरण तक सीमित नहीं हैं। कांग्रेस सत्ता पाने के लिए भारत के इस्लामीकरण के लिए षड्यंत्ररूपी बीज को खाद-पानी भी देती चली आ रही है। कांग्रेस के शासनकाल में हिंदू आतंकवाद और भगवा आतंकवाद का झूठा विमर्श गढ़ने के लिए कितने गहरे षडयंत्र रचे गए। इसे स्थापित करने के लिए एक कपोल कल्पित कथानक लिखा गया। आतंकी तहव्वुर राणा की गिरफ्तारी के बाद एक-एक कर वे षड्यंत्र उजागर हो रहे हैं।

संविधान को ठेंगा दिखा कर मुस्लिम आरक्षण की पैरवी, कांग्रेस शासित राज्यों द्वारा न्यायालय के निर्देशों की अनदेखी कर बार-बार मुस्लिमों को आरक्षण की घोषणा, सलमान खुर्शीद जैसे नेताओं द्वारा हिंदुत्व की तुलना बोको हरम और आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठनों से करना, मुंबई आतंकी हमले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं हिंदू संगठनों का हाथ बताना, यह साबित करता है कि कांग्रेस अब मुस्लिम तुष्टिकरण से आगे हिंदुओं का उत्पीड़न कर देश के स्वरूप को बदलने के षड्यंत्र तक पहुंच गई है।

हां, भारत ने ...

अपने बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च किए हैं। इनमें से एक नूर खान एयरपोर्ट पर गिरा है और दूसरे कुछ अन्य इलाकों में गिरे हैं।

शहबाज शरीफ का कबूलनामा पाकिस्तान के खुद के झूठ का पर्दाफाश करता है क्योंकि वह लगातार यह दावा करता रहा है कि भारत के हमले में उसका खास नुकसान नहीं हुआ है। यहां तक कि वह अपने वायुसेना अड्डों को भी किसी तरह के नुकसान से इन्कार करता रहा है। पाकिस्तान अब धीरे-धीरे भारत के हाथों हुए नुकसान को लोगों के सामने कबूल कर रहा है। भारत के सैन्य बलों ने हमले के अगले दिन ही यह जानकारी दी थी कि उन्होंने पाकिस्तान के 8 सैनिक अड्डों को निशाना बनाया है और सभी निशाने सटीक थे।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अब भले ही वार्ता की बात कर रहे हों, लेकिन भारत ने साफ कर दिया है कि पाकिस्तान से अब सिर्फ पीओके और आतंकवाद पर ही बात होगी। जब तक आतंकवाद पर रोक नहीं लगती तब तक पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि भी स्थगित ही रहेगी। पाकिस्तान की असली चिंता अभी यही संधि है क्योंकि भले ही भारत अभी पानी को स्थायी रूप से नहीं रोक सकता लेकिन एक द्विपक्षीय संधि की स्थिति में पाकिस्तान के सिर पर हमेशा पानी नहीं मिलने का खतरा मंडराता रहेगा।दूसरी तरफ, पाकिस्तान की नाकाम और दमनकारी नीतियों तथा फौज की ज्यादतियों की वजह से 54 साल पहले जिस तरह बांग्लादेश उससे कटकर अलग हुआ था, वैसे ही अब अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर एक और देश किसी भी वक्त सामने आ जाए, तो कोई बड़ी बात नहीं। प्रचुर प्राकृतिक संपदा से सम्पन्न, करीब छह करोड़ की आबादी और 3,47,190 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैले पाकिस्तान के कब्जे वाले इस हिस्से को नए राष्ट्र के रूप में नाम दिया गया है, रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान। नए राष्ट्र की घोषणा की है बलूचिस्तान मुक्ति संग्राम से जुड़े युवा लेखक, पत्रकार और एक्टिविस्ट मीर यार बलूच ने। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय मिसाइलें जब पाकिस्तान में स्थित आंतकी अड्डों पर काल बनकर टूट रही थीं और उसके दुस्साहस के जवाब में भारतीय सेना की कार्रवाइयों के बीच नौ मई को जब इस युवा ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान की आजादी का शंखनाद किया, तो पाकिस्तानी हुकूमत और उसकी तानाशाह फौज की चूलें बुरी तरह हिल गईं। बलूचों के हितों की बात करने भर से ही, जो पाकिस्तानी फौज उनका अपहरण कराकर हत्या तक कर देती हो, उसके सामने सीना तान कर उसके कब्जे वाले क्षेत्र को नए राष्ट्र का नाम देने का साहस रखने वाले इस युवा की शख्सियत को समझा जा सकता है।

आतंकवाद के पोषक और अपने ही लोगों का शोषण करने वाले पाकिस्तान को इस्लाम के नाम पर धब्बा बताने वाले मीर यार बलूच पेशे से लेखक, स्वतंत्र पत्रकार और एक्टिविस्ट हैं। वह बलूचिस्तान की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले प्रमुख युवा आंदोलनकारियों में शुमार हैं। वह कहते हैं कि 1947 में जब ब्रिटिश उपनिवेश से भारत और पाकिस्तान अलग हुए थे, तब उससे पहले बलूच राष्ट्र ने भी 11 अगस्त 1947 को अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की थी, लेकिन पाकिस्तान ने हमारे ऊपर अवैध रूप से कब्जा कर लिया। वह बलूचों को पाकिस्तान के खिलाफ जागृत करने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए राष्ट्र के लिए समर्थन जुटाने की मुहिम में लगे हुए हैं, जिससे यह युवा एक्टिविस्ट अब पाकिस्तानी फौज के लिए नासूर बन चुका है। वह पाकिस्तान को न केवल बलूचिस्तान और भारत, बल्कि अफगानिस्तान समेत पूरी दुनिया के खतरा मानते हैं।

हाल ही में रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान की घोषणा करने के साथ ही भारत से समर्थन मांगते हुए मीर यार ने कहा, हम भारत और बलूचिस्तान की मैत्री के समर्थक हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करते हुए कहा, जिस तरह भारत ने 1971 में बांग्लादेश अलग करवाकर पाकिस्तान से बंगालियों को मुक्ति दिलवाई थी, उसी तरह हमें भी मुक्त कराएं। मीर यार प्रधानमंत्री मोदी के कट्टर प्रशंसक हैं, तो पाकिस्तान के धुर विरोधी, जिसे वह आतंकवादियों का संरक्षक कहते हैं। बलूचिस्तान क्षेत्र में स्थित हिंगलाज माता मंदिर की रक्षा की दुहाई देते हुए वह भारत-बलूच मैत्री का सबसे अच्छा उदाहरण बताते हैं।

मीर यार भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के पुरोधा नेताजी सुभाष चंद्र बोस और शहीद भगत सिंह को अपना आदर्श मानते हैं। वह बलूचों में जोश भरते हुए कहते हैं कि जिस तरह से ब्रिटिश हुकूमत के सामने ये स्वतंत्रता सेनानी नहीं झुके थे, उसी तरह से हम भी पाकिस्तान की हुकूमत और उसकी तानाशाह फौज से लड़कर नया राष्ट्र लेकर रहेंगे। उनका विश्वास है कि जिस तरह क्रांतिकारी भगत सिंह ने बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर किसी को नुकसान पहुंचाए बगैर असेंबली में बम फोड़ा था, उसी तरह हम भी सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से पाकिस्तान की गूंगी-बहरी, तानाशाह और शोषणकारी हुकूमत के खिलाफ अपनी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए आजादी हासिल करके रहेंगे।

40 सांसदों ...

सरकार ने इन प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने वाले नेताओं का चयन सभी प्रमुख राजनीतिक दलों से किया है, जो अलग-अलग वैचारिक पृष्ठभूमि से आते हैं।

सात प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए जिन सात नेताओं का चयन किया गया है, उनमें रवि शंकर प्रसाद (भाजपा सांसद), बैजयंत पांडा (भाजपा सांसद), शशि थरूर (कांग्रेस सांसद), संजय झा (जदयू सांसद), कनीमोझी (डीएमके सांसद), सुप्रिया सुले (एनसीपी शरद पवार गुट सांसद) और श्रीकांत शिंदे (शिवसेना सांसद) के नाम शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक प्रतिनिधिमंडल पांच अलग-अलग देशों का दौरा करेगा। इनमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देश और भारत के प्रमुख रणनीतिक साझेदार देश शामिल होंगे। भारत सरकार ने कहा है कि हर प्रतिनिधिमंडल में भारत के वरिष्ठ और अनुभवी राजनयिक शामिल होंगे। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में चार नेता राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से हैं, जबकि तीन विपक्षी इंडी गठबंधन से आते हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि वह क्षण सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है जिस समय पूरा भारत एकजुट होता है। सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल प्रमुख देशों का दौरा करेंगे और आतंकवाद के खिलाफ हमारी साझा नीति को दुनिया के सामने रखेंगे, यह राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता का मजबूत प्रतीक है।

उल्लेखनीय है कि प्रत्येक प्रतिनिधिमंडल में छह से सात सांसद और कई राजनयिक शामिल होंगे। हर प्रतिनिधिमंडल चार से पांच देशों का दौरा करेगा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को सबसे अहम जिम्मेदारी मिलने वाली है। शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को अमेरिका भेजा जा सकता है। अमेरिका दुनिया का सबसे ताकतवर देश है। इसके आधार पर कहा जा सकता है कि शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को सबसे अहम जिम्मेदारी मिली है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, अल्जीरिया भेजा जा सकता है। वहीं सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को ओमान, केन्या, दक्षिण अफ्रीका और मिस्र (इजिप्ट) की सरकारों को ब्रीफ करने के लिए भेजा जा सकता है। संजय झा के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, इंडोनेशिया भेजा जा सकता है।भारत सरकार ने सावधानी से नेताओं का चयन किया है और लगभग हर पार्टी के सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में जगह देने की कोशिश की है, ताकि पूरी दुनिया में एकजुटता का संदेश दिया जा सके। इन सांसदों में अनुराग ठाकुर, अपराजिता सारंगी, मनीष तिवारी, असदुद्दीन ओवैसी, अमर सिंह, राजीव प्रताप रूडी, समिक भट्टाचार्य, बृज लाल, सरफराज अहमद, प्रियंका चतुर्वेदी, विक्रमजीत साहनी, सस्मित पात्रा, भुवनेश्वर कालिता भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद को भी इसमें शामिल किया गया है। हालांकि वे फिलहाल सांसद नहीं हैं। सरकार ने टीएमसी सांसद सुदीप बंदोपाध्याय को भी शामिल किया था, लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से इन्कार कर दिया।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, मैं भारत सरकार के निमंत्रण से सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जिसमें मुझे हाल की घटनाओं पर हमारे देश का दृष्टिकोण पांच महत्वपूर्ण देशों की राजधानियों में जाकर प्रस्तुत करने के लिए सभी दलों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने को कहा गया है। एनसीपी एसपी सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, पीएम मोदी ने सांसदों की सात समितियां बनाई हैं, जो दूसरे देशों में जाकर ऑपरेशन सिंदूर की कहानी का हमारा पक्ष उन देशों के सामने रखेंगी। कल मुझे केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का फोन आया, जिन्होंने मुझे इनमें से एक समिति का हिस्सा बनने के लिए कहा। यह बहुत स्पष्ट है कि जब हमारे देश का सवाल होता है, तो हम सब एक साथ होते हैं। सांसदों की प्रत्येक समिति में पांच सदस्य होंगे, जो लगभग 10 दिनों के दौरे पर जाएंगे, जिसमें पांच से आठ देश शामिल होंगे।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, कल सुबह संसदीय कार्य मंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता से बात की। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को लेकर भारत के रुख को समझाने के लिए विदेश भेजे जाने वाले प्रतिनिधिमंडलों के लिए चार सांसदों के नाम प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस की ओर से आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, सैयद नासिर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग का नाम भेजा था। राहुल गांधी की लिस्ट में शशि थरूर का नाम शामिल नहीं किया गया था। लेकिन भारत सरकार ने शशि थरूर का चयन किया और उन्हें सात टीम-लीडर में भी शामिल किया। इससे राहुल गांधी काफी खफा हैं। कांग्रेस ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया भी जाहिर की है। कांग्रेस की प्रतिक्रिया पर भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, राहुल गांधी और जयराम रमेश अपने ही कांग्रेसी सांसद शशि थरूर का संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए चुने जाने का विरोध कर रहे हैं। राहुल गांधी भारत के लिए बोलने वाले हर व्यक्ति से नफरत क्यों करते हैं, यहां तक कि अपनी पार्टी में भी? भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, इससे कांग्रेस को कोई फायदा नहीं होने वाला है। यह कांग्रेस शासित राज्यों के लिए भी अच्छा नहीं होगा। यह राजनीति का विषय नहीं है। यह केंद्र सरकार की महानता है कि वे हर पार्टी से कुछ सांसदों को (प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए) चुन रहे हैं।असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि कांग्रेस की सूची में शामिल सांसदों में से एक गौरव गोगोई ने पाकिस्तान में दो हफ्ते तक रहने की बात से इन्कार नहीं किया है। विश्वसनीय दस्तावेजों से पता चलता है कि उनकी पत्नी भारत में काम करते हुए पाकिस्तान स्थित एक एनजीओ से वेतन ले रही थीं। राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में और दलगत राजनीति से परे, मैं लोकसभा के नेता राहुल गांधी से आग्रह करता हूं कि इस व्यक्ति को ऐसे संवेदनशील और रणनीतिक काम में शामिल न करें।

आतंकियों...

खासकर रियासी से आगे के इलाके में, जिन्हें संवेदनशील माना जाता है।यह ट्रैक रियासी से आगे कुछ स्थानों पर अलग-थलग इलाकों से गुजरता है, जहां आबादी वाले गांव बहुत कम हैं और इसे देखते हुए इन सभी इलाकों में अतिरिक्त जीआरपी कर्मियों को तैनात करने का फैसला किया गया है। पूरा ट्रैक सुरक्षित कर लिया गया है, चाहे वह सुरंगें हों, पुल हों या कटरा से संगलदान तक के संवेदनशील इलाके हों। रियासी से आगे का ट्रैक भी अब सुरक्षा के लिहाज से साफ है। शुरुआत में ट्रेन कटड़ा से बारामुला तक चलेगी। हालांकि, प्लेटफार्म की संख्या बढ़ाने सहित जम्मू रेलवे स्टेशन पर विस्तार कार्य पूरा होने के बाद, घाटी के लिए ट्रेन जम्मू से परिचालन शुरू कर दी जाएगी, जो संभवतः अगस्त-सितंबर में शुरू होगी।

आपा को छोड़ ...

कि वे सभी 2022 में आम आदमी पार्टी के टिकट पर एमसीडी में पार्षद चुने गए थे लेकिन एमसीडी की सत्ता में आने के बावजूद पार्टी का शीर्ष नेतृत्व सुचारू ढंग से एमसीडी नहीं चला पाया और शीर्ष नेतृत्व का निगम पार्षदों से समन्वय नहीं रहा और इसी वजह से पार्टी विपक्ष में आ गई। पार्टी छोड़ने वाले पार्षदों ने आरोप लगाया है कि जनता से किए गए वादों को पूरा नहीं किया गया और इसलिए वे पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं।उल्लेखनीय है कि 70 विधानसभा सीटों वाली दिल्ली की विधानसभा में भाजपा ने 48 सीटों पर जीत दर्ज की थी जबकि आम आदमी पार्टी को केवल 22 सीटें मिलीं। कांग्रेस का इस बार भी खाता नहीं खुल सका। भाजपा ने 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की है। दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी और भाजपा के नेताओं के बीच लगातार जुबानी जंग चलती रहती है। दिल्ली में जलभराव, बिजली की कटौती सहित तमाम मुद्दों पर दोनों दलों के नेता एक-दूसरे पर हमलावर रहते हैं।दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व पर सवाल खड़े हुए थे क्योंकि पार्टी ने चुनाव के दौरान ऐलान किया था कि दिल्ली की सत्ता में आने के बाद केजरीवाल फिर से मुख्यमंत्री होंगे लेकिन भाजपा ने बड़ी जीत दर्ज कर राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया था। विधानसभा चुनाव में हार के बाद अब आपा को एमसीडी में भी जोरदार झटका लगा है।

सोच-समझकर ...

उन्होंने कहा, क्या हम ऐसे देशों को सशक्त बना सकते हैं जो हमारे खिलाफ हैं? समय आ गया है कि हम सभी को आर्थिक राष्ट्रवाद के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने यह भी कहा कि हम अब ऐसे देशों की अर्थव्यवस्था को और मजबूत नहीं कर सकते जो संकट के समय भारत के खिलाफ खड़े होते हैं। उनका कहना था कि हर चीज को देशभक्ति के आधार पर देखना जरूरी है।तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन किया और भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों पर किए गए हमलों की आलोचना की। पाकिस्तान ने इस संघर्ष के दौरान तुर्की से मिले ड्रोन का इस्तेमाल किया। अजरबैजान ने भी पाकिस्तान को समर्थन दिया। इस पूरे घटनाक्रम को देखते हुए भारत में तुर्की और अजरबैजान के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं कि इन देशों से आयात और पर्यटन पर रोक लगाई जाए। आर्थिक राष्ट्रवाद का मतलब है कि हम उन उत्पादों और सेवाओं को अपनाएं जो देश में बनी हों और ऐसे देशों को आर्थिक लाभ न दें जो हमारे देश के खिलाफ काम करते हैं। उपराष्ट्रपति धनखड़ का यह बयान ऐसे समय आया है जब देश में लोगों के बीच यह भावना बढ़ रही है कि विदेशी नीति और व्यापार में राष्ट्रहित सबसे ऊपर होना चाहिए।

मानवता के ...

डॉलर से ज्यादा की। यह मजाक है क्या? पाकिस्तान की सेना तो हमेशा भारत के खिलाफ साजिश करती रहेगी। हम कब तक बर्दाश्त करते रहेंगे? ओवैसी ने पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए कहा, पाकिस्तान तो खुद भिखारी है, फिर हम उनके साथ व्यापार कैसे कर सकते हैं? उन्होंने अमेरिका से मांग की कि वो पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठन टीआरएफ को आधिकारिक रूप से आतंकी संगठन घोषित करे। ओवैसी ने यह भी कहा कि भारत को दुनिया में अपने नजरिए को मजबूती से रखना चाहिए।ओवैसी ने कहा, हम भारत की सरकार और देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हम दुनिया को बता रहे हैं कि कैसे हमारी बेटियां विधवा हो रही हैं, बच्चे अनाथ हो रहे हैं और पाकिस्तान हमारे देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, अगर भारत अस्थिर हुआ तो पूरी दुनिया पर असर पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि 21 आम नागरिकों की मौत हुई है, पुंछ में 4 बच्चों की जान गई, 5 जवान शहीद हुए। हम इन सब बातों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से रखेंगे और भारत सरकार की सोच को दुनिया के सामने प्रस्तुत करेंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 18 मई, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

गौ सेवा मित्र मंडल की श्री श्याम भजन संध्या आज

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गौ सेवा मित्र मंडल, रिकाबगंज द्वारा प्रति हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गौशाला में श्री श्याम बाबा का अनोखा दरबार सजेगा। इस संदर्भ में श्री श्याम बाबा का वार्षिकोत्सव रविवार दि. 18 मई 2025 को जियागुड़ा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में सायं 6:31 बजे से प्रभु इच्छा तक श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में उक्त कार्यक्रम के संदर्भ में मनोज अग्रवाल के निवास पर बैठक आयोजित की गई। जिसमें मंडल के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल एवं सदस्यों के बीच कार्यक्रम की व्यवस्था आदि को लेकर विचार-विमर्श किया गया। अवसर पर मनोज अग्रवाल ने बताया कि हर वर्ष की भांति, इस वर्ष भी वार्षिकोत्सव में विशेष आकर्षण के अंतर्गत पहली बार श्याम दरबार की सजावत अनोखे तारिके से जैसे गन्ना, सब्जियो एवं फलो से किया जाएगा। साथ ही साथ बाबा का अद्बुद्ध दरबार, आलौकिक श्रृंगार, छप्पन भोग, इत्र वर्षा, गौ माता के दर्शन आदि होंगे।

उक्त कार्यक्रम समर्थ कामधेनु गौशाला के प्रभुदाथ महाराजजी एवं श्याम मंदिर काचीगुड़ा के रामचरण महाराजजी के पावन सान्निध्य में होगा। भजन संध्या में मुंबई के योगेश दाधीच, हैदराबाद से संजय दाहिमा और अनुराग भूतड़ा भजन प्रस्तुत करेंगे। सभी धार्मिक संस्थाओं से ज्यादा से ज्यादा संख्या में उक्त कार्यक्रम में पधारकर पुण्य के भागी बनने का आग्रह किया गया।

बैठक में मंडल के सदस्य मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, प्रदीप मोर, यश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, रविंदर अग्रवाल, विजय अग्रवाल, सुनील जयलिया, अनिल विजयवर्गी, सचिन कनोडिया, श्याम अग्रवाल, नमन कनोडिया, प्रथम, राखी अग्रवाल, मीना अग्रवे एवं अन्य सदास्य उपस्तिथ रहे।

बिहार अग्रवाल संघ मैरिज ब्यूरो की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार अग्रवाल संघ मैरिज ब्यूरो की तीसरी बैठक शुक्रवार दि. 16/5/2025 को संयोजक रमेशजी बृजराजका के कार्यालय में सम्पन्न हुई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में संघ के सलाहकार सजन सराफ ने बताया कि ब्यूरो को मिले विवाह योग्य युवक- युवती के बायोडाटा पर विचार किया गया । अतः भविष्य में और बायोडाटा के लिए समाज के सभी वर्गों को इसकी जानकारी जिी जा सके उस पर विचार-विमर्श किया गया । अगली मैरिज ब्यूरो की बैठक आगामी रविवार दि. 25/05/2025 को दोपहर 12.30 रमेश बृजराजका के कार्यालय में करने का निर्णय लिया गया।

उक्त बैठक संयोजक रमेशजी बृजराजका, सहसंयोजक सजन सराफ़, नरेश बृजराजका, संतोष टांटीया, रमेश गोयल, विकास सराफ़ व अन्य उपस्थित थे ।

बजरंग सेना तेलंगाना का ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में तिरंगा यात्रा

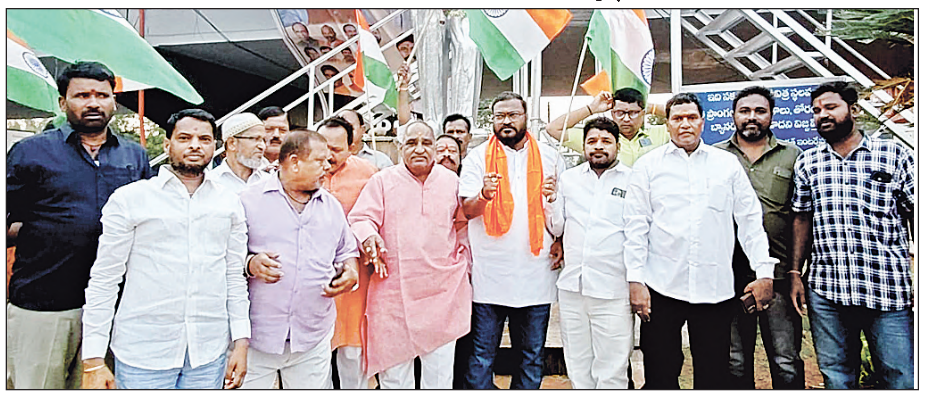

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शनिवार को बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन. आर. लक्ष्मण राव, ग्रेटर हैदराबाद के अध्यक्ष मनोज मोगलगिड्डी और शहर युवा सचिव नरेश के साथ पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक मिशन ऑपरेशन सिंदूर के सफल समापन के समर्थन में आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल हुए।

यात्रा में बजरंग सेना के सदस्यों और समर्थकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अटूट देशभक्ति और एकता का परिचय दिया। इस अवसर पर, पूर्व पार्षद वाई. कृष्णा के साथ टीम ने टैंक बंड में डॉ. बी.आर. अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्र के लिए उनकी विरासत और योगदान का सम्मान किया।

प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता कृष्ण गुप्ता भी तिरंगा यात्रा में शामिल हुए और इस अभियान के प्रति अपनी एकजुटता दिखाई।

कार्यक्रम का समापन देशभक्ति के नारों और राष्ट्रीय अखंडता और एकता को बनाए रखने की शपथ के साथ हुआ।

अभिनेत्री श्रावंती चोकारोपु ने प्रसिद्ध कौस्तभ ज़ेवर ज्वैलरी शोरूम के शुभारंभ की घोषणा की। कौस्तभ ज़ेवर अपने विशेष बेहतरीन हस्तनिर्मित आभूषणों के लिए प्रसिद्ध है। इस अवसर पर अभिनेत्री श्रावंती चोकारोपु, आभूषण प्रेमी, मॉडल ने कौस्तभ ज़ेवर के बेहतरीन हस्तनिर्मित आभूषणों का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कौस्तभ जेवर के राजेन्द्र खैतान, विनीता खैतान एवं अन्य उपस्थित थे।

जामबाग मंडल पार्षद राकेश जायसवाल ने पाकिस्तान का समर्थन करने पर तुर्की उत्पादों और तुर्की पर्यटन का बहिष्कार करने के लिए नामपल्ली स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय के पास तुर्की के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया।अवसर पर उन्होंने आह्वान किया कि हम भारत के हितों और मूल्यों की रक्षा के लिए एकजुट हों।कार्यक्रम में श्रीनिवास यादव, मयूर कालेकर, अनिल यादव, आनंद, राजकुमार, प्रवीण, जनार्दन, संदीप, रवि, अनिल यादव उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज तुरुप बाजार शाखा के चुनाव 28 को

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तुरुप बाजार शाखा की कार्यकारिणी की बैठक किशोर कुमार गुप्ता के कार्यालय में सम्पन्न हुई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार उक्त बैठक प्रवीण चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में महाराज श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना से प्रारंभ हुई। मानद मंत्री प्रदीप कुमार बंसल ने विगत 2 वर्षों की रिपोर्ट पेश की। बैठक में निर्णय लिया गया कि शाखा के चुनाव आगामी बुधवार दि. 28 मई को कराए जाएंगे ।

बैठक में केंद्रीय समिति सदस्य प्रफुल्ल चंद अग्रवाल, प्रवीन चंद्र अग्रवाल, प्रदीप कुमार बंसल, कमल कुमार अग्रवाल, सुनील कुमार अग्रवाल, मंजू गुप्ता, रमेश कुमार दोचनीया, अचल गुप्ता आदि उपस्थित थे। किशोर कुमार गुप्ता के धन्यवाद ज्ञापित किया।

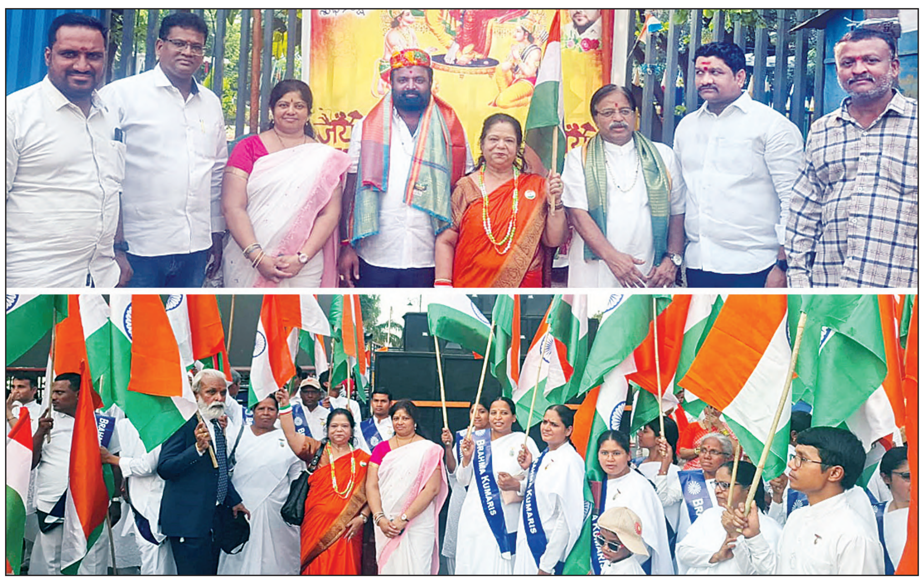

भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी को श्रद्धांजलि देने और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को उजागर करने के लिए शनिवार, 17 मई को टैंक बंड पर आयोजित एक विशाल तिरंगा रैली में भाग लेते हुए भाजपा नेता सपना गुप्ता, लक्ष्मी, दयानंद, महेश, नरेश, उमा, सीनू व अन्य।

तेलंगाना ने 2025-26 के लिए प्रथम कक्षा में प्रवेश के लिए मौजूदा आयु मानदंड को बरकरार रखा

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने घोषणा की है कि शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए प्रथम कक्षा में प्रवेश के लिए आयु मानदंड में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। जबकि केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कक्षा 1 में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु छह वर्ष से अधिक करने की सिफारिश की थी , राज्य ने पांच वर्ष से अधिक की अपनी मौजूदा नीति को जारी रखने का विकल्प चुना है ।

सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों में राज्य के वार्षिक 'बड़ी बात' (प्रवेश अभियान) के हिस्से के रूप में , स्कूल शिक्षा विभाग के निदेशक ईवी नरसिम्हा रेड्डी ने पांच वर्ष और उससे अधिक उम्र के बच्चों को कक्षा एक में दाखिला देने के स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। स्कूलों को 6 जून से शुरू होने वाली प्रवेश प्रक्रिया के दौरान आंगनवाड़ी और आसपास के समुदायों के पात्र बच्चों को शामिल करने के लिए कहा गया है ।

कुछ निजी स्कूलों, विशेष रूप से सीबीएसई और अंतर्राष्ट्रीय बोर्ड से संबद्ध स्कूलों ने पहले ही केंद्र सरकार के परामर्श को लागू कर दिया है, जिसके तहत कक्षा एक में केवल छह वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को ही प्रवेश दिया जाएगा। हालांकि, तेलंगाना के सरकारी स्कूल आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए इस बदलाव को नहीं अपनाएंगे।

सरकारी स्कूलों में बच्चों के प्रवेश को सुचारू बनाने के लिए शिक्षकों को स्वयं सहायता समूहों, आंगनवाड़ी शिक्षकों, माताओं की समितियों, युवाओं और स्थानीय नेताओं के साथ जुड़ने का निर्देश दिया गया है । अभिभावकों के बीच जागरूकता फैलाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बुनियादी शिक्षा को बढ़ाने के लिए विभाग शिक्षकों को माता-पिता को एआई-एकीकृत शिक्षण प्लेटफार्मों के बारे में सूचित करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। ये प्लेटफ़ॉर्म तेलुगु, अंग्रेजी और गणित में व्यक्तिगत सामग्री प्रदान करेंगे , जिसका उद्देश्य शुरुआती शिक्षार्थियों के बीच पढ़ने और संख्यात्मक कौशल को बढ़ावा देना है।

यह निर्णय प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए तेलंगाना की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, साथ ही राष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप भविष्य में बदलाव के लिए प्रणाली तैयार करता है।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को उजागर करने के लिए शनिवार को टैंक बंड में आयोजित विशाल तिरंगा रैली में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी के साथ भाग लेती हुईं समाज सेवी पूजा गुप्ता एवं अन्य।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को उजागर करने के लिए तिरंगा रैली में भाग लेते हुए पार्षद बी. दर्शन, लाल सिंह एवं अन्य।

मिस वर्ल्ड स्पोर्ट्स डे-2025 का आयोजन

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऐतिहासिक हैदराबाद शहर ने बहुप्रतीक्षित मिस वर्ल्ड स्पोर्ट्स डे 2025 के दौरान गच्चीबावली इंडोर स्टेडियम में दुनिया का खुले दिल से स्वागत किया। सुबह की हवा उत्साह और सांस्कृतिक गौरव से गूंज उठी, क्योंकि विभिन्न महाद्वीपों से आए प्रतियोगी न केवल प्रतिस्पर्धा में, बल्कि भावना, लचीलापन और बहनचारे के जश्न में एकजुट हुए। उत्सव की शुरुआत दीक्षा डांस स्टूडियो द्वारा एक जीवंत फ्लैश मॉब प्रदर्शन के साथ हुई, जिसने दिन के लिए एक विद्युतीकरण स्वर स्थापित किया। हाइड्रेशन ज़ोन और वार्म-अप क्षेत्रों के खुलने के साथ ही प्रतियोगियों का गर्मजोशी और उत्साह के साथ स्वागत किया गया, जिससे वे एक शानदार दिन के लिए तैयार हो गए। प्रतियोगिता शुरू होने से पहले, दर्शकों को सांस्कृतिक प्रदर्शनों की एक आकर्षक श्रृंखला देखने को मिली। राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता ऋषभ घुबड़े और सानवी वैभव देसाई सहित मल्लखंब एथलीटों की कृपा और शक्ति ने अपने विस्मयकारी पोल और रस्सी कलाबाजी से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद चैंपियन निशका अग्रवाल और सुरभि प्रसन्ना ने जिमनास्टिक का बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिसने एथलेटिकिज्म के लिए एक उच्च मानक स्थापित किया।

गुरु के. दत्तात्रेय और उनकी टीम द्वारा एक भावपूर्ण कलात्मक योग अनुक्रम, और गुरु सपम इनाओबी सिंह के नेतृत्व में मणिपुर से एक शक्तिशाली थांग-ता मार्शल आर्ट प्रदर्शन ने भारतीय विरासत को और भी आगे बढ़ाया। अनूप कुमार यम की रोलर-स्केटिंग मंडली की कलात्मकता ने खेल को और भी आकर्षक बना दिया, जबकि ईशा फाउंडेशन के योग नमस्कार सत्र ने खेल शुरू होने से पहले प्रतिभागियों को सचेत रहने के लिए प्रेरित किया। माननीय निषेध और उत्पाद शुल्क, पर्यटन, संस्कृति और पुरातत्व मंत्री श्री जुपल्ली कृष्ण राव ने तालियों की गड़गड़ाहट और राष्ट्रगान की गूँज के बीच आधिकारिक तौर पर खेल दिवस की शुरुआत की घोषणा करते हुए औपचारिक मशाल प्रज्वलित की। लेकिन यह दिन केवल भव्यता के बारे में नहीं था - यह धीरज, चपलता और वैश्विक भावना के बारे में भी था।

अमेरिका और कैरिबियन, अफ्रीका, यूरोप और एशिया और ओशिनिया का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों ने बैडमिंटन नॉकआउट, शॉट पुट और फुटबॉल पेनल्टी शूटआउट से लेकर शतरंज और एड्रेनालाईन-पंपिंग बास्केटबॉल प्रयासों में दिमागी लड़ाई तक कई रोमांचक स्पर्धाओं में भाग लिया।एक दिल दहला देने वाली शटल फिटनेस रन ने प्रत्येक टीम की तालमेल और सहनशक्ति का परीक्षण किया, जबकि बैडमिंटन फाइनल और कबड्डी के एक आश्चर्यजनक दौर ने उत्साही भीड़ को उत्साहित किया। दो लैप को कवर करने वाली एक रोमांचक स्प्रिंट रिले ने ग्रैंड फिनाले से पहले एथलेटिक उत्कृष्टता का एक अंतिम प्रदर्शन दिया।जैसे-जैसे घड़ी दोपहर के करीब आ रही थी, एक पेशेवर प्रशिक्षक के नेतृत्व में एक उत्साही जुम्बा सत्र ने सभी को अपने पैरों पर खड़ा कर दिया। प्रतियोगियों ने खुशी, गर्व और एकता के साथ नृत्य किया - दिन को हंसी और लय के साथ समाप्त किया।समापन में, सभी प्रतियोगी एक समूह फोटो और पदक/टोकन वितरण के लिए एकत्र हुए, अपनी खेल यात्रा की एक कालातीत स्मृति को संजोए हुए।

मिस वर्ल्ड 2025 : रविवार के उत्सव के लिए यातायात में बदलाव

कोत्तागुडेम, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद यातायात पुलिस ने मिस वर्ल्ड प्रतियोगियों के डॉ. बीआर अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय के दौरे और रविवार को टैंक बंड में होने वाले कार्निवल कार्यक्रम के संबंध में यातायात सलाह जारी की है।अपेक्षित भीड़ को प्रबंधित करने तथा सुचारू आवागमन सुनिश्चित करने के लिए, अपराह्न 3 बजे से रात्रि 10 बजे के बीच आवश्यकतानुसार यातायात डायवर्जन लागू किया जाएगा।

डायवर्जन पॉइंट और बचने योग्य मार्ग-

अम्बेडकर प्रतिमा जंक्शन : सचिवालय जंक्शन से आने वाले वाहनों को अपर टैंक बंड की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उन्हें लिबर्टी की ओर पुनः निर्देशित किया जाएगा।

लिबर्टी से अपर टैंक बंड : यातायात को तेलुगू थल्ली फ्लाईओवर के माध्यम से डायवर्ट किया जाएगा। सेलिंग क्लब : कर्बला मैदान से अपर टैंक बंड की ओर जाने वाले यातायात को सेलिंग क्लब जंक्शन से कवाडीगुडा की ओर मोड़ दिया जाएगा।डीबीआर मिल्स : डीबीआर मिल्स से अपर टैंक बंड की ओर आने वाले वाहनों को डीबीआर मिल्स से गोशाला-कवडीगुडा की ओर मोड़ दिया जाएगा।कार्निवल में भाग लेने वाले लोगों और प्रतिभागियों की सुविधा के लिए निम्नलिखित पार्किंग स्थान निर्धारित किए गए हैं: एनटीआर स्टेडियम, पुरानी अंबेडकर प्रतिमा से लेपाक्षी तक सड़क के एक तरफ पार्किंग, सेलिंग क्लब से चिल्ड्रन पार्क तक सड़क के एक तरफ पार्किंग, बुद्ध भवन से पीवी मार्ग तक एक तरफ की सड़क पार्किंग।यातायात पुलिस ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे डायवर्जन पर ध्यान दें और भीड़भाड़ वाले स्थानों से बचें। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे बिना देरी किए अपने गंतव्य तक पहुँचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

नामपल्ली में 520 परिवारों को 2बीएचके मिले, 73 ब्लॉकों में 1,800 और मिलेंगे : पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद कलेक्ट्रेट में एक महत्वपूर्ण आवास आवंटन समारोह आयोजित किया गया, जहाँ नामपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के भोजगुट्टा में 2बीएचके आवास योजना के तहत 520 लाभार्थियों को उनके आवास आवंटन पत्र प्राप्त हुए। तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और यादृच्छिक चयन प्रक्रिया के बाद व्यक्तिगत रूप से दस्तावेज वितरित किए।

इस कार्यक्रम में नामपल्ली के विधायक माजिद हुसैन, हैदराबाद के मेयर गडवाल विजयालक्ष्मी, राज्यसभा सांसद अनिल कुमार यादव और डिप्टी मेयर मोथे श्रीलता शोभन रेड्डी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मंत्री पोन्नम ने सभी लाभार्थियों को बधाई दी और इस बात पर जोर दिया कि मकानों का आवंटन पूरी तरह से यादृच्छिकीकरण प्रक्रिया के बाद पात्रता श्रेणियों के आधार पर किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सरकार 73 ब्लॉकों में घरों का पूर्ण पैमाने पर निर्माण सुनिश्चित करेगी, जिससे छह महीने के भीतर 1,800 लोगों को लाभ मिलेगा।

उन्होंने स्थानीय विधायक और जनता से आवास निर्माण प्रक्रिया में तेजी लाने में सहयोग करने का आग्रह किया और गलत सूचना फैलाने या परियोजना को रोकने का प्रयास करने के खिलाफ चेतावनी दी।

मंत्री ने लाभार्थियों के बीच उनके आवंटन के बारे में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि मकानों का निर्माण पूरा करने की जिम्मेदारी पूरी तरह से सरकार की है।

विधायक माजिद हुसैन ने युवक की मौत के बाद दत्तात्रेय कॉलोनी के पास शराब की दुकानें बंद करने की मांग की

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नामपल्ली विधायक और एआईएमआईएम नेता माजिद हुसैन, दत्तात्रेय कॉलोनी के चिंतित निवासियों और कॉलोनी एसोसिएशन के अध्यक्ष के साथ, आवासीय क्षेत्र के पास शराब की दुकानों और बार को हटाने की मांग को लेकर मद्य निषेध और आबकारी आयुक्त सी. हरि किरण, आईएएस से मिले।

यह कदम 11 मई, 2025 को हुई एक दुखद घटना के बाद उठाया गया है, जिसमें एक स्थानीय युवक मोहम्मद ज़मीर की कथित लापरवाही के कारण चंद्रा वाइन्स (जो अब एसवी वाइन्स के रूप में संचालित है) में मृत्यु हो गई थी।

प्रतिनिधिमंडल ने आयुक्त को एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा, जिसमें इन प्रतिष्ठानों की मौजूदगी के कारण होने वाली कई समस्याओं का हवाला दिया गया। हाल ही में हुई जानलेवा घटना के अलावा, निवासियों ने नशे में धुत व्यक्तियों द्वारा नियमित रूप से उपद्रव करने, यातायात की बढ़ती भीड़ और निजी संपत्ति में घुसपैठ के लगातार मामलों की शिकायत की।कॉलोनी एसोसिएशन के अनुसार, क्षेत्र की शांति लगातार भंग हो रही है, तथा शराब की दुकानों पर अक्सर आने वाले व्यक्तियों के उपद्रवी व्यवहार के कारण परिवार, विशेषकर महिलाएं और बच्चे, असुरक्षित महसूस करते हैं।आयुक्त हरि किरण ने प्रतिनिधिमंडल को उनकी चिंताओं का त्वरित और वैध समाधान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विभाग इन दुकानों को जारी किए गए लाइसेंसों से जुड़ी कानूनी बातों पर गौर करेगा और उन्हें आवासीय क्षेत्रों से दूर स्थानांतरित करने की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करेगा।निवासियों ने उम्मीद जताई कि उनकी याचिका पर ठोस कार्रवाई होगी। निवासियों में से एक ने कहा, हम व्यापार के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन अपने बच्चों की सुरक्षा की कीमत पर नहीं। कई लोगों ने ज़मीर की मौत की पूरी जांच और आगे की घटनाओं को रोकने के लिए एसवी वाइन को तुरंत बंद करने की मांग की। विधायक माजिद हुसैन ने निवासियों के साथ खड़े रहने तथा उनकी शिकायतों का उचित माध्यम से समाधान सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ तेलंगाना में राज्यव्यापी विरोध की घोषणा की

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) वक्फ अधिनियम में हालिया संशोधनों के खिलाफ तेलंगाना भर में कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन करेगा , उन्हें भेदभावपूर्ण और भारत के संविधान में निहित मौलिक अधिकारों का उल्लंघन कहा जाएगा।शनिवार को जारी एक बयान में बोर्ड ने कहा, वक्फ अधिनियम में संशोधन भेदभावपूर्ण है, भारत के संविधान में निहित मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है और मुस्लिम वक्फ संपत्तियों को हड़पने और नष्ट करने की साजिश का हिस्सा है।बोर्ड ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी ने अपनी संख्या बल का उपयोग करते हुए देश के लाखों मुसलमानों, अल्पसंख्यकों और न्यायप्रिय नागरिकों की इच्छा के विरुद्ध वक्फ अधिनियम में मनमाने संशोधन पारित किए हैं।

बयान में कहा गया है, ये संशोधन न केवल संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 25, 26 और 29 का उल्लंघन करते हैं, बल्कि वक्फ संपत्ति प्रशासन पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने की सरकार की मंशा को भी उजागर करते हैं।एआईएमपीएलबी के अनुसार , संशोधित कानून मुस्लिम समुदाय को अपने धार्मिक बंदोबस्त के प्रबंधन के अधिकार से वंचित करता है, और केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों के सदस्यों की चयन प्रक्रिया में बदलाव उनकी स्वायत्तता को और कमजोर करता है।

बोर्ड ने वागीफ (दानकर्ता) के लिए पांच साल तक प्रैक्टिसिंग मुस्लिम होने की नई शर्त पर भी आपत्ति जताई और कहा कि यह भारतीय संवैधानिक सिद्धांतों और इस्लामी शरिया दोनों के साथ असंगत है ।

इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि अन्य धार्मिक समुदाय जैसे हिंदू, सिख, ईसाई, जैन और बौद्ध अपनी धार्मिक संपत्तियों पर सुरक्षा बनाए रखते हैं, जबकि मुसलमानों को समान अधिकारों से वंचित किया जा रहा है।एआईएमपीएलबी ने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को मौखिक और लिखित दोनों तरह की आपत्तियां सौंपी गई थीं और करीब 50 मिलियन मुसलमानों ने जेपीसी चेयरमैन को ईमेल भेजकर संशोधनों को खारिज कर दिया था। हालांकि, बोर्ड ने आरोप लगाया कि इन आपत्तियों को नजरअंदाज कर दिया गया।बोर्ड ने कहा, अंतिम उपाय के रूप में हमने इन संशोधनों को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी है और अब हम इस मुद्दे को जनता की अदालत में भी ले जा रहे हैं।बोर्ड ने तीन महीने के शांतिपूर्ण राष्ट्रव्यापी अभियान की घोषणा की है, जिसकी शुरुआत तेलंगाना में राज्यव्यापी कार्यक्रम से होगी ।

इसने कहा कि यह अभियान संवैधानिक और कानूनी ढांचे के भीतर चलाया जाएगा, जिसमें धार्मिक नेताओं, राजनीतिक हस्तियों, नागरिक समाज के सदस्यों और अल्पसंख्यक समुदायों की भागीदारी होगी।25 अप्रैल को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपना प्रारंभिक हलफनामा दायर किया, जिसमें वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने की मांग की गई, क्योंकि इसमें कहा गया था कि यह कानून संविधान के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं करता है

सार्वजनिक सूचना

जनसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल म.नं.8-3-1055, प्लॉट नं.139, जिसका माप 877 वर्ग गज या 733 वर्ग मीटर है, भूमि तल 2370 वर्ग फीट और प्रथम तल 2370 वर्ग फीट के आरसीसी ढांचे के साथ, भूमि के सभी टुकड़े और पार्सल सहित जो एपी सरकार राजपत्रित अधिकारी सहकारी हाउस बिल्डिंग सोसाइटी, येलारेड्डीगुडा, श्रीनगर कॉलोनी, हैदराबाद, तेलंगाना में स्थित है, को उसके वैध मालिकों **1) श्री रेड्डी वीआर किरण, 2) श्रीमती ज्योत्सना नरला, 3) श्रीमती कोका जानकी स्वर्ण लता से,** सभी **स्व. श्री रेड्डी सत्यनारायण मूर्ति और श्रीमती रेड्डी भास्करम्मा** के कानूनी उत्तराधिकारी हैं से खरीदने के इच्छुक हैं। अगर किसी व्यक्ति (व्यक्तियों) को उपरोक्त संपत्तियों पर कोई अधिकार, हित या दावा हो तो वह सम्बद्ध दस्तावेजों के साथ इस प्रकाशन तिथि से सात (07) दिनों के भीतर अध-ोहस्ताक्षरी से सम्पर्क करें, अन्यथा बिक्री दस्तावेज क्रियान्वित कर लिया जाएगा और उसके बाद यदि कोई आपत्तियां प्राप्त होती हैं, तो उन पर विचार नहीं किया जाएगा एवं उन्हें स्वेच्छा से छोड़ दिया गया माना जाएगा।

हस्ता/- **अक्षत संघी और प्रणीता संघी**
एडवोकेट्स,
फ्लैट नंबर 302, वंश टावर्स,
तीसरी मंजिल, महेश नगर कॉलोनी,
चिराग अली लेन, हैदराबाद - 500 001
सेल नंबर: 09963 102934

झील में मिट्टी डालने पर जेल जाना पड़ेगा

हाइड्रा की कार्रवाई बिल्डरों और ट्रांसपोर्टरों को चेतावनी

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद झील संरक्षण एवं विनियमन प्राधिकरण (हाइड्रा) ने शहर की झीलों में मिट्टी और निर्माण मलबे के अवैध डंपिंग के बारे में रियल एस्टेट डेवलपर्स और ट्रांसपोर्टरों को कड़ी चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्वामित्व के दावों की परवाह किए बिना 'शिकम' भूमि (झील के किनारे के क्षेत्र) को भी कार्रवाई से छूट नहीं दी जाएगी।

शनिवार को रियल एस्टेट कंपनियों, बिल्डरों, ट्रांसपोर्टरों और एसोसिएशन प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में हाइड्रा ने प्रमुख दिशा-निर्देश जारी किए। आयुक्त एवी रंगनाथ ने प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में झील संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने सुझाव दिया कि बिल्डर और ट्रांसपोर्टर पहले से ही समन्वय कर लें और स्वीकृत डंपिंग साइट पर सहमति बना लें। ठेकेदारों को दोषी ठहराना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा - अगर कोई ठेकेदार अवैध रूप से मिट्टी डंप करता है, तो न केवल ड्राइवर और वाहन मालिक के खिलाफ बल्कि जिम्मेदार बिल्डर के खिलाफ भी आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा।हाइड्रा ने चेतावनी दी है कि परिवहन लागत बचाने के लिए झीलों के पास मिट्टी डालने वाले ट्रकों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इसमें शामिल वाहन - जिसमें लॉरी, टिपर, ट्रैक्टर और जेसीबी शामिल हैं - को जब्त किया जा सकता है। इसमें शामिल सभी पक्षों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा, जिसमें वह बिल्डर भी शामिल है जिसकी साइट से मिट्टी आई थी।

एजेंसी ने यह भी स्पष्ट किया कि भले ही मिट्टी 'शिकम' भूमि पर डाली गई हो, लेकिन यह दंडनीय अपराध है। एक समर्पित हाइड्रा पुलिस स्टेशन स्थापित किया गया है, और झील से संबंधित नियमों के उल्लंघन के लिए वहां मामला दर्ज किया जाएगा। हाइड्रा ने उल्लंघनों का पता लगाने के लिए झीलों के आसपास चौबीसों घंटे निगरानी स्थापित की है। नागरिकों से अवैध डंपिंग की घटनाओं की सक्रिय रूप से रिपोर्ट करने का आग्रह किया गया है। ऐसी गतिविधियों की रिपोर्ट करने के लिए एक समर्पित हेल्पलाइन - 9000113667 - शुरू की गई है। इसके अतिरिक्त, हाइड्रा ने लोगों को अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल के माध्यम से ट्रकों, टिपरों या जेसीबी द्वारा मिट्टी गिराने के वीडियो जैसे सबूत प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया ।हाइड्रा ने निवासियों के कल्याण संघों, कॉलेज के छात्रों और गैर सरकारी संगठनों से हैदराबाद की झीलों की रक्षा के मिशन में हाथ मिलाने की अपील की। संगठन ने जोर देकर कहा कि दीर्घकालिक पारिस्थितिक संरक्षण सुनिश्चित करने में सामुदायिक भागीदारी महत्वपूर्ण है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, Service No.JC 333163M Sub CHITTI BABU DHARA, R/o.CWE (AF) Secunderabad -500009 Telangana hereby state that my son name is to be changed from DHARA KUSHAL VARDHAN to KUSHAL VARDHAN DHARA.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Army No.15815593X L/Nk SHRI JAVAR SINGH of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name and DOB is to be changed from ANU BHAI, DOB:10-4-1964 to ANAND BAI, DOB:01-01-1956.

CHANGE OF NAME

I, Chandaluri Padmavathi, spouse of Army No.15208631N, Rank: Hav, Name: Mr Chandaruli Hari Prasad Presently residing at Vill & Post-Kakarla, Teh- Ardhaveedu, Distt-Prakasam, State- Andhra Pradesh & PIN- 523333 have changed my name from S. Padmavathi to Chandaluri Padmavathi vide Affidavit signed by Advocate & Notary D.J. Prathibha, B.A.,LL.B on 23-4-2025

CHANGE OF NAME

I, Army No.15208631N, Rank: Hav, Name: Chandaluri Hariprasad R/o.Vill & Post- Kakarla, Teh-Ardhaveedu, Distt- Prakasam, State-Andhra Pradesh & PIN- 523333 have changed my daughter name from ANJALI to CHANDALURI ANJALI vide Affidavit signed by Advocate & Notary D.J. Prathibha, B.A.,LL.B on 17-3-2025

दमरे के आरपीएफ साइबर सेल ने एक महीने में 123 गुम फोन शिकायतों का निपटारा किया

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे (एस-सीआर) आरपीएफ साइबर सेल ने पिछले एक महीने में पूरे जोन में कुल 123 मोबाइल फोन गुम होने की शिकायतें प्राप्त की हैं और उनका निपटारा किया है। रेलवे सुरक्षा बल ने खोए हुए मोबाइल फोन का पता लगाने और उन्हें वापस पाने के लिए डिजिटल उपकरणों का प्रभावी ढंग से लाभ उठाकर 'ऑपरेशन अमानत' के तहत अपने प्रयासों को तेज कर दिया है। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि इस साल अप्रैल में आरपीएफ साइबर सेल को सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल तक पहुंच प्रदान की गई थी। आरपीएफ को खोए हुए उपकरणों की बरामदगी की सुविधा तभी दी जाती है जब घटना की रिपोर्ट 'रेल मदद' ऐप के माध्यम से की जाती है और उसे पंजीकृत किया जाता है, और मामले में शिकायतकर्ताओं द्वारा कोई एफआईआर दर्ज नहीं की जाती है।

दूरसंचार विभाग द्वारा विकसित सीईआईआर पोर्टल, खोए या चोरी हुए उपकरणों की आईएमईआई-आधारित ट्रैकिंग और ब्लॉकिंग को सक्षम बनाता है। हालांकि, यह आरपीएफ का समर्पित साइबर सेल है जो पूरे जोन में रिकवरी ऑपरेशन चला रहा है। पहली शिकायत विजयवाड़ा डिवीजन से दर्ज की गई थी। तब से, आरपीएफ साइबर सेल ने पूरे जोन में कुल 123 शिकायतों को संभाला है। इसके अलावा, साइबर सेल वर्तमान में ट्रेस किए गए मोबाइल फोन रखने वाले तीन उपयोगकर्ताओं के साथ समन्वय कर रहा है, जिनमें से सभी ने सप्ताह के भीतर डिवाइस वापस करने पर सहमति व्यक्त की है। इन प्रयासों को संरचित अनुवर्ती और प्रत्यक्ष उपयोगकर्ता जुड़ाव द्वारा समर्थित किया जाता है, जो आरपीएफ के सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाता है। रेलवे अधिकारियों ने कहा, यात्री कल्याण पर मजबूत ध्यान देने के साथ, आरपीएफ साइबर सेल डिजिटल खुफिया जानकारी, समय पर कार्रवाई और अंतर-एजेंसी सहयोग के माध्यम से चोरी या गुम हुई संपत्ति को वापस पाने में एक प्रमुख शक्ति बन गई है।

मीरपेट पार्क में लोहे की रॉड पर गिरने से 5 वर्षीय बच्चे की मौत

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के मीरपेट इलाके में एक दुखद घटना घटी, जहां एक सार्वजनिक पार्क में गिरने से गंभीर रूप से घायल होने के कारण 5 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। निखिल नामक बच्चा आउटडोर जिम के झूले पर खेल रहा था, तभी वह गलती से लोहे की छड़ पर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, निखिल नाम का यह लड़का अपने माता-पिता प्रसाद और वाणी के साथ मीरपेट पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत जेललगुडा के पास स्थित दसारी नारायण राव कॉलोनी में रहता था । घटना के दिन, निखिल अपने पड़ोस के दोस्तों के साथ मंत्राला झील के पास एक खुले जिम पार्क में खेलने गया था , जहाँ स्थानीय बच्चे अक्सर आते-जाते थे।

वह एक एयर स्विंग पर खेल रहे थे - जो एक प्रकार का फिटनेस उपकरण है - जब वह गलती से फिसल गए और सीधे एक खुली लोहे की छड़ पर गिर गए ।स्थानीय निवासियों ने निखिल के गिरने की घटना को तुरंत देखा और उसके माता-पिता को इसकी सूचना दी। उसे पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया , लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया । बताया जा रहा है कि गिरने के कारण लड़के को गहरी अंदरूनी चोटें आई हैं।

निखिल के पिता प्रसाद ने पार्क सुरक्षा उपायों में लापरवाही का आरोप लगाते हुए मीरपेट पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है । शिकायत के बाद, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है कि क्या नगर निगम की लापरवाही या सुरक्षा प्रोटोकॉल की कमी के कारण यह दुखद मौत हुई।

अधिकारी यह भी समीक्षा कर रहे हैं कि जिम उपकरण और आसपास की संरचनाएं बाल सुरक्षा मानकों के अनुरूप हैं या नहीं।इस घटना ने स्थानीय निवासियों में चिंता पैदा कर दी है, जिनमें से कई अब अपने बच्चों को खराब रखरखाव वाले उपकरणों वाले सार्वजनिक पार्कों में भेजने से डरते हैं। कई परिवारों ने मांग की है कि अधिकारी बच्चों के सभी खेल के मैदानों का निरीक्षण करें और भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल में सुधार करें ।

आंध्र प्रदेश में सड़क हादसे में तीन की मौत, दो घायल

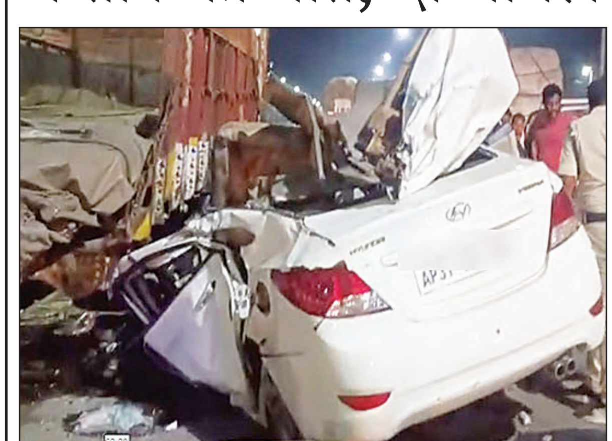

काकीनाडा, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) । आंध्र प्रदेश में काकीनाड़ा से 55 किलोमीटर दूर तुनी मंडल में वेलमपेटा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को तड़के एक कार अनियंत्रित होकर खड़ी लॉरी से टकरा गई, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि कार में सवार सभी पांच लोग अपोलो फार्मेसी के मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव हैं और एक सम्मेलन में भाग लेने के बाद विशाखापत्तनम से राजमुंदरी लौट रहे थे। तुनी ग्रामीण पुलिस ने इस सिलसिले में मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए तुनी के सरकारी अस्पताल में भेज दिया है। घायलों को काकीनाडा के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों के नाम शेख हजरत अली, गेद्दाम रामराजू और वरदी सुधीर बताए गए हैं। ये सभी राजमुंदरी के रहने वाले थे।

वाईएसआरसीपी सांसद मदिला गुरुमूर्ति ने शराब घोटाले के आरोपों की निंदा की

ताड़ेपल्ली (आंध्र प्रदेश), 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सांसद मदिला गुरुमूर्ति ने शनिवार को शराब घोटाले के आरोपों की निंदा करते हुए उन्हें झूठा और राजनीति से प्रेरित बताया।एक तीखे बयान में सांसद ने आंध्र प्रदेश की टीडीपी सरकार पर वाईएसआरसीपी के पूर्व अधिकारियों को निशाना बनाने तथा विपक्षी नेताओं की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए प्रतिशोध की भावना से एक अभियान चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्होंने मनगढ़ंत मामले, जबरन स्वीकारोक्ति तथा मीडिया हेरफेर का सहारा लिया।गुरुमूर्ति ने कहा कि वर्तमान सरकार 2014 और 2019 के बीच मुख्यमंत्री के रूप में नायडू के पिछले कार्यकाल के दौरान हुए कथित शराब घोटाले की अनदेखी करते हुए पिछले पदाधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू करने के लिए लाल किताब संविधान जैसे तंत्र का दुरुपयोग कर रही है । उस अवधि के सीआईडी और एसीबी दस्तावेजों का हवाला देते हुए, वाईएसआरसीपी सांसद ने कहा कि एक एफआईआर में नायडू को आरोपी नंबर 3 के रूप में नामित किया गया था, जिसमें उनके तत्कालीन आबकारी मंत्री कोल्लू रवींद्र और आबकारी आयुक्त को प्राथमिक आरोपी के रूप में सूचीबद्ध किया गया था।उन्होंने कहा, अदालत द्वारा अधिकृत जांच के बावजूद चंद्रबाबू के सत्ता में लौटने के बाद से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। मामले को बस दबा दिया गया है।गुरुमूर्ति ने आरोप लगाया कि पिछली टीडीपी सरकार के दौरान 2012 की आबकारी नीति में किए गए बड़े संशोधनों से पार्टी नेताओं से जुड़ी डिस्टिलरीज को फायदा हुआ - जिसमें एसपीवाई एग्रो, विशाखा डिस्टिलरी और पीएमके डिस्टिलरी शामिल हैं - जिससे उन्हें करों से बचने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि इन बदलावों से राज्य के खजाने को सालाना 1,300 करोड़ रुपये का अनुमानित नुकसान हुआ। उन्होंने उन दस्तावेजों का भी हवाला दिया, जिनसे पता चलता है कि विशेषाधिकार शुल्क बढ़ाने की सिफारिशों को वापस ले लिया गया था, आधिकारिक पत्राचार से नायडू के कार्यालय से मंजूरी मिलने का संकेत मिलता है।

वाईएसआरसीपी ने मौजूदा सरकार पर बेवरेजेज कॉरपोरेशन के पूर्व प्रबंध निदेशक वासुदेव रेड्डी जैसे पूर्व अधिकारियों से बयान लेने के लिए जबरदस्ती करने का आरोप लगाया, जबकि उन्हें चार मामलों में अग्रिम जमानत मिल चुकी है। गुरुमूर्ति ने आरोप लगाया, निचले स्तर के कर्मचारियों को भी हिरासत में लिया गया और उन पर झूठी गवाही देने का दबाव बनाया गया।वाईएसआरसीपी शासन के दौरान खरीद प्रथाओं का बचाव करते हुए , पार्टी ने कहा कि सभी लेन-देन बैंक चैनलों के माध्यम से किए गए थे और इसमें चंद्रबाबू के पिछले कार्यकाल के दौरान सूचीबद्ध आपूर्तिकर्ता शामिल थे। सांसद ने कहा, वाईएसआरसीपी के शासन के दौरान आबकारी विभाग की कोई भी शराब की फाइल मुख्यमंत्री कार्यालय तक नहीं पहुंची। बयान के अनुसार, उन्होंने मौजूदा सरकार के पाखंड पर भी निशाना साधा और 2024 के चुनावों से पहले सस्ती शराब उपलब्ध कराने के अधूरे वादों की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, कीमतें कम करने के बजाय उन्हें बढ़ा दिया गया। टेंडर प्रक्रियाओं में हेराफेरी की गई और कमीशन वसूला गया, जबकि पूरे राज्य में बेल्ट शॉप्स की भरमार हो गई।सांसद ने दावा किया कि आज शराब की 80 प्रतिशत से अधिक बिक्री कम कीमत वाले ब्रांडों से होती है, जिन्हें वर्तमान सरकार द्वारा आक्रामक तरीके से बढ़ावा दिया जाता है। उन्होंने मैन्युअल ऑर्डरिंग सिस्टम पर ध्यान केंद्रित करने पर भी सवाल उठाया, यह देखते हुए कि पिछली सरकार के डिजिटल रिकॉर्ड भी कुछ डिस्टिलरी के बीच ऑर्डरों का संकेंद्रण दिखाते हैं - कथित तौर पर टीडीपी से जुड़ी फर्मों के पक्ष में।गुरुमूर्ति ने निष्कर्ष देते हुए कहा, नायडू के कार्यकाल के दौरान विशेषाधिकार शुल्क समाप्त करने के कारण 1,300 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान का दस्तावेजीकरण करने के बजाय , वर्तमान सरकार विरोधियों को बदनाम करने के लिए नए मामले गढ़ रही है। उन्होंने वर्तमान जांच को राजनीतिक हिसाब चुकता करने के लिए ध्यान भटकाने की रणनीति बताया।

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में खदान में विस्फोट से तीन लोगों की मौत

श्रीकाकुलम (आंध्र प्रदेश) 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीकाकुलम जिले के मेलियापुट्टी मंडल से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है , जहां तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। यह घटना 16 मई की देर रात दीनबंधुपुरम गांव के पास एक खदान स्थल पर हुई।पुलिस के अनुसार, ऐसा माना जा रहा है कि तीनों व्यक्तियों की मौत साइट पर काम करते समय खदान में हुए विस्फोट में हुई।मृतकों की पहचान तमिलनाडु के मूल निवासी पुंगावेणु अरुगम (45), तेक्काली मंडल के पोलावरम गांव के तिरलंगी रामाराव (40) और बदाबंदु अप्पन्ना (35) के रूप में की गई है।मेलियापुट्टी के सब-इंस्पेक्टर रमेश ने कहा, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि खदान स्थल पर चट्टान विस्फोट की घटना के कारण मौतें हुईं। विस्तृत जांच चल रही है और जांच पूरी होने के बाद आगे की जानकारी साझा की जाएगी।इस बीच, एक अन्य घटना में, श्रीकाकुलम जिले के सिंगुपुरम राजमार्ग पर कई वाहनों की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए।दुर्घटना उस समय हुई जब ओडिशा के कोरापुट से ब्रह्मपुर जा रही कंभेश्वरी ट्रैवल्स की एक निजी बस आगे चल रही एक लॉरी से टकरा गई।श्रीकाकुलम ग्रामीण स्टेशन इंस्पेक्टर जयराम के अनुसार , बस आगे चल रही एक लॉरी से टकरा गई। टक्कर के कारण बस चालक समेत आठ लोग घायल हो गए।

आंध्र प्रदेश: नेल्लोर के पेल्लाकुरु कॉलोनी में स्क्रैप फैक्ट्री में लगी आग

नेल्लोर (आंध्र प्रदेश) 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नेल्लोर जिले के कोवूर में पेल्लकुरु कॉलोनी की पहली गली में शनिवार तड़के भीषण आग लग गई । अधिकारियों ने बताया कि आग एक स्क्रैप फैक्ट्री में लगी थी ।घटनास्थल पर लोहे के स्क्रैप, अपशिष्ट पदार्थ और प्लास्टिक की मौजूदगी के कारण आग तेजी से फैल गई। आस-पास के इलाके में घना धुआं भर गया, जिससे निवासियों में चिंता की स्थिति पैदा हो गई।पुलिस और दमकल कर्मी मौके पर पहुंच गए हैं और आग पर काबू पाने के प्रयास में लगे हुए हैं।

कोवूर उपनिरीक्षक रंगनाथ गौड़ ने पुष्टि की कि अधिकारियों को सुबह-सुबह घटना की सूचना मिली और उन्होंने तुरंत कार्रवाई की।उन्होंने कहा कि अग्निशमन दल आग पर काबू पाने के लिए सक्रियता से काम कर रहे हैं, जबकि आग लगने के कारणों की अभी भी जांच की जा रही है।

सर्जनों ने उच्च जोखिम वाली रेट्रोस्टर्नल गोइटर को हटाने में पायी सफलता

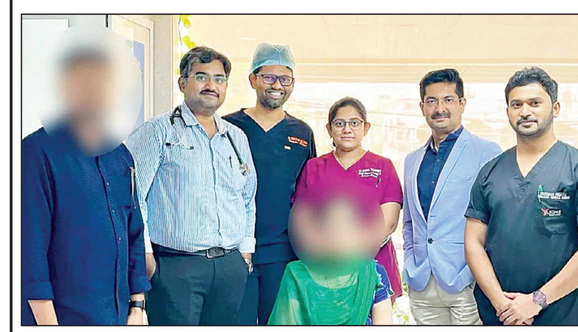

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सर्जिकल विशेषज्ञता एवं बहु-विषयक समन्वय के एक असाधारण प्रदर्शन करते हुए तेलंगाना में कोंडापुर के केआईएमएस अस्पताल के डॉक्टरों ने सात घंटे से अधिक समय तक चली एक उच्च जोखिम वाली सर्जरी में एक 35 वर्षीय महिला से एक दुर्लभ और विशाल रेट्रोस्टर्नल गोइटर को सफलतापूर्वक हटा दिया।

कंसल्टेंट थोरैसिक सर्जन डॉ रोहन रेड्डी सी ने शनिवार को यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रोगी शुरू में मध्यम सीने में दर्द और कभी-कभी सांस लेने में कठिनाई के साथ एक स्थानीय अस्पताल में आया था। इमेजिंग से पता चला कि दाहिनी ओर ऊपरी छाती गुहा के एक महत्वपूर्ण हिस्से में एक बड़ा द्रव्यमान है। बायोप्सी के बाद पता चला कि द्रव्यमान थायरॉयड ऊतक जैसा है। इसके बाद आगे के मूल्यांकन के लिए केआईएमएस कोंडापुर भेजा गया। केआईएमएस में, उन्नत निदान ने लंबे समय से चली आ रही थायरॉयड सूजन की पुष्टि की जो गर्दन से छाती गुहा में गहरी फैल गई थी, जिससे दाहिना फेफड़ा, हृदय और प्रमुख रक्त वाहिकाएँ संकुचित हो गई थीं - एक विशाल रेट्रोस्टर्नल गोइटर की क्लासिक विशेषताएँ। नैदानिक परीक्षण में दाहिने हाथ और प्रमुख छाती की नसों में सूजन भी पाई गई, जो सुपीरियर वेना कावा सिंड्रोम का संकेत देती है - शिरा-परक जमाव के कारण संभावित रूप से जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाली स्थिति।एक व्यापक बहु-विषयक चर्चा के बाद, रोगी और उसके परिवार को सर्जरी से जुड़ी जटिलता और उच्च जोखिमों के बारे में पूरी तरह से परामर्श दिया गया। सर्जिकल टीम ने एक कठिन प्रक्रिया की जिसमें स्टर्नोटॉमी (ब्रेस्टबोन का लंबवत विभाजन) और दाएं पूर्ववर्ती थोरैकोटॉमी शामिल थी। इस क्लैम-शेल दृष्टिकोण - छाती की दीवार को ऊपर उठाना - ने द्रव्यमान तक पूरी पहुँच की अनुमति दी।

15 सेमी से अधिक माप वाला ट्यूमर ऊपरी दाहिने फेफड़े, हृदय और दाहिनी बांह की शिरा को संकुचित करता हुआ पाया गया। सर्जिकल टीम की सटीकता और दृढ़ता की बदौलत, पूरे द्रव्यमान को सफलतापूर्वक निकाल दिया गया, जिससे सामान्य रक्त प्रवाह बहाल हो गया और संपीड़न लक्षणों में कमी आई।

ऑपरेशन के बाद, मरीज ने शानदार रिकवरी की। निरंतर निगरानी और पुनर्वास सहायता के साथ, उसे एक सप्ताह के भीतर सुरक्षित रूप से छुट्टी दे दी गई।

मल्टीडिसिप्लिनरी सर्जिकल टीम में थोरैसिक सर्जन डॉ रोहन रेड्डी सी, एंडोक्राइन सर्जन डॉ राम्या वैलवेरु, कार्डियक सर्जन डॉ निसर्ग और डॉ विनीत, वैस्कुलर सर्जन डॉ वेंकटेश बोलिनेनी और एनेस्थीसिया टीम शामिल थी।

डॉ रोहन रेड्डी ने कहा, एक विशाल रेट्रोस्टर्नल गोइटर एक दुर्लभ और खतरनाक स्थिति है जो अक्सर गंभीर लक्षण विकसित होने तक किसी का ध्यान नहीं जाता है। पूरी तरह से छांटना ही निश्चित उपचार है, और हमें गर्व है कि हमारी टीम के पास इस तरह की जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक करने के लिए विशेषज्ञता और बुनियादी ढांचा दोनों हैं।

समय से पहले मानसून आने की चेतावनी!

तेलंगाना में सप्ताह भर तक गरज और भारी बारिश की आशंका

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद मौसम विभाग ने 23 मई तक तेलंगाना में भारी बारिश, आंधी, बिजली और तेज़ हवाओं के जारी रहने की भविष्यवाणी की है। यह अलर्ट ऐसे समय में जारी किया गया है जब राज्य के कुछ हिस्सों में लगातार बारिश शुरू हो गई है, जिससे तापमान कम हो गया है और जल स्तर बढ़ गया है।

मौसम विभाग ने कई जिलों में अगले तीन दिनों के लिए अपनी नारंगी चेतावनी जारी की है - जो संभावित रूप से गंभीर मौसम का संकेत देती है। इसके अलावा, कई क्षेत्रों के लिए पीली चेतावनी जारी की गई है, जिसमें गरज और बारिश से मध्यम प्रभाव के जोखिम को दर्शाया गया है।

गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक हैदराबाद और आसपास के जिलों के कई इलाकों में लगातार बारिश हुई। बारिश की वजह से बढ़ते तापमान में कमी आई और लोगों को कुछ राहत मिली। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसाइटी के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि के दौरान तेलंगाना के अधिकांश क्षेत्रों में अच्छी बारिश दर्ज की गई।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने रियल-टाइम पूर्वानुमानों के लिए मशहूर मौसम विश्लेषक टी. बालाजी ने शुक्रवार को कहा कि इस साल मानसून जैसा मौसम बहुत पहले ही आ रहा है । अपने पोस्ट में उन्होंने किसानों को फसल की पैदावार को अधिकतम करने के लिए 18 या 19 मई के आसपास बीज बोना शुरू करने की सलाह दी ।

उन्होंने कहा कि 20 मई के बाद तापमान में काफी गिरावट आने की उम्मीद है , जिससे मानसून के शुरुआती दिनों में फसलों को फायदा होगा। हालांकि, उन्होंने जून के दूसरे या तीसरे सप्ताह तक मानसून चक्र में रुकावट आने की भी चेतावनी दी और इसलिए कृषि गतिविधियों को उसी हिसाब से आगे बढ़ाने की सिफारिश की।

हालांकि बारिश ने गर्मी से काफी राहत दिलाई है, लेकिन मौसम विभाग ने मौसम संबंधी अलर्ट वाले क्षेत्रों में रहने वालों को सावधानी बरतने की सलाह दी है । नागरिकों से आग्रह किया जाता है कि वे आंधी-तूफान के दौरान घर के अंदर रहें और बिजली गिरने के दौरान खुले क्षेत्रों से बचें।मौसम की बदलती स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है तथा आने वाले दिनों में मौसम विभाग और स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा आगे की जानकारी जारी की जाएगी ।

क्वांटम वैली आंध्र प्रदेश को क्वांटम प्रौद्योगिकी के केंद्र में बदल देगी : आंप्र राज्यपाल

अमरावती (आंध्र प्रदेश),17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल और जेएनटीयू अनंतपुर के कुलाधिपति एस अब्दुल नजीर ने शनिवार को अनंतपुर में विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के चौदहवें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की।एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि छात्रों को संबोधित करते हुए राज्यपाल अब्दुल नजीर ने कहा कि भारत के राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के हिस्से के रूप में अमरावती में क्वांटम कंप्यूटिंग हब क्वांटम वैली स्थापित करने की राज्य सरकार की योजना, राज्य को भारत में क्वांटम प्रौद्योगिकी अनुसंधान और विकास के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करेगी।बयान में कहा गया कि चांसलर ने कहा कि विकसित भारत की अवधारणा आर्थिक समृद्धि, सामाजिक समावेशिता, तकनीकी उन्नति और सतत विकास प्राप्त करने पर केंद्रित है तथा एक ऐसे भारत की कल्पना करती है जहां प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रोजगार के अवसर और सम्मानजनक जीवन तक पहुंच हो।इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए डिजिटल अर्थव्यवस्था, नवीकरणीय ऊर्जा, स्टार्ट-अप, शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास जैसे कई कार्यक्रम सहभागी दृष्टिकोण के साथ शुरू किए गए हैं, जिससे नागरिकों, छात्रों, युवाओं और सभी संस्थानों को इस सपने की प्राप्ति में सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।उन्होंने आगे कहा कि स्वर्ण आंध्र 2047, राज्य का अपना दृष्टिकोण, विकसित भारत के राष्ट्रीय मिशन के अनुरूप है और राज्य सरकार द्वारा तैयार रोडमैप का लक्ष्य 2047 तक आर्थिक समृद्धि, तकनीकी उन्नति, सामाजिक समानता और पर्यावरणीय स्थिरता हासिल करना है।राज्यपाल अब्दुल नजीर ने दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक, योग्यता प्रमाण पत्र और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी।प्रोफेसर एमआर माधव, एमेरिटस प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), आईआईटी कानपुर ने मुख्य अतिथि-सह-वक्ता के रूप में भाग लिया और लॉरस लैब्स लिमिटेड के संस्थापक और सीईओ डॉ. सत्यनारायण चावा को विश्वविद्यालय द्वारा मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।कुलपति प्रो. एच. सुदर्शन राव ने विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट पढ़ी। राज्यपाल के सचिव डॉ. एम. हरि जवाहरलाल और अन्य गणमान्य व्यक्ति दीक्षांत समारोह में उपस्थित थे।

एक करोड़ महिलाएं करोड़पति : तेलंगाना के मुख्यमंत्री का स्वयं सहायता समूहों के लिए बड़ा कदम

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने वादा किया कि उनकी सरकार तेलंगाना में महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की संख्या बढ़ाकर एक करोड़ करेगी।शनिवार, 17 मई को यहां वी हब-महिला त्वरण कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने महिला समूहों के सदस्यों को एक विशिष्ट संख्या या क्यूआर कोड वाला पहचान पत्र देने की घोषणा की। उन्होंने कहा, सालों से, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को उपेक्षा का सामना करना पड़ा है। तेलंगाना सरकार उन्हें आर्थिक रूप से सहायता प्रदान करेगी और राज्य में एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगी।उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष बैंकों ने स्वयं सहायता समूहों को 20,000 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किये, जिसका पूरा भुगतान सरकार द्वारा किया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य कई कल्याणकारी योजनाओं के साथ शुरू हो चुका है, जिसमें महालक्ष्मी योजना, 1000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन व्यवसाय को स्वयं सहायता समूहों को सौंपना, 150 आरटीसी बसों का आवंटन आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा, बहुत जल्द, 600 बसों का प्रबंधन और संचालन स्वयं सहायता समूहों द्वारा किया जाएगा। यदि आवश्यक हुआ तो हम भविष्य में और अधिक आवंटित करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने महिला समूहों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं, जिसमें 500 रुपये वाले गैस सिलेंडर योजना का प्रबंधन और राज्य भर में छात्रों को 1.3 करोड़ स्कूली वर्दी का वितरण शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा, हम पारंपरिक रूप से बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों के वर्चस्व वाले क्षेत्रों में भी महिला समूहों को प्रोत्साहित कर रहे हैं।सीएम रेवंत ने आगे कहा कि सरकार ने महिला समूहों के लिए विपणन के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए हाई-टेक सिटी के पास 3.5 एकड़ भूमि आवंटित की है।मुख्यमंत्री ने कहा, हम हर जगह और हर परिस्थिति में महिलाओं को प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारी सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है, महिला सशक्तिकरण।

टैंक बंड पर तिरंगा रैली ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का सम्मान किया

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी को श्रद्धांजलि देने और 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता को उजागर करने के लिए शनिवार, 17 मई को हैदराबाद के टैंक बंड में एक विशाल तिरंगा रैली का आयोजन किया गया।

सैकड़ों प्रतिभागियों ने हाथ में राष्ट्रीय ध्वज लेकर मार्च किया, जिससे पूरे मार्ग पर तिरंगे का सागर बन गया। सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, और कार्यक्रम को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए यातायात को डायवर्ट किया गया था।

13 मई से शुरू हुआ यह दस दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान 23 मई तक चलेगा, जिसमें बाइक रैलियां, सार्वजनिक सभाएं, ध्वजारोहण समारोह और भारत भर के कई शहरों और कस्बों में जन-संपर्क गतिविधियां शामिल होंगी।22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 25 पर्यटकों और एक कश्मीरी टट्टू संचालक की नृशंस हत्या के बाद भारत सरकार द्वारा 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया गया था।

मुख्यमंत्री ने दुबई पुलिस शिखर सम्मेलन में प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए हैदराबाद पुलिस आयुक्त को बधाई दी

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इस बात पर बहुत गर्व व्यक्त किया है कि तेलंगाना पुलिस ने 138 देशों की एजेंसियों को पछाड़ते हुए मादक द्रव्य विरोधी प्रयासों में विश्व स्तर पर नंबर 1 स्थान हासिल किया है । दुबई में आयोजित प्रतिष्ठित विश्व पुलिस शिखर सम्मेलन 2025 में नारकोटिक्स विरोधी उत्कृष्टता की श्रेणी में इस उपलब्धि को मान्यता दी गई।अंतरराष्ट्रीय मान्यता के बाद, हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने हैदराबाद में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और औपचारिक रूप से पुरस्कार प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने DrugFreeHyderabad पहल के तहत ड्रग्स के खिलाफ उनके अथक और प्रभावशाली अभियान के लिए आनंद और पूरी पुलिस टीम को बधाई दी ।सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना पुलिस का मादक पदार्थ विरोधी क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में उभरना न केवल राज्य बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने वैश्विक मानक स्थापित करने के लिए पुलिस बल की सराहना की और नशा मुक्त तेलंगाना के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।यह अंतरराष्ट्रीय मान्यता मादक पदार्थों से जुड़े अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए तेलंगाना के सक्रिय और प्रौद्योगिकी-संचालित दृष्टिकोण को उजागर करती है। राज्य ने कार्रवाई, जन जागरूकता अभियान और अंतर-एजेंसी सहयोग को तेज किया है, जिसने इस सम्मान को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यह उपलब्धि गतिशील पुलिस बल के नेतृत्व में एक सुरक्षित और सक्रिय शहर के रूप में हैदराबाद की प्रतिष्ठा को और मजबूत करती है।

तेलंगाना में अनाथ बच्चों के लिए आरोग्यश्री स्वास्थ्य कार्ड जारी

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डॉ. दानसारी अनसूया सीताक्का ने शनिवार को राज्य में पहली बार अनाथ बच्चों को आरोग्यश्री स्वास्थ्य कार्ड वितरित किये गये।

बेगमपेट के टूरिज्म प्लाजा में आयोजित इस कार्यक्रम ने कमजोर बच्चों के लिए समावेशी स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीताक्का का शिशु विहार के बच्चों ने गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें एक पौधा भेंट किया। भावुक क्षण में मंत्री ने बच्चों को गले लगाया, प्यार किया और पुचकारा, जो परिवारों के बिना रहने वालों के लिए अभिभावक के रूप में कार्य करने की सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस कदम को एक क्रांतिकारी निर्णय बताते हुए श्रीमती सीताक्का ने कहा, जिन बच्चों के माता-पिता नहीं हैं उनके अभिभावक सरकार है। अब हम उनका परिवार हैं। आरोग्यश्री कार्ड जारी करके, हम न केवल चिकित्सा सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं, बल्कि यह भी दिखा रहे हैं कि वे अनाथ नहीं हैं।

आरोग्यश्री कार्ड अनाथ बच्चों को कॉर्पोरेट अस्पतालों में 10 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा प्रदान करेंगे, जिसमें स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की समस्याएं शामिल होंगी। इस ऐतिहासिक उपाय का उद्देश्य अनाथ बच्चों द्वारा सामना किए जाने वाले स्वास्थ्य संबंधी संघर्षों को कम करना और उन्हें एक सहायक परिवार के बराबर सुरक्षा प्रदान करना है। वितरण समारोह में परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सांसद अनिल कुमार यादव, हैदराबाद की मेयर गडवाला विजयलक्ष्मी, डिप्टी मेयर मोटे श्रीलता और हैदराबाद के कलेक्टर अनुदीप दुरशेट्टी ने भाग लिया।

महिला एवं बाल कल्याण सचिव अनीता रामचंद्रन और निदेशक कांति वेस्ले भी मौजूद थे। मंत्रियों ने डेकेयर सेंटरों की देखरेख में रह रहे बच्चों को स्वास्थ्य कार्ड सौंपे, कई अधिकारियों ने जैविक माता-पिता की अनुपस्थिति में माता-पिता के रूप में सेवा करने में सक्षम होने पर खुशी व्यक्त की। सीताक्का ने कहा, जब बच्चे अपने माता-पिता को खो देते हैं और उनका समर्थन करने वाला कोई नहीं होता है, तो सरकार की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह कदम उठाए। इस कार्यक्रम में बच्चों के लिए खेल और मनोरंजन भी शामिल थे, जिससे उत्सव और सहायक माहौल बना। एक मार्मिक भाव प्रदर्शित करते हुए मंत्री सीताक्का को एक बच्चे को प्यार से खाना खिलाते हुए देखा गया, जिससे इस अभियान के प्रति उनका भावनात्मक जुड़ाव और अधिक स्पष्ट हो गया।

तेलंगाना की नजर 20,000 मेगावाट हरित ऊर्जा पर

भट्टी ने 12,500 करोड़ की जनजातीय सौर योजना का अनावरण किया

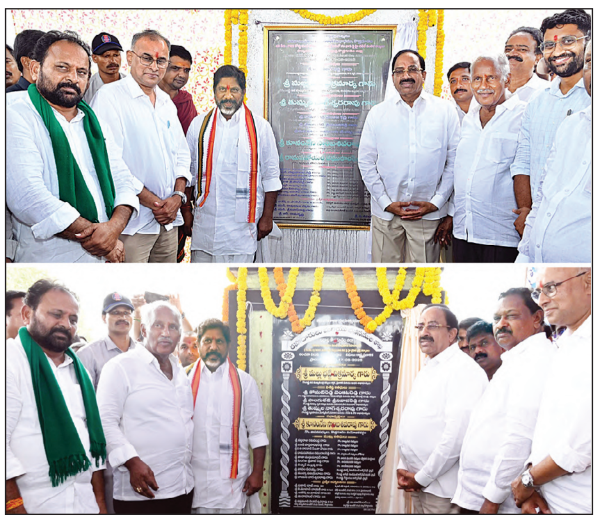

कोत्तागुडेम, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि कोई भी राज्य विकास की तेलंगाना की गति से मेल नहीं खा सकता है। शनिवार को कोठागुडेम में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए भट्टी ने पलवांचा में कई बिजली सबस्टेशनों और एक उच्च स्तरीय पुल की आधारशिला रखी, जिससे बुनियादी ढांचे के विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।

कोत्तागुडेम कलेक्ट्रेट में एक सभा को संबोधित करते हुए भट्टी ने आईटी, फार्मा, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आवास और कल्याण क्षेत्रों में तेलंगाना के समग्र विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने पिछली सरकारों पर कटाक्ष करते हुए उन पर सार्वजनिक धन का दुरुपयोग करने और अब राज्य की प्रगति से हताश होकर निराधार आलोचना का सहारा लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मौजूदा सरकार उन्हें प्रत्यक्ष विकास के साथ जवाब देगी।

एक प्रमुख घोषणा में, भट्टी ने इंदिरा सौर जनजातीय जल विकास योजना की शुरुआत की जिसका उद्देश्य आदिवासी समुदायों का उत्थान और वनों की रक्षा करना है। यह योजना गोदावरी बेसिन के साथ आदिलाबाद से भद्राचलम तक फैलेगी और इसमें कृष्णा बेसिन के क्षेत्र शामिल होंगे। यह सौर ऊर्जा से चलने वाले बोरवेल, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली प्रदान करेगी और एवोकैडो और बांस जैसी बागवानी फसलों को बढ़ावा देगी। कार्यक्रम आधिकारिक तौर पर सोमवार को नागरकुरनूल जिले के अचंपेट में शुरू होगा।भट्टी ने पुष्टि की कि नई योजना पर 12,500 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिससे आदिवासी लाभार्थियों पर कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कार्यक्रम आदिवासी समुदायों के सम्मान और गरिमा पर आधारित है और इसका उद्देश्य दीर्घकालिक स्थिरता है।पिछले और वर्तमान प्रदर्शन की तुलना करते हुए भट्टी ने कहा कि पिछली सरकार 2023-24 में 15,000 मेगावाट की मांग से जूझ रही थी, जबकि वर्तमान प्रशासन ने मार्च में 17,162 मेगावाट की अधिकतम मांग को सफलतापूर्वक प्रबंधित किया। उन्होंने कहा, संयुक्त आंध्र प्रदेश में भी ऐसी मांग अभूतपूर्व थी।उपमुख्यमंत्री ने सरकार के हरित ऊर्जा दृष्टिकोण को रेखांकित किया, जिसमें तापीय, सौर, जलविद्युत और पवन स्रोतों का उपयोग करके 20,000 मेगावाट तक क्षमता का विस्तार करना शामिल है। उन्होंने जनता को यह भी याद दिलाया कि यह कांग्रेस पार्टी ही थी जिसने मूल रूप से राज्य में बिजली लाई थी - केसीआर नहीं।भट्टी ने सीताराम परियोजना के महत्व पर भी जोर दिया तथा कहा कि परियोजना के तहत नहरों के लिए भूमि अधिग्रहण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा ताकि क्षेत्र में सिंचाई को बढ़ावा दिया जा सके तथा कृषि को समर्थन दिया जा सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.